आनंद का सच्चा भाव®
18 कैरेट रेट* (75.00%) = ₹97025/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) = ₹118500/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) = ₹129354/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
ANAND Jewels
Pandri, Raipur

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | बिलासपुर, शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025

फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र पर नौकरी के मामले

छत्तीसगढ़ में फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी के कई मामले सामने आए हैं और इनकी जांच चल रही है। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, यह संख्या 150 से अधिक हो सकती है। छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ ने आरोप लगाया है कि लगभग 127 से 150 सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों ने फर्जी विकलांगता प्रमाण पत्र का उपयोग करके नौकरियां हासिल की हैं। उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद इन मामलों की जांच में तेजी आई है। इन मामलों में सात डिप्टी कलेक्टर, तीन नायब तहसीलदार, और विभिन्न विभागों (शिक्षा, कृषि,श्रम,आदि) के अन्य अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र के मामले

छत्तीसगढ़ में फर्जी जाति प्रमाण पत्र के सैकड़ों मामले चल रहे हैं, जिनमें 2000 से 2020 तक 758 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 267 फर्जी पाए गए हैं; ये मामले सरकारी कर्मचारियों, अधिकारियों और छात्रों से जुड़े हैं और कई अभी भी जांच या हाई कोर्ट में अटके हुए हैं, जिस पर सरकार कार्रवाई कर रही है, पर अब भी 350 से अधिक मामलों में जांच जारी है और नए मामले भी सामने आ रहे हैं। पिछले 2 वर्षों (2023-2024) में भी कई नए फर्जी प्रमाण पत्र सामने आए हैं, और सहायक शिक्षकों के पदों पर भर्ती में भी गड़बड़ी के आरोप हैं।

सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया आदेश

फर्जी जाति और दिव्यांग प्रमाणपत्र से नौकरी के थोक में मामले इसीलिए अब दस्तावेजों की जांच नियुक्ति के बाद नहीं, पहले होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ में फर्जी जाति प्रमाण पत्र, फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने वालों पर शिकंजा कसेगा। राज्य में इस तरह के हजारों मामले सामने आने के बाद अब सरकार ने तय किया है कि छत्तीसगढ़ राज्य में सभी विभागों के लिए छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग, व्यावसायिक परीक्षा मण्डल एवं अन्य संस्थाओं द्वारा आयोजित परीक्षा में चयनित अभ्यार्थियों का नियुक्ति आदेश जारी करने के पूर्व प्रशासकीय विभाग चयनित अभ्यर्थियों के समस्त आवश्यक मूल दस्तावेजों, प्रमाण पत्रों की पूर्ण जांच सत्यापन करने के बाद ही नियुक्ति आदेश जारी किया जाए।

सरकार ने जारी किया आदेश

इस संबंध में राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रदेश के सभी भारसाधक सचिवों के लिए आदेश जारी कर यह बात कही है। शासन के ध्यान में यह तथ्य आया है कि कई विभागों द्वारा छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग, व्यवसायिक परीक्षा मण्डल एवं अन्य संस्थाओं द्वारा आयोजित परीक्षा का चयन सूची जारी उपरांत बिना पुलिस चरित्र सत्यापन तथा समस्त ▶▶| शेष पेज 6 पर

छत्तीसगढ़ में दोनों तरह का फर्जीवाड़ा हजारों ने किया

केवल शपथ पत्र लेकर नहीं दे सकते नियुक्ति आदेश

सामान्य प्रशासन विभाग को यह आदेश जारी करने की जरुरत इसलिए पड़ी क्योंकि खुद सरकार ने पाया कि हमेशा कई विभागों द्वारा कुछ दस्तावेजों के अभाव में शपथ पत्र लेकर नियुक्ति आदेश जारी किये जाते हैं, सरकार का मानना है कि यह प्रशासनिक दृष्टिकोण से न्यायोचित नहीं है।

ये कैसा अंधविश्वास, तंत्र मंत्र के चक्कर में गई जान, तांत्रिक समेत कई हिरासत में, पूछताछ

पैसों की बारिश के लिए मुंह में नीबू डालकर गले में रस्सी फंसाकर खींची, तीन की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

उरगा थाना के ग्राम कुदरी स्थित एक फार्म हाउस मे शहर के स्क्रैप कारोबारी सहित तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना बीती रात की है। तीनों की मौत कैसे और किन परिस्थिति में हुई ,यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। तीन डॉक्टरों की टीम ने मामले में पोस्टमार्टम की कार्रवाई की है,वहीं दूसरी और फोरेंसिक एक्सपर्ट व बिलासपुर रेंज के आईजी ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर पुलिस की टीम विभिन्न बिंदुओं पर मामले की तहकीकात के निर्देश दिए हैं। मामले को तंत्र-मंत्र से जोड़कर देखा जा रहा है।

प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि शहर के पुरानी बस्ती निवासी स्क्रैप व्यवसायी मोहम्मद अशरफ 48 वर्ष, तुलसी नगर डीएम रोड निवासी सुरेश साहू 44 वर्ष और तिफरा निवासी नीतीश रात्रे 30 वर्ष सहित कुल आठ लोग बुधवार को उरगा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुदरी स्थित एक फार्म हाउस में शाम लगभग 5:00 बजे पहुंचे थे,जहां बिलासपुर अमेरी से आया एक तांत्रिक आशीष दास सहित अन्य लोगों द्वारा फार्म हाउस के एक कमरे मे तंत्र मंत्र किया जा रहा था। इसे पैसा झरन यानी पैसों की बारिश के लिए तंत्र-मंत्र बताया गया। इस दौरान तांत्रिक द्वारा अशरफ मेमन, सुरेश साहू, नीतीश रात्रे के मुंह में नींबू नारियल बांधकर उनके गले में नायलॉन की रस्सी फंसा कर रस्सी खींची जा रही थी, तभी तीनों मूर्छित ▶▶| शेष पेज 6 पर

जांच के बाद होगा स्पष्ट

तीन लोगों की संदिग्ध मौत हुई है। पोस्टमार्टम की कार्रवाई तीन चिकित्सकों की टीम ने की है। फिलहाल शॉर्ट पीएम रिपोर्ट भी नहीं मिली है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही स्पष्ट होगा कि तीनों की मौत कैसे हुई है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

-भूषण एक्का नगर पुलिस अधीक्षक,कोरबा

आधा दर्जन हिरासत में

पुलिस ने आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लेकर भी पूछताछ शुरू की है। दूसरी ओर फार्म हाउस में तांत्रिक आशीष दास व उसके साथ आए उसके सहयोगियों की मृतकों के परिजनों ने देर रात जमकर पिटाई कर दी, जिससे तांत्रिक आशीष दास सहित दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। तीनों को मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया है।

पैसा झरन क्रिया कर रहा था तांत्रिक

पुलिस के सूत्र बताते हैं कि पड़ोसी जिला बिलासपुर के ग्राम अमेरी निवासी तांत्रिक आशीष दास अपने साथियों के साथ पैसा झरन पैसो की बारिश करने के लिए फावड़ा लेकर आया हुआ था। उसने वहां मौजूद लोगों को 5 लाख रुपये को तंत्र विद्या से ढाई करोड़ रुपए में बदलने का झांसा दिया था। उसके इसी झांसे में आकर वहां मौजूद लोगों द्वारा तांत्रिक विद्या कराई जा रही थी। रकम हासिल करने के बाद रकम को आपस में बांटने की योजना थी, लेकिन इससे पहले ही तीन लोगों की मौत हो गई, जिले में इससे पहले भी हंडा खोजने या फिर हांडे के नाम पर ठगी की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। भोले भाले लोग तांत्रिकों के ▶▶| शेष पेज 6 पर

डीपीएस का 17 वां वार्षिकोत्सव

शिक्षा मंत्री यादव ने कहा-हर क्षेत्र में विनर तैयार कर रहा डीपीएस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

दिल्ली पब्लिक स्कूल बिलासपुर का 17वां वार्षिकोत्सव गरिमामय ढंग से आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि डीपीएस नाम सुनते ही मल्टी सुपर स्पेशलिटी एजुकेशन सोयायटी ध्यान में आने लगता है। यहां के बच्चे पढ़ाई में प्रदेश स्तर पर तो टॉपर हैं ही, लेकिन स्कूल में उन्हें पढ़ाई के अलावा हर क्षेत्र में तैयार कर विनर बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। समारोह की अध्यक्षता हरियाणा सरकार के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु सिंधु ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी मौजूद रहे। समारोह में मुख्य रूप से सिंधु एजुकेशन फाऊंडेशन की चेयरपर्सन डा.एकता सिंधु, एसीबी इंडिया के ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर वीरसेन सिंधु शामिल हुए। डीपीएस के वार्षिकोत्सव समारोह में गुरुवार को बतौर मुख्य अतिथि श्री यादव ने विभिन्न क्षेत्रों में टॉप करने पर सम्मान पाने वाले छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि आज के समय में अब केवल पढ़ाई में टॉप करने से काम नहीं चलने वाला है। हर क्षेत्र में अपने आपको तैयार करना है। डीपीएस द्वारा अपने छात्र-छात्राओं को न केवल प्रत्येक एक्टिविटी में शामिल किया जा रहा है, बल्कि हर क्षेत्र में विनर बनाने का काम भी किया जा रहा है। श्री यादव ने ▶▶| शेष पेज 6 पर

शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने रखी गई नींव : डॉ. द्विवेदी

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने कहा कहा कि किसी भी शहर में निवास करने से पहले वहां की शिक्षा व्यवस्था एवं उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं पर विशेष तौर पर ध्यान दिया जाता है। वहां उपलब्ध इन दोनों सुविधाओं के स्तर का आंकलन करते हुए ही यह तय किया जाता है कि वह शहर रहने लायक है कि नहीं। छत्तीसगढ़ गठन के पश्चात प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से ही कैप्टन अभिमन्यु ने यहां डीपीएस की नींव रखी थी। आज शिक्षा के क्षेत्र में डीपीएस ने अपनी ▶▶| शेष पेज 6 पर

खबर संक्षेप

फुकेट में पकड़े गए लूथरा ब्रदर्स को जमानत नहीं

पणजी/नई दिल्ली। गोवा नाइट क्लब अग्निकांड के बाद देश छोड़कर भागे लूथरा ब्रदर्स को बड़ा झटका लगा है। थाईलैंड में गौरव और सौरभ लूथरा को अरेस्ट किए जाने के बाद गुरुवार को दिल्ली की कोर्ट ने जमानत देने से इंकार कर दिया। गोवा के नाइट क्लब में आग लगने की घटना के बाद दोनों मालिक इंडिगो की फ्लाइट से भाग गए थे। इसके बाद गोवा पुलिस ने लूथरा ब्रदर्स पर शिकंजा कसा था। गोवा सरकार के आग्रह पर भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने दोनों भाईयों के पासपोर्ट सस्पेंड कर दिए थे। दोनों भाईयों ने चारों तरफ से शिकंजा कसने के बाद दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की थी। गोवा के 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइट क्लब में भीषण आग लगने से 25 लोगों की मौत हुई थी। यह भयावह हादसा 7 दिसंबर को हुआ था।

चीनी नागरिक निर्वासित काली सूची में डाला गया

श्रीनगर। लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में वीजा निमयों का उल्लंघन कर दाखिल हुए चीन के नागरिक हू कोंगताई को हांगकांग निर्वासित कर दिया गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 29 वर्षीय हू को निर्वासित करने और काली सूची में डालने का निर्णय उसके मोबाइल फोन की फोरेंसिक जांच पूरी होने के बाद लिया गया क्योंकि वह लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में रणनीतिक महत्व के स्थानों पर गया था। अधिकारियों ने बताया, 'पिछले सप्ताह यहां हिरासत में लिए गए चीन के नागरिक को 10 दिसंबर की शाम को हांगकांग निर्वासित करने के लिए दिल्ली भेज दिया गया है। कोंगताई (29) 19 नवंबर को पर्यटक वीजा पर दिल्ली पहुंचा था।

एक ही स्कूल में पढ़ते थे तीनों बच्चे

हसदेव नदी में डूबने से 3 बच्चों की मौत

जांजगीर- चाम्पा। हसदेव नदी में डूबने से 3 बच्चों की मौत हो गई। तीनों एक ही मोहल्ले के रहने वाले थे। खेलने के लिए बुधवार को अपने अपने घर से निकले थे, लेकिन देर शाम तक नहीं लौटे। एस डी आर एफ की टीम ने कई घंटे की मशक्कत के बाद गुरुवार को तीनों का शव नदी से बाहर निकाला। चाम्पा नगर के जगदल्ला में रहने वाले नेलशन एक्का, रूद्र राज और युवराज राठौर कक्षा पांचवी, आठवीं और नवमी के छात्र थे। तीनों एक ही स्कूल में पढ़ते थे। बुधवार को स्कूल में छुट्टी होने के कारण तीनों बच्चे दोपहर में अपने अपने घर से खेलने निकले थे। शाम तक नहीं लौटने पर घरवालों ने उनकी खोजबीन शुरू की और पुलिस को सूचना दी। बच्चो के पास मोबाइल भी था, लेकिन फोन रिसीव नहीं हो रहा था। पुलिस ने मोबाइल का लोकेशन ट्रेस किया और खोजबीन ▶▶| शेष पेज 6 पर

नदी में कई डेंजर स्पॉट

हसदेव नदी में कई स्थान डेंजर स्पॉट बन चुके हैं। जिस स्थान में बच्चे हादसे का शिकार हुए हैं, उस क्षेत्र में पहले भी कई हादसा हो चुका है। ऐसे में लोगों के मन में कई सवाल उठने लगे है। हसदेव नदी के कुदरी बैराज के पास नदी के अंदर बड़े बड़े गड्ढे बने है। बताया जा रहा है कि अवैध रेत उतखन्न के कारण ये गड्ढे हुए हैं। अब जब तीन बच्चो को मौत हो गई तो जिला प्रशासन कार्रवाई की योजना बना रही है। एस डी एम पवन कोसमा ने इस हादसे में शासन को योजना के तहत मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपये आर्थिक सहायता मिलने की बात कही। साथ ही हादसे की सुक्षमता से जांच कराने का दावा किया। वही घटना स्थल में डेंजर स्पॉट का चेतावनी बोर्ड लगा कर लोगो को जागरूक करने की बात कही।

मुख्यमंत्री ने किया संभाग स्तरीय बस्तर ओलंपिक का शुभारंभ

सीएम साय बोले-बस्तर अब शांति समरसता-समृद्धि की ओर अग्रसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बस्तर ओलंपिक के तहत संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का गुरूवार को स्थानीय इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम में विधिवत शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने समूचे बस्तर संभाग के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान बस्तर संभाग के सभी सातों जिलों के खिलाड़ियों ने आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्यमंत्री ने प्रतियोगिता शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए कहा ▶▶| शेष पेज 6 पर

ये रहे मौजूद: इस अवसर पर विधायक विनायक गोयल, चैतराम अटामी सहित अन्य जनप्रतिनिधि और कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी. कलेक्टर हरिस एस, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा तथा जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी, राष्ट्रीय खिलाड़ी किरण पिस्दा एवं खुशबू नाग के साथ बड़ी संख्या में खेलप्रेमी गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

हार से अच्छा करने की मिलती है प्रेरणा

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि बस्तर प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण है और इस धरा का समग्र विकास करने के लिए सार्थक प्रयास किया जा रहा है। बस्तर ओलम्पिक यहां के युवाओं को खेल की दृष्टि से आगे बढ़ाए जाने की पहल के साथ उन्हें विकास में सहभागिता निभाने प्रोत्साहित करना है। बस्तर में खेल के अधोसंरचना को और बेहतर किया जाएगा, ताकि खिलाड़ियों को उचित मंच दिया जा सके।

युवाओं को मुख्यधारा में जोड़ने का प्रयास

इस दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और कहा कि बस्तर ओलम्पिक युवाओं को विकास के मुख्यधारा से जोड़ने का सकारात्मक प्रयास है। सरकार इस दिशा में लगातार पहल कर बस्तर के अंदरूनी ईलाके के युवाओं को ज्यादा मौके देकर उन्हें प्रोत्साहित कर रही है। भविष्य में इस दिशा में और बेहतर पहल किया जाएगा।

बस्तर ओलंपिक के समापन में होंगे शामिल उससे पहले नक्सल मुद्दे पर चर्चा

शाह आज आएंगे, रायपुर में रुकेंगे रात, फिर जाएंगे बस्तर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 11 दिनों बाद एक बार फिर शुक्रवार की रात को रायपुर पहुंचे रहे हैं। वे रात को यहां पर विश्राम करने के बाद अगले दिन

रायपुर में नक्सल मुद्दे पर उच्चस्तरीय चर्चा कर सकते हैं। इसके बाद वे यहां से विशेष विमान से जगलपुर के लिए रवाना होंगे। वहां बस्तर ओलंपिक का समापन करने के बाद वहीं से दिल्ली वापस जाएंगे। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने देश से मार्च 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त करने का ऐलान किया है। अब उनके ऐलान के मुताबिक ही नक्सलवाद समाप्ति की तरफ है। वे लगातार छत्तीसगढ़ आकर नक्सलवाद पर बैठकें ले रहे हैं। बीते माह यहां पर डीजी-आईजी कांफ्रेंस भी हुई। इसमें जहां श्री शाह यहां पर चार दिनों तक रहे, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिनों तक रहे। श्री मोदी और श्री शाह यहां से 30 नवंबर को वापस गए थे। अब श्री ▶▶| शेष पेज 6 पर

दो घंटे का समय आरक्षित

श्री शाह शनिवार को यहां पर सुबह 11 बजे से लेकर एक बजे तक नक्सल मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं। वैसे इसका खुलासा नहीं किया जा रहा है। दो घंटे का समय आरक्षित रखा गया है। जानकारों का कहना है, इस समय में वे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम और गृह मंत्री विजय शर्मा, प्रदेश के अधिकारियों के साथ नक्सलवाद पर चर्चा करेंगे। अब तक क्या-क्या हुआ है, इसकी पूरी जानकारी लेंगे। बैठक के बाद वे मेयफेयर में ही भोजन करेंगे और जगदलपुर रवाना होंगे।

इंडिगो का ऐलान, 3-5 दिसंबर के दौरान फंसे यात्रियों को पैकेज

यात्रियों को मुआवजा और 10 हजार का ट्रैवल वाउचर!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

हरिभूमि फॉलोअप

परिचालन संबंधी व्यवधानों से जूझ रही विमानन कंपनी इंडिगो उड़ानें रद्द होने या विलंब के कारण प्रभावित यात्रियों को 10,000 रुपए के यात्रा 'वाउचर' देगी। यह वाउचर तीन से पांच दिसंबर के दौरान उड़ानें रद्द होने से प्रभावित यात्रियों को दिया जाएगा। यह नागर विमानन महानिदेशालय के मानदंडों के तहत उड़ान रद्द होने पर यात्रियों को प्रदान की जाने वाली राशि के अतिरिक्त होगा। इंडिगो ने बयान में खेद जताते हुए कहा कि तीन, चार और पांच दिसंबर को यात्रा करने वाले उसके कुछ ग्राहक कई घंटों तक कुछ हवाई अड्डों पर फंसे रहे और उनमें से कई भीड़भाड़ से बुरी तरह प्रभावित हुए। इसमें कहा गया, हम ऐसे गंभीर रूप से प्रभावित ग्राहकों को 10,000 रुपए मूल्य के यात्रा 'वाउचर' प्रदान करेंगे। इन यात्रा 'वाउचर' का उपयोग अगले 12 महीनों के दौरान इंडिगो की किसी भी यात्रा के लिए किया जा सकता है। देश की सबसे बड़ी विमानन ▶▶| शेष पेज 6 पर

यात्री ईमेल चेक करें

इंडिगो ने बताया कि 10 हजार रुपए का ट्रैवल वाउचर उन यात्रियों दी जाएंगी, जिनकी यात्राएं एक से ज्यादा बार बदलनी पड़ीं, यानी जिनकी उड़ानें बार-बार रीशेड्यूल हुईं, या जिन्हें एयरपोर्ट पर लंबा इंतजार करना पड़ा। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपने रजिस्टर्ड ईमेल और मोबाइल नंबर पर भेजे गए मैसेज को चेक करें, ताकि उन्हें मुआवजा और वाउचर क्लेम करने की प्रक्रिया में आसानी हो।

इंडिगो ने यात्रियों से मांगी माफी

कंपनी के अनुसार, मुआवजा राशि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के तहत दी जाएगी, जिन यात्रियों की उड़ानें एयरलाइन की वजह से रद्द हुईं, वे नियमों के मुताबिक इस मुआवजे के हकदार हैं। इंडिगो ने स्पष्ट किया कि मुआवजा राशि फ्लाइट की दूरी, टिकट श्रेणी और यात्री को हुई असुविधा के आधार पर दी जाएगी। इसका उद्देश्य यात्रियों को हुए आर्थिक नुकसान और अनावश्यक परेशानी को कम करना है। इंडिगो ने बयान जारी कर कहा कि रद्द उड़ानों के कारण जिन यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी, उनके लिए कंपनी खेद व्यक्त करती है।

ट्रंप गोल्ड कार्ड लागू, 9 करोड़ में मिलेगी अमेरिकी नागरिकता

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी नागरिकता का रास्ता तैयार करने वाला गोल्ड कार्ड लांच कर दिया है। इसे ट्रंप गोल्ड कार्ड वीजा के नाम से जाना जाएगा। इसके माध्यम से अमीर व्यक्ति यूएस सिटिजन बन सकते हैं। यह देश में तेजी से परमानेंट नागरिक बनने का अवसर प्रदान करेगी। इसकी लागत 1 मिलयन डॉलर रखी गई है। यानी भारतीय रुपयों में 9 करोड़ में अमेरिका की नागरिकता ट्रंप के गोल्ड कार्ड से मिल सकती है। इसे दो रूपों में लांच किया गया है। कार्ड लॉन्च करते हुए ट्रंप ने कहा कि यह कुछ हद तक ग्रीन कार्ड जैसा है, लेकिन ग्रीन कार्ड की तुलना में इसके बड़े फायदे हैं।

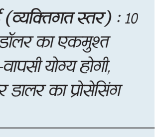

तीन स्तरों में आवेदन विकल्प

- *ट्रंप गोल्ड कार्ड (व्यक्तिगत स्तर) : 10 लाख अमेरिकी डॉलर का एकमुश्त भुगतान जो गैर-वापसी योग्य होगी, साथ ही 15 हजार डालर का प्रोसेसिंग शुल्क भी*
- *ट्रंप कॉरपोरेट गोल्ड कार्ड (कंपनियों के लिए) : 2 लाख डॉलर का भुगतान, इसके साथ में 15,000 अमेरिकी डॉलर डीएचएस शुल्क। यह कार्ड किसी कर्मचारी से दूसरे कर्मचारी को ट्रांसफर किया जा सकता है 5% ट्रांसफर शुल्क के साथ। इसमें डीएचएस की बैकग्राउंड जांच लागू होगी*
- *ट्रंप प्लेटिनम कार्ड (सबसे उच्च स्तर) : 5,000,000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान, 15 हजार डॉलर प्रोसेसिंग शुल्क। इसके तहत धारकों को हर साल 270 दिन तक अमेरिका में रहने की अनुमति. विदेशी आय पर टैक्स नहीं लगेगा*

खबर संक्षेप

फर्जी दस्तावेज तैयार कर लिया लोन, दो गिरफ्तार, दो फरार

रायपुर। राजधानी रायपुर में दूसरे की जमीन का फर्जी दस्तावेज तैयार कर छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक से लोन लेकर भुगतान नहीं करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में बैंक से धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, वहीं उनके अन्य दो साथी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। तेलीबांधा थाना प्रभारी ने इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि तेलीबांधा क्षेत्र में स्थित छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के प्रबंधक ने थाने में शिकायत कराई है कि ऋणि क्रेता निखील रघुवंशी माधव एवं विक्रेता स्वप्न गुच्छेत 48 वर्ष निवासी पुरानी बस्ती तथा मनोज सोनी 55 वर्ष निवासी मोती नगर टिकरापारा ने लोन लेने के लिए जमीन के दस्तावेज पेश किए थे। इस दस्तावेज के माध्यम से ऋणि निखिल रघुवंशी ने 13.50 लाख रुपए एवं स्वप्न गुच्छेत ने 8 लाख रुपए उनके बैंक से ऋण प्राप्त किया। इस तरह मनोज सोनी के साथ मिलकर उनके द्वारा बैंक में फर्जी दस्तावेज पेश किए गए थे। इसका पता तब चला, जब लोन की किस्त का भुगतान नहीं किया गया। बैंक ने इसके बाद जमीन के दस्तावेजों की जांच कराई, तो ये फर्जी निकले। इस शिकायत पर पुलिस ने मामले में धारा 420, 120बी भादवि. का अपराध पंजीबद्ध किया था। अब इस मामले में मनोज और स्वप्न गुच्छेत को गिरफ्तार किया है, वहीं इनके अन्य दो साथी अभी फरार हैं।

निर्माण कार्यों के 1132 निरीक्षण प्रकरण लंबित

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण प्रतिवेदनों की समीक्षा से ये बात सामने आई है कि 8 दिसम्बर 2025 तक विभिन्न विभागों के कुल 1132 निरीक्षण प्रकरण लंबित हैं। इनमें लोक निर्माण विभाग के 484, जल संसाधन विभाग के 297, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के 192, नगरीय प्रशासन विभाग के 08, पीएमजीएसवाई/सीएमजीएसवाई के 29, सीजी हाउसिंग बोर्ड के 52 तथा छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन के 37 प्रकरण शामिल हैं। गुरुवार को मुख्य तकनीकी परीक्षक आर. पुराम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी निर्माण विभागों के अभियंताओं की बैठक लेकर लंबित निरीक्षण प्रकरणों की समीक्षा की। बैठक में श्री पुराम ने विभागीय अभियंताओं को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से परीक्षण कर 15 दिनों के भीतर जवाब प्रस्तुत करें। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किस भी स्तर पर अनावश्यक विलंब पाया गया त ो संबंधित संभाग के अभियंताओं का नाम शासन को आवश्यक कार्यवाही के लिए भेजा जाएगा। बैठक में अभियंताओं को संगठन द्वारा विकसित क्वालिटी मॉनिटरिंग ऐप के उपयोग की जानकारी दी गई। इस ऐप में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी 100 बिंदु चेकलिस्ट शामिल की गई

पेशी में लाया गया बंदी कोर्ट परिसर से फरार

रायपुर। जिला सत्र न्यायालय रायपुर परिसर में एक बार फिर सिपाहियों की बड़ी लापरवाही सामने आई है। इन सिपाहियों की लापरवाही के कारण एनडीपीसी एक्ट के प्रकरण का एक आरोपी न्यायालय परिसर से फरार होने में कामयाब हो गया। बंदी के फरार होने पर जेल और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। पुलिस विभाग ने फरार बंदी को गिरफ्तार करने के लिए तत्काल शहर के सारे थानों को सूचना देकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। कोर्ट परिसर से फरार हुए आरोपी का नाम आशीष रजावत 26 वर्ष है। वह ककारा थाना नयापारा जिला भिंड मध्यप्रदेश का रहने वाला है। राजिम पुलिस ने 25 नवंबर को गांजा तस्करी के मामले में उसे गिरफ्तार किया था। उसके विरुद्ध थाने में 20बी एनडीपीसी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर शैलेष शर्मा की विशेष अदालत में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया था। इसके बाद से वह जेल में ही बंद था।

सभी विभागों से चर्चा के बाद तैयार होगा बजट का खाका

सचिव और विभागाध्यक्षों से बैठकों का दौर शुरू

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

भाजपा ने सरकार बनने के समय मोदी की गारंटी के साथ अन्य वादे किए थे। दो साल पूरा होने के बाद अब एक तरह से इसकी समीक्षा होगी, ताकि आने वाले समय में जनता की कसौटी पर भी खरा उतरा जा सके। वित्त विभाग ने बजट की तैयारी तेज कर दी है। सचिव और विभागाध्यक्षों से चर्चा का दौर बुधवार से शुरू हो गया है। वित्त विभाग 24 दिसंबर तक सभी विभागों से चर्चा कर बजट का एक खाका तैयार करेगा।

वित्त विभाग ने बजट की तैयारियों को लेकर 17 बिंदुओं पर गाइड लाइन जारी की है। जारी दिशा निर्देश में इस बात का भी प्रमुखता से ध्यान रखा जाएगा कि विभागों ने पिछले बजट की

राशि का कितना उपयोग किया है। प्रमुख योजनाएं धरातल पर उतरी कि नहीं। उल्लेखनीय है कि कई विभाग ऐसे हैं, जो अपनी बजट का पूरा हिस्सा खर्च ही नहीं कर पाते। कई योजनाएं ऐसी होती हैं, जिसका पूरी तरह पालन नहीं हो पाता। यही वजह है कि सभी विभाग से प्रमुख योजनाओं की जानकारी विस्तार से मांगी है।

प्रदेश के करीब-करीब सभी सरकारी विभागों में कर्मचारियों की कमी है। वहीं, कुछ विभाग खासकर शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे विभागों में नए पदों की मंजूरी बजट में मिलती है, लेकिन भर्ती प्रक्रिया नहीं हो पाती। यही वजह है कि वित्त विभाग ने सभी विभाग से नवीन पदों का सृजन एवं भर्ती की सहमति की जानकारी भी मांगी है। साथ ही विभागों को दैनिक वेतनभोगी एवं कार्यभारित-आकस्मिकता स्थापना में कार्यरत कर्मचारियों की जानकारी भी मांगी गई है।

इन वादों को पूरा करने जोर

मोदी की गारंटी में कुछ वादे अभी भी पूरे करने बाकी हैं। इनमें 500 रुपये में गैस सिलेंडर, बीपीएल बालिकाओं को जन्म प्रमाणपत्र, आयुष्मान योजना के तहत बीमा राशि 10 लाख रुपए तक बढ़ाना और छत्तीसगढ़ के हर संभाग में मेडिकल इंस्टिट्यूट का निर्माण शामिल है। इसके साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी वेबसाइट बनाने जैसे कदम भी योजना में शामिल हैं।

ऑनलाइन टेंडर में 5 एजेंसियों ने दिखाई दिलचस्पी

उज्जैन के महाकॉल की तर्ज पर महादेवघाट कॉरिडोर बनेगा, ठेका तय, खर्च होंगे 20 करोड़

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

राजधानी के प्राचीन महादेवघाट का स्वरूप जल्द बदलने वाला है। उज्जैन के महाकाल कॉरिडोर की तर्ज पर रायपुर में भी अब भव्य महादेव कारिडोर का निर्माण कार्य शुरू होगा। शहर की रामराजा एजेंसी को इस कार्य का जिम्मा मिला है। नगर उत्थान योजना में 20 करोड़ खर्च कर नगर निगम महादेवघाट को भव्य स्वरूप दिलाएगा। महादेवघाट के पुनर्विकास योजना में खारुन नदी तट पर स्थित इस ऐतिहासिक व धार्मिक स्थल को प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक आकर्षण का केंद्र बनाने की तैयारी है। यही नहीं, महादेवघाट का पूरा क्षेत्र सोलर लाइट से जगमग होगा। इसके लिए सौर ऊर्जा से संचालित लाइट पोल, एलईडी बोलार्ड और डेकोरेटिव लाइट्स लगाई जाएंगी। इससे महादेवघाट क्षेत्र दिन और रात दोनों समय सुरक्षित और सुंदर बना रहे।

दरअसल, खारुन नदी के किनारे स्थित महादेवघाट के पुनर्विकास की योजना में तीन विभाग एक साथ मिलकर अलग-अलग फेज में काम करेंगे। इसमें नगर निगम, लोक कर्म विभाग और जलसंसाधन विभाग शामिल है। योजना के मुताबिक विसर्जन कुंड से टाटीबंध तक सड़क चौड़ीकरण का

कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया जाएगा। जलसंसाधन विभाग घाट को सुरक्षित और विकसित करने कार्य करेगा। वहीं नगर निगम प्रथम फेज में 20 करोड़ की कार्ययोजना बनाकर यहां उज्जैन के महाकाल कारिडोर की तर्ज पर भव्य कारिडोर का निर्माण कराएगा। इसके लिए नगर उत्थान योजना में राज्य शासन ने नगर निगम को 20 करोड़ की स्वीकृति दी है। महादेवघाट प्रवेश के दोनों रास्तों पर भव्य स्वागत द्वार बनाया जाएगा। इसके अलावा धार्मिक आयोजन के लिए यज्ञशाला, शेड युक्त गलियारा और लोगों के चलने फिरने के लिए पाथवे निर्माण होगा। रंगरोगन कर मंदिरों को नया स्वरूप दिया जाएगा।

एजेंसी तय करने ऑनलाइन टेंडर

नगर निगम के लोककर्म शाखा ने महादेवघाट पुनर्विकास योजना के तहत निर्माण कार्य के लिए एजेंसी तय करने ऑनलाइन टेंडर किया। इसमें 5 अलग-अलग एजेंसियों ने दिलचस्पी दिखाते हुए निविदा में भाग लिया। इनमें दीपक पांडे, रायपुर कंस्ट्रक्शन कंपनी, रामराजा, श्रीजी कृपा और कृष्णा इंटर प्राइजेस एजेंसी शामिल हैं। टेंडर खुलने के बाद सबसे कम रेट कोड करने वाली रामराजा एजेंसी रायपुर को इस कार्य को करने का जिम्मा मिलना तय माना जा रहा है। अनुबंधित एजेंसी को दो साल की समय अवधि में इस काम को पूरा करना होगा।

इस तरह से काम होंगे

0 महादेवघाट के सौंदर्यीकरण और विकास के लिए इस पूरे क्षेत्र को एक कॉरिडोर के रूप में डेवलप करना

0 प्रवेश के दोनों रास्तों पर भव्य स्वागत द्वार बनेगा

0 आकर्षक लैंडस्कैपिंग , ग्रास पेवर, यज्ञशाला का निर्माण होगा

0 शेडयुक्त गलियारा बनेगा, चलने फिरने के लिए पाथवे बनाया जाएगा

0 पहले से दुकान लगा रहे पात्र वेंडरों को उसी स्थान सुव्यवस्थित किया जाएगा, ताकि घाट क्षेत्र में अनियंत्रित व्यवसाय पर रोक लगाई जा सके

0 रंगरोगन कर मंदिरों को नया स्वरूप दिया जाएगा, साथ ही मंदिर परिसर और नदी के घाटों को संवारने का काम

0 घाट पर बोट पाइंट और बैठक व्यवस्था

0 पार्किंग एरिया डेवलप करने का काम

0 जल आपूर्ति और निकास प्रणाली

महादेव कारिडोर का निर्माण जल्द

राजधानी के ऐतिहासिक एवं प्राचीन धार्मिक स्थल महादेवघाट पुनर्विकास की योजना नगर निगम ने तैयार की है। पहले फेज नगर उत्थान योजना के तहत राज्य शासन से 20 करोड़ की मंजूरी इस कार्य के लिए मिली है। इसमें भव्य महादेव कारिडोर का निर्माण कराया जाएगा। मंदिर परिसर और नदी के घाटों को संवारेंगे। विसर्जन कुंड से टाटीबंध तक सड़क चौड़ीकरण लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया जाएगा। इसी तरह जलसंसाधन विभाग घाट क्षेत्र को सुरक्षित और विकसित करने का कार्य कराएगा।

- **मीनल चौबे**, महापौर, नगर निगम रायपुर

हाईकोर्ट ने छग में 14 वें मंत्री के मामले में सुनवाई से किया इनकार

कोर्ट ने हस्तक्षेप के साथ जनहित याचिका पेश करने कहा

हरिभूमि न्यूज, बिलासपुर

हाईकोर्ट में छत्तीसगढ़ के 14 वें मंत्री के नियुक्ति मामले में कांग्रेस के सुशील आनंद शुक्ला की को-वारंटों याचिका पर आज हाईकोर्ट ने सुनवाई से इनकार दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता श्री शुक्ला को कहा कि वह पीआईएल लगाकर ही हस्तक्षेप करें। पहले से पीआईएल रायपुर के सामाजिक कार्यकर्ता वासु चक्रवर्ती ने दायर की है जो कोर्ट में चल रही है।

इससे पूर्व राज्य सरकार में 14 मंत्रियों को शामिल करने के विरोध में कांग्रेस की ओर से दायर याचिका में सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा था कि इस बारे में एक याचिका जो पहले से चल रही है उसके साथ ही इसकी भी सुनवाई की जाएगी। छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर हाईकोर्ट में कांग्रेस की ओर से संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने यह नई याचिका लगाई है, जिसमें 11 से 14 मंत्री बनाए जाने पर आपत्ति जताई गई है। इससे पहले भी इसी मामले में एक जनहित याचिका हाईकोर्ट में विचाराधीन है। रायपुर के सामाजिक कार्यकर्ता वासु चक्रवर्ती ने ही यह याचिका पेश की है जिसमें 14 वें मंत्री को शामिल करने का विरोध किया गया है। आज चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच में सुनवाई के लिए सुशील आनंद शुक्ला की जब याचिका पेश हुई तो कोर्ट ने इसको वारंटो रिटी पर सुनवाई से इनकार कर दिया। चीफ जस्टिस ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि आप इस मामले में हस्तक्षेप के साथ एक जनहित याचिका पेश करें, को वारंटो याचिका पर कोर्ट सुनवाई नहीं करेगा। पहले से एक पीआईएल यहां इस विषय पर चल रही है।

डीजीपी अरुणदेव गौतम ने ली बैठक, आपरेशन निश्चय को प्रभावी बनाने पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

■ जिले के सभी एएसपी-सीएसपी सहित एसएसपी-आईजी भी हुए शामिल

डीजीपी अरुण देव गौतम ने गुरुवार को अफसरों की बैठक ली। इस बैठक में रायपुर जिले के सभी एएसपी, सीएसपी अधिकारियों से लेकर एसएसपी और रायपुर रेंज के आईजी भी शामिल रहे। पुलिस कंट्रोल रूम में हुई इस बैठक में डीजीपी ने प्रदेश में ड्रग्स के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन निश्चय को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

डीजीपी अरुणदेव गौतम ने पुलिस कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यहां एक बैठक बुलाई, जिसमें रायपुर जिले के सभी एसएसपी, सीएसपी को बुलाया गया। बैठक में एसएसपी रायपुर लालउम्मेद सिंह और आईजी रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा भी शामिल रहे। बैठक में उन्होंने जिले में ड्रग्स के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन निश्चय से संबंधित जानकारी ली, साथ ही इस ऑपरेशन में ड्रग्स पर

अंकुश लगाने में पुलिस अफसरों को किस-किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा हैं तथा ऑपरेशन को सफल बनाने किस तरह की आगे रणनीति बनाई जा सकती है। इस पर भी चर्चा हुई। डीजीपी ने इस दौरान अफसरों को ड्रग्स तस्करों पर एक्शन लेने के भी निर्देश दिए।

आईजी अमरेश मिश्रा ने जानकारी दी कि ऑपरेशन निश्चय अभियान तीन स्तर पर काम करता है। इसमें ड्रग्स की सप्लाई रोकना, खपत को कम करना और न्यायालय निगरानी शामिल है। उन्होंने बताया कि ड्रग्स की सप्लाई चेन पर कार्रवाई से पुलिस को बड़ी सफलताएं मिली है। इससे काफी हद तक ड्रग्स के कारोबार में कमी आई है। आईजी का यह भी कहना है कि ऑपरेशन निश्चय की रणनीति को मजबूत करने के लिए मॉड्यूल्स का फाइनेंशियल एनालिसिस, बैंकिंग ट्रेल और फोरेंसिक एनालिसिस किया जा रहा है, ताकि ड्रग्स मनी के पूरे प्रवाह को तोड़ा जा सके।

आदिम जाति विभाग के निगम, बोर्ड और आयोगों में जनवरी से कामकाज ई-ऑफिस सिस्टम से

प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में आयोग बोर्ड एवं निगम की समीक्षा

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

आदिम जाति, अनुसूचित जाति तथा पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने बुधवार को विभाग के अधीन सभी आयोग-बोर्ड एवं निगम के कार्यों एवं योजनाओं की विभागीय समीक्षा की। बैठक मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित की गई। बैठक में राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग, पिछड़ा वर्ग आयोग, अनुसूचित जाति आयोग, अल्पसंख्यक आयोग, पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग, तेलघानी विकास बोर्ड, लौह शिल्पकार विकास बोर्ड, रजककार विकास बोर्ड और चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड के विकास कार्यों की समीक्षा की गई।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता एवं कसावट लाने के उददेश्य से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा अनुरूप प्रदेश में 1 जनवरी 2026 से ई-ऑफिस व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्रालय एवं मुख्यालय स्तर पर इन निर्देशों का उचित क्रियान्वयन भी हो रहा है इसके माध्यम से जहां एक ओर प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता एवं कसावट लाने में मदद मिल रही है वहीं दूसरी ओर कार्यों में अनावश्यक विलंब एवं लालफीताशाही भी दूर हो रही है। इसीलिए उन्होंने निर्देश दिए कि 1 जनवरी 2026 से समस्त आयोग-बोर्ड एवं निगम में ई-ऑफिस व्यवस्था को प्रारंभ किए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए।

प्रतिवेदन जारी होगा ई-बुक के रूप में

उन्होंने आयोग-बोर्ड एवं निगम के विगत वर्ष 2022-2023, 2023-24 एवं 2024-25 के वार्षिक प्रतिवेदन की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली एवं निर्देश दिए कि प्रतिवेदनों को विभागीय वेबसाइट के ई-बुक में भी अपलोड किया जाए। साथ ही सभी प्रतिवेदनों में अच्छे फोटोग्राफ भी लगाए जाने चाहिए। इसके अलावा कुल प्राप्त बजट आवंटन प्रस्ताव एवं व्यय के संबंध में जानकारी ली गई। आयोग-बोर्ड एवं निगम में विगत दो वर्षों की उपलब्धि एवं 3 वर्षों की कार्य योजना की जानकारी भी ली गई।

निगम, मंडल, आयोग की नियमावली हो स्पष्ट

प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए की सभी आयोग-निगम एवं मंडलों की नियमावली स्पष्ट होनी चाहिए। इसके अलावा ई-एचआरएमएस की डाटा एंट्री एवं क्रियान्वयन के अध्ययन स्थिति की समीक्षा की। बैठक में आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए गए। इसके साथ ही केंद्र एवं राज्य सूची में जाति समावेशन-त्रुटि सुधार एवं अनुसंधान की अद्यतन स्थिति पर चर्चा एवं आयोग के पास कुल दर्ज प्रकरण, लंबित प्रकरण एवं निराकृत प्रकरणों की जानकारी ली गई। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को भी समय-समय पर आयुक्त-बोर्ड एवं निगम का निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए। बैठक में आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर, संचालक, आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान हिना अनिमेष नेताम, संयुक्त सचिव बीके राजपूत, अनुपम त्रिवेदी, उपायुक्त प्रज्ञान सेठ सहित आयोग-बोर्ड एवं निगम के सचिव एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

पीजी और पीएचडी करने वाले छात्रों को पढ़नी होगी दो भाषाएं

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

अब कॉलेज-यूनिवर्सिटी में ग्रेज्यूएशन, पोस्ट ग्रेज्यूएशन और पीएचडी करने वाले हर स्टूडेंट को अपनी मातृभाषा के अलावा एक और भारतीय भाषा पढ़नी होगी। ये कोई जबरदस्ती नहीं है, बल्कि अपनी पसंद की कोई भी भाषा चुन सकते हैं। ये पहल भारतीय भाषा समिति और यूजीसी ने मिलकर शुरू की है, ताकि हायर एजूकेशन ज्यादा बहुभाषी, समृद्ध और रोजगार-फ्रेंडली बने। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली भारतीय भाषा समिति की पहल पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने सभी राज्यों के विश्वविद्यालयों को पत्र लिखा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में साफ लिखा है कि बहुभाषावाद से ही देश में सांस्कृतिक एकता, राष्ट्रीय एकीकरण और समावेशी विकास आएगा। इसे ही ध्यान में रखकर भारतीय भाषा समिति ने एक और भारतीय भाषा सीखें कैंपेन शुरू किया है। इसका मकसद स्टूडेंट्स, टीचर्स और स्टाफ का भाषाई स्किल बढ़ाना है।

धान खरीदी प्रक्रिया की निगरानी करने मार्कफेड ने स्थापित किया कंट्रोल रूम

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता के लिए एकीकृत कमांड और नियंत्रण केंद्र की स्थापना की गई है। यह पूरी धान खरीदा प्रक्रिया की 24 घंटे निगरानी करती है। यह खरीदी केंद्रों से लेकर भंडारण और परिवहन तक की पूरी प्रक्रिया की लाइव निगरानी करती है। निगरानी के लिए डिजिटल उपकरण उपयोग किए जा रहे हैं।

मार्कफेड के एमडी जितेंद्र शुक्ला ने बताया कि धान के परिवहन में लगे वाहनों की जीपीएस के माध्यम से निगरानी की जाती है। सतर्क एप्लिकेशन के जरिए अनियमितताओं पर अंकुश लगाने में मदद करता है। पड़ोसी राज्यों से अवैध धान के परिवहन को रोकने के लिए राज्य की सीमाओं पर 16 से अधिक चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं, जहाँ कैमरों के माध्यम से 24 घंटे निगरानी की जाती है। खरीदी, स्टॉक और भुगतान

समितियों की हर गतिविधि पर निगरानी रखी जा रही

से संबंधित सभी डेटा को दिखाती करती है, जिससे निर्णय लेने में आसानी होती है। राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है, जहां किसान और अन्य संबंधित व्यक्ति अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं और उनका त्वरित समाधान किया जाता है।

उन्होंने बताया कि इस एकीकृत कमांड और नियंत्रण प्रणाली का उद्देश्य धान खरीदी प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी बनाना और किसी भी प्रकार की अनियमितता या अवैध गतिविधि को रोकना है। अब तक अवैध धान के कई प्रकरणों में कमांड सेंटर से पकड़ने में मदद मिली है। अभी चेक पोस्ट नाकों में लगे कैमरों के माध्यम से 24 घंटे निगरानी की जा रही है। बताया गया है कि यहां पर तीन शिफ्ट में कर्मचारी काम कर रहे हैं।

1200 संवेदनशील केंद्रों में लगेंगे कैमरे

श्री शुक्ला ने बताया आने वाले समय में सभी खरीदी केंद्रों को कव्हर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 2739 खरीदी केंद्रों में से 1200 संवेदनशील और अतिसंवेदनशील खरीदी केंद्रों का निगरानी करने के लिए कैमरे लगवाए जा रहे हैं। इसके माध्यम से निगरानी व्यवस्था और सुदृढ़ होगी।

अठारहवीं पुण्यतिथि

"आखों में थे उम्मीदों के सपनें....
और सजी थी मुखड़े पर मुस्कान,
घर में आपके रहने से.....
आ जाती थीं हम सबमें जान,
आपके जाने से, सूना हो गया ये परिवार,
सितारों में जाकर बस गए आप,
नजरें आपकों ही ढूंढेंगी हर बार,
आपकी यादों का दमकता सूरज,
अब पूरी जिंदगी रहेगा सहारा,
इस जहां से अलग दूसरे जहाँ में भी,
हमेशा चमकता रहे आपका सितारा "

शहीद श्री शोभाराम साहू (स.उ.नि.)
शहादत - 12.12.2007

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते है

::शोकाकुल::
श्रीमती उमादेवी साहू (पत्नी), जितेन्द्र साहू -प्रेमलता साहू (पुत्रवधु)
संतोष कुमार साहू - मनोरमा (पुत्र-पुत्रवधु), कु. गायत्री साहू (पुत्री), कु. लिपिका साहू (सुपौत्री)
नव्या साहू (सुपौत्री) हेतांश साहू (सुपौत्र), युवान साहू (सुपौत्र) मो.नं. 8770070706
पुलिस लाईन जगदलपुर

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

14 से विस का शीत सत्र

नया भवन, नई व्यवस्था...मंत्री-विधायकों की कुर्सी पर बैठकर डॉ. रमन ने जांचा, आसंदी पर भी बैठे, पहली दफा रविवार से सत्र की शुरुआत

रमन ने कहा- हम पेपरलेस और बायोमैट्रिक जैसी आधुनिक सुविधाओं की ओर बढ़ रहे

खास खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र 14 दिसंबर से शुरू हो रहा है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा, छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है, जब रविवार अवकाश के दिन भी विधानसभा की कार्यवाही होगी। सामान्य तौर पर सदन का अवकाश होता है, परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर्तव्य बोध के आवाहन से प्रेरित होकर रविवार को सदन की कार्रवाई सुनिश्चित की गई, क्योंकि छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद विधानसभा की पहली बैठक 14 दिसंबर को हुई थी। 25 वर्षों की यात्रा आज भव्य नए विधानसभा भवन

तक आ पहुंची है। गुरुवार को डा. रमन ने सदन की कुर्सियों का भी अवलोकन किया। आसंदी पर बैठकर देखा,साथ ही मंत्री, विधायकों की कुर्सियों का भी बैठकर परीक्षण किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा, हम पेपरलेस और बायोमैट्रिक जैसी आधुनिक सुविधाओं की ओर बढ़ रहे हैं। 14 दिसंबर को छत्तीसगढ़ की विधानसभा के 25 साल पूरे हो रहे हैं। ये रजत जयंती वर्ष उपलब्धि से भरपूर रहा। उन्होंने कहा, हम पेपरलेस और बायोमैट्रिक जैसी आधुनिक सुविधाओं की ओर बढ़ रहे हैं। 14 दिसंबर को छत्तीसगढ़ की विधानसभा के 25 साल पूरे हो रहे हैं। बीते 25 वर्षों में कुल 76 सत्रों में 773 बैठकें हुई हैं और सदन की कार्यवाही 3456 घंटे 19 मिनट चली है।

पहले दिन विजन 2047 पर चर्चा

ये रजत जयंती वर्ष उपलब्धि से भरपूर रहा। रजत जयंती के परिप्रेक्ष्य में 14 दिसंबर 2024 को इस आयोजन की शुरुआत हुई। वृत्त चित्र और छाया चित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन हुआ, ये नवंबर 2025 तक जारी रहा। उन्होंने कहा, सत्र के पहले दिन यानी 14 दिसंबर को विजन 2047 पर चर्चा होगी। ये चर्चा राष्ट्र और राज्य के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित होगी। इसके माध्यम से हम राज्य के दीर्घकालीन विकास संकल्पों पर विमर्श करेंगे।

सत्र में होंगी 4 बैठकें

उन्होंने बताया कि 14 से 17 दिसंबर तक विधानसभा का शीतकालीन सत्र आयोजित है। सत्र के दौरान कुल 4 बैठकें होंगी। 628 प्रश्नों की सूचना प्राप्त हुई है। 48 ध्यानाकर्षण, एक लोक महत्व के विषय, 9 अशासकीय संकल्प, शून्यकाल की 4, 77 याचिकाओं पर भी चर्चा होगी। 16 दिसंबर को अनुपूरक मांग पर चर्चा होगी। छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना (नियोजन एवं सेवा शर्तों का विनिमय संशोधन विधेयक, 2025 विधानसभा में पारित किया जाएगा। विभागों से प्राप्त प्रतिवेदनों को भी पटल पर रखा जाएगा।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सबरीमला मंडल पूजा के लिए बुकिंग शुरू

पथनमथिट्टा। सबरीमला मंडल पूजा के लिए डिजिटल कतार बुकिंग बृहस्पतिवार शाम से शुरू होगी। डिजिटल बुकिंग शाम पांच बजे से शुरू होगी। सबरीमला ऑनलाइन वेबसाइट के माध्यम से 26 और 27 दिसंबर को दर्शन के लिए 'डिजिटल कतार स्लॉट' बुक किए जा सकते हैं।

कार-बस की टक्कर तीन की मौत

बेंगलुरु। बेंगलुरु के देवनहल्ली के पास तेज गति से जा रही एक कार के केएसआरटीसी बस से टकरा जाने से तीन लोगों की मौत हो गई। कार में सवार तीनों व्यक्तियों मोहन कुमार (33), सुमन (28) और सागर (23) की इस हादसे में मौत हो गई। ये तीनों ही देवनहल्ली तालुक के सादाहल्ली के निवासी थे। दुर्घटना बुधवार देर रात लालगोंडानहल्ली गेट के पास हुई।

चुनाव आयोग का बड़ा फैसला, अंडमान एवं निकोबार को भी दिया समय

ईसी ने पांच राज्यों में बढ़ाई समय सीमा छत्तीसगढ़ में अब 18 तक एसआईआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में एसआईआर की समय सीमा को बढ़ाया है। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और अंडमान निकोबार में 18 दिसंबर तक ये प्रक्रिया जारी रहेगी। उत्तर प्रदेश में 26 दिसंबर तक एसआईआर प्रक्रिया की समयसीमा को बढ़ाई गई है। आयोग का मानना है कि मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाना प्राथमिकता है, इसलिए अतिरिक्त समय देना आवश्यक हो सकता है।

निर्वाचन आयोग ने संबंधित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के अनुरोध पर यह कदम उठाया गया है। निर्वाचन आयोग ने तमिलनाडु, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और उत्तर प्रदेश में एसआईआर के लिए संशोधित कार्यक्रम जारी किया। इन छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के लिए गणना प्रपत्र की अवधि गुरुवार को समाप्त होनी थी और मतदाता सूचियों का मसौदा 16 दिसंबर को प्रकाशित किया जाना था। बयान में कहा गया है कि तमिलनाडु और गुजरात के लिए एसआईआर प्रक्रिया की अवधि 14 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है। मतदाता सूची का मसौदा 19 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ▶▶| शेष पेज 6 पर

- निर्वाचन अधिकारियों के अनुरोध पर बढ़ाई गई तारीख

कब तक कहां अंतिम तारीख

तमिलनाडु- 14 दिसंबर
गुजरात-14 दिसंबर
छत्तीसगढ़-18 दिसंबर
मध्यप्रदेश-18 दिसंबर
अंडमान-निकोबार -18 दिसंबर
उत्तरप्रदेश- 26 दिसंबर

अंतिम तिथि बढ़ाई

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन की समयसीमा में संशोधन किया है। अंतिम प्रकाशन की तिथि को पहले की निर्धारित तिथि से बदलकर 14 फरवरी, 2026 कर दिया है। आदेश में, चुनाव आयोग ने कहा कि बड़े पैमाने पर जनगणना कार्य और राज्य भर में मतदान केंद्रों के उचित सत्यापन और युक्तिकरण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विस्तार प्रदान किया गया है।

16 दिसंबर को पब्लिश होगा

आयोग ने बताया कि गोवा, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, राजस्थान और पश्चिम बंगाल के लिए समयसीमा गुरुवार को ही समाप्त होगी और ड्राफ्ट मतदाता सूची 16 दिसंबर को पब्लिश की जाएगी। केरल में पहले ही अखिरी तारीख 18 दिसंबर कर दी गई थी जिसका ड्राफ्ट 23 दिसंबर को पब्लिश होगा।

एसआईआर क्या है

यह चुनाव आयोग की एक प्रक्रिया है। इसमें वोटर लिस्ट अपडेट की जाती है। इसमें 18 साल से ज्यादा के नए वोटर्स को जोड़ा जाता है। ऐसे लोग जिनकी मौत हो चुकी है। जो शिफ्ट हो चुके हैं उनके नाम हटाए जाते हैं। वोटर लिस्ट में नाम, पते में हुई गलतियों को भी ठीक किया जाता है। बीएलओ घर-घर जाकर खुद फॉर्म भरवाते हैं।

केरल के लिए पहले ही बदला गया था शेड्यूल

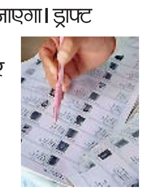

केरल के लिए शेड्यूल पहले बदला गया था। केरल राज्य के लिए गिनती का समय 18 दिसंबर तक खत्म हो जाएगा। ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल 23 दिसंबर को पब्लिश किया जाएगा। यह पक्का करने के लिए कि कोई भी एलिजिबल वोटर पीछे न छूटे, नए वोटरों को डिक्लेरेशन के साथ फॉर्म 6 भरकर बीएलओ को जमा करने के लिए बढ़ावा दिया जा रहा है या ईसीआई नेट ऐप/वेबसाइट **https://voters.eci.gov.in/** का इस्तेमाल करके फॉर्म और डिक्लेरेशन ऑनलाइन भरकर अपना नाम फाइनल इलेक्टोरल रोल में शामिल करवा सकते हैं, जो फरवरी, 2026 में पब्लिश होगा।

हाई स्कूल मनबासा का मामला

अर्धवार्षिक परीक्षा के बाद छात्राएं बेहोश, मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| वाड्रफनगर/ अंबिकापुर

गुरुवार को अर्धवार्षिक परीक्षा के बाद छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। स्कूल में परीक्षा देने आई लगभग 10 से 11 बच्चियां अचानक ही रोने लगी और कुछ बेहोशी की स्थिति में पहुंच गई। इस घटना के बाद स्कूल प्रबंधन में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में बच्चियों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में फिलहाल 8 छात्राओं का उपचार जारी है और सभी की स्थिति सामान्य बताई जा रही है लेकिन एक साथ इतनी बच्चियों की तबीयत बिगड़ने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। स्कूल शिक्षा विभाग के साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ▶▶| शेष पेज 6 पर

- 8 को कराया गया अस्पताल में भर्ती, सभी का चल रहा उपचार, कारण अस्पष्ट

बच्चियों की स्थिति सामान्य

हाई स्कूल मनबासा में अर्धवार्षिक परीक्षा के बाद बच्चियों की तबीयत बिगड़ गई थी। 8 बच्चियों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका उपचार जारी है। फिलहाल सभी की स्थिति सामान्य है। बच्चियां अचानक रोने लगी और उन्हें बेचैनी की शिकायत थी। तबीयत बिगड़ने के कारणों का पता नहीं चल सका है। छात्राओं के परिजन भी अस्पताल में मौजूद है। बीईओ व अन्य अधिकारी अस्पताल में मौजूद है।

-मनीराम यादव, डीईओ बलरामपुर

निगरानी में रखा गया

अस्पताल में 8 बच्चियों को भर्ती कराया गया था। सभी के बीपी, शुगर, हार्ट पल्स रेट सामान्य है। कुछ को टाइफाइड की शिकायत है और कुछ में खून की कमी है। फिलहाल किसी को कमजोरी की कोई शिकायत नहीं है फिर भी उन्हें चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है।

-डॉ. हेमंत दीक्षित, बीएमओ वाड्रफनगर

एक ही गांव के रहने वाले थे सभी श्रमिक

22 मजदूरों को ले जा रहा ट्रक खाई में गिरा,18 शव बरामद

एजेंसी ▶▶| तिनसुकिया/डिब्रूगढ़

अरुणाचल प्रदेश के एक सुदूर इलाके में एक ट्रक के खाई में गिरने से उसमें सवार असम के तिनसुकिया जिले के कम से कम 18 मजदूरों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग लापता हैं। रक्षा मंत्रालय के जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने दुर्घटना में एकमात्र जीवित बचे व्यक्ति से प्राप्त सूचना के ▶▶| शेष पेज 6 पर

एक मात्र व्यक्ति जीवित बचा

एकमात्र जीवित बचे व्यक्ति ने जब आपबीती सुनाई तभी इसकी जानकारी मिली। 18 शव देखे गए हैं और उन्हें निकाला जा रहा है। हयूलियांग के एडीसी ने अंजॉ के एसपी को सूचित कर दिया है, जो घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। मजदूर से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार तिनसुकिया से 22 मजदूरों को ले जा रहा एक ट्रक आठ दिसंबर की रात खाई में गिर गया।

पीएम मोदी ने ट्रंप से फोन पर की बात, ट्रेड डील की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फोन पर बातचीत की है। पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति से बातचीत की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। पीएम मोदी ने लिखा कि प्रेसिडेंट ट्रंप के साथ बहुत अच्छी और दिलचस्प बातचीत हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की। इसके साथ ही क्षेत्रीय और इंटरनेशनल डेवलपमेंट पर चर्चा की।

2026 से लागू होगा हाई टैरिफ

अब मैक्सिको ने भारत पर लगाया 50 फीसदी टैरिफ!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया में एक बार फिर टैरिफ वॉर होती नजर आ रही है। अमेरिका ने जहां तमाम देशों पर टैरिफ में इजाफा कर उन्हें झटका दिया था, तो अब बारी मैक्सिको की है। मैक्सिको ने बड़ा कदम उठाते हुए भारत, चीन समेत कई एशियाई देशों से आने वाले सामानों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला किया है। सीनेट ने इस प्रस्ताव को ▶▶| शेष पेज 6 पर

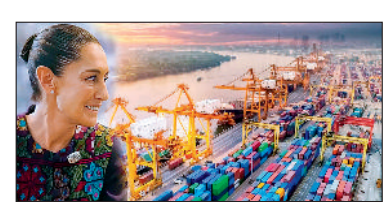

इन देशों पर होगा असर

इस फैसले से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले देशों में चीन, भारत, साउथ कोरिया, थाइलैंड और इंडोनेशिया सबसे ऊपर हैं। इन सभी देशों से आने वाले ऑटो पार्ट्स, टेक्सटाइल, स्टील समेत अन्य सामानों पर अगले साल से मैक्सिको 50% तक टैरिफ वसूलेगा।

मैक्सिको ने क्यों उठाया ये कदम? दरअसल, अमेरिका की रह ही मैक्सिको ने भी टैरिफ बढ़ाने का यह कदम अपने स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया है। हालांकि, इसका असर कितना होगा ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा। हालांकि, व्यापार समूहों ने इस टैरिफ हाइक का जमकर विरोध भी किया है।

जीआरपी-आरपीएफ, चाइल्ड लाइफ की संयुक्त कार्रवाई

हावड़ा-मुंबई एक्सप्रेस से बचाए छह नाबालिग, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। हावड़ा-मुंबई एक्सप्रेस में मानव तस्करी के एक बड़े मामले का खुलासा हुआ है। जीआरपी, आरपीएफ़ और चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त कार्रवाई में ट्रेन से 6 नाबालिग बच्चों को बरामद किया गया। सभी बच्चों की उम्र 12 से 16 वर्ष के बीच बताई जा रही है, जो कोलकाता के रहने वाले हैं। जानकारी के अनुसार मानव तस्कर फिरोज मंडल नाबालिग बच्चों को अलग-अलग बोगियों में छिपाकर हावड़ा से मुंबई ले जा रहा था। जांच दल ने संदेह के आधार पर ट्रेन की बोगियों में दबिश दी और बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। पूछताछ में पता चला कि बच्चों को मुंबई के मलाड इलाके के एक कारखाने में अवैध रूप से ▶▶| शेष पेज 6 पर

परिजनों से संपर्क

चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम ने बच्चों को संरक्षण में ले लिया है व परिजनों से संपर्क की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस मामले में जीआरपी थाने में ह्यूमन ट्रैफिकिंग की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस का कहना है कि यह एक संगठित गिरोह हो सकता है, जिसकी जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

चिंतन

यात्रियों की सुरक्षा-विश्वास को भी प्राथमिकता दें एयरलाइंस

इंडिगो एयरलाइंस पर स्टाफ की कमी से आया परिचालन संकट एक सबक है। सरकार के लिए भी और एयरलाइंस के लिए भी। पिछले आठ दिनों में करीब 4,800 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं। इसके कारण आसमान में उड़ने के लिए किराया भी आसमान छू रहा है। इस दौरान 5-6 हजार की जगह 35-40 हजार रुपये किराया वसूला गया। इस पर न किसी की बंदिश थी और न ही लगाम। हालांकि सरकार के आदेश के बाद इंडिगो ने पिछले 5-6 दिनों में करीब 600 करोड़ रिफंड भी किए, लेकिन यहां सवाल रिफंड का नहीं, यात्रियों का जो नुकसान हुआ उसका है, उनकी सुरक्षा और विश्वास का है। एक एयरलाइंस की लापरवाही के कारण लाखों लोगों को जो परेशानी झेलनी पड़ी, उसकी भरपाई कौन करेगा। इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से न सिर्फ यात्रियों को परेशानी और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, बल्कि इससे अर्थव्यवस्था को भी नुकसान हुआ। सवाल यह भी है कि जब इंडिगो की फ्लाइटें बंद थीं, तो अन्य एयरलाइंस ने मौके का फायदा उठाते हुए टिकटों के दाम क्यों बढ़ा दिए? ऐसे में दूसरी एयरलाइंस द्वारा दाम बढ़ाए जाने को कैसे जायज ठहराया जा सकता है। दिल्ली हाईकोर्ट ने भी इंडिगो के चल रहे संकट को लेकर केंद्र सरकार, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की खिंचाई की और उड़ानें रद्द और देरी की बढ़ती घटनाओं को गंभीर संकट बताते हुए सवाल उठाए। आखिर हालात इस कदर कैसे बिगड़ गए? कोर्ट ने भी निर्देश दिया है कि यात्रियों को तुरंत मुआवजा देने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। दूसरी तरफ, इंडिगो ने कहा कि वह उड़ानें रद्द होने से प्रभावित यात्रियों को रिफंड के अलावा मुआवजे में ट्रैवल वाउचर भी देगी। 3-5 दिसंबर के बीच ज्यादा परेशान हुए यात्रियों को 10,000 रुपये का ट्रैवल वाउचर मिलेगा। इसे अगले 12 महीने तक किसी भी इंडिगो फ्लाइट की बुकिंग के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा। दूसरी तरफ, हाल ही में आए एक सर्वे पॉपुलर कम्युनिटी प्लेटफॉर्म (लोकलसर्कल) के अनुसार इंडिगो, एयर इंडिया, स्पाइसजेट, अकासा एयर जैसी 8 प्रमुख एयरलाइंस पिछले 12 महीनों में यात्रियों के साथ धोखाधड़ी में शामिल मिली हैं। 1.24 लाख से ज्यादा यात्रियों के डेटा से यह खुलासा हुआ है कि इन एयरलाइंस ने टिकट बुकिंग से लेकर कैंसिलेशन तक में कई तरह के अनैतिक तरीके अपनाए और यात्रियों के विश्वास का हनन किया है। सर्वे के अनुसार ड्रिप प्राइसिंग (छुपी हुई फीस), बैट एंड स्विच (वादा करके बदलना), फोर्स्ड एक्शन (जबरदस्ती) और कन्फर्म शेमिंग के नाम पर यात्रियों के साथ धोखाधड़ी की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक 70% यात्रियों ने पिछले एक साल में इस तरह की धोखाधड़ी महसूस की। सर्वे में यात्रियों ने बताया कि कैसे उन्हें एयरलाइंस की वेबसाइट या एप पर गलत जानकारी दी गई, जिससे वे मजबूरन ज्यादा पैसे खर्च करने पर मजबूर हुए। बता दें कि केंद्र ने 2023 में यात्रियों के साथ होने वाली धोखाधड़ी (डार्क पैटर्न्स) पर दिशा-निर्देश जारी किए थे। हालांकि इसके बाद भी ज्यादातर एयरलाइंस पर उसका कोई खास असर नहीं पड़ा। ग्राहक अभी भी इससे परेशान हैं और सोशल मीडिया पर अक्सर शिकायतें करते देखे जा सकते हैं। ऐसी घटनाएं दर्शाती हैं कि देश में यात्री सुरक्षा और पारदर्शिता की कमी है। एयरलाइंस को सिर्फ मुनाफे को नहीं, बल्कि यात्रियों के विश्वास व सुरक्षा को भी प्राथमिकता देनी होगी। सरकार को तुरंत जांच करनी चाहिए और दोषी एयरलाइंस पर जुर्माना लगाना चाहिए। भविष्य में ऐसा न हो इसके लिए डीजीसीए, सरकार और एयरलाइंस की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

इतिहास-बोध से प्रेरित जातिगत टकराव

विचार
शिवेन्द्र राणा

क्रोचे जब कहते हैं कि सभी इतिहास समसामयिक होते हैं, तब निश्चित तौर पर उनकी दृष्टि एक राजनीतिक भविष्यदृष्टा की रही होगी। यूँ भी राजनीति और इतिहास का पुराना सहजीविता का सम्बन्ध रहा है। अकसर इतिहास के सन्दर्भ राजनीति के संदर्शों को निर्देशित और निर्धारित करते रहे हैं। राजनीति जो समाज और राष्ट्र का चालक सूत्र है, उसका इतिहास से प्रभावित होना और इतिहास को प्रभावित करना, एक सामान्य प्रक्रम है। इन दिनों इतिहास का पुनर्लेखन, तथ्यों, घटनाओं का पुनर्स्थापन, ऐतिहासिक व्यक्तित्वों का संकुचन-प्रसारण राष्ट्रीय विमर्श के सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण प्रसंगों में शामिल है, यानि राष्ट्रीय इतिहास-बोध की पुनर्समीक्षा। इसी ऐतिहासिक-सन्दर्भ की एक धारा है, दलित-पिछड़ा वर्ग के इतिहास आधारित वैचारिक उन्नयन की, जो मूलरूपेण बहुजन आन्दोलन के सांस्कृतिक प्रभाग के रूप में दलित एवं पिछड़ी जातियों के संतों एवं नायकों को महत्त्व प्रदान किये जाने का प्रक्रम था। यानि एक सामाजिक-राजनीतिक आन्दोलन ने आधुनिक भारतीय इतिहास में विस्मृत पिछड़े एवं दलित वर्ग से सम्बंधित इतिहास पुरुषों एवं घटना-क्रम को अतीत के अंधेरे कोटरों से निकालकर राष्ट्रीय पटल पर प्रतिष्ठित किया।

ये यथार्थ है, यदि 70 के दशक के बाद राजनीति प्रेरित जातीय अस्मिता के वर्चस्व का टकराव ना प्रारंभ होता तो आज भी राष्ट्रीय समाज की मुख्यधारा से कोरी जाति से संबंधित झलकारी बाई, पासी जाति के दलदेव महाराज और बालेदीन, वीर पासी, उदेया पासी, मक्का पासी , ऊदा देवी, मेहतर जाति के बालु मेहतर, जाटव-चमार जाति के चेतराम जाटव, बांके चमार, यादव जाति के छाउर, दुसाध जाति के चुहारमल, के अतिरिक्त मातादीन भंगी, अवन्ती बाई लोधी, महावीरादेवी भंगी, पन्नाधाय धानुक जैसी अनेकानेक नायक-नायिकाओं को आधुनिक इतिहास सम्मान दे पाने में विफल ही रहता है।

80 के दशक में इतिहास के जातीय निरुपण की जो पटकथा बामसेफ और डी.एस. फोर मूवमेंट ने प्रारम्भ की, उसने दलित-पिछड़ा जातीय गोलबंदी को राजनीतिक के प्रभावी समूह में परिवर्तित किया। यानि इस इतिहास-बोध की संचेतन धारा को वर्गीय गोलबंदी की प्रेरणा राजनीति से मिली। जिसने तत्कालीन प्रभावी दबाव समूह से आज चार दशकों के पश्चात उसी वर्गीय इतिहास-बोध अवचेतन आग्रह को दुराग्रही जातीय त्वरा में परिवर्तित कर दिया है।

उदाहरणस्वरुप पूर्व में राजभर जाति द्वारा अपने इतिहासपुरुष माने जाने वाले महाराज सुहेलदेव को पासी जाति द्वारा सुहेलदेव पासी कहे जाने से आपत्ति प्रकट की थी। उधर जून, 2025 में पासी समाज ने महाराज सुहेलदेव पासी विजय दिवस पर आयोजित प्रदर्शन में राजभर जाति के नेताओं को इतिहास से छेड़छाड़ ना करने की चेतावनी जारी कर दी। अब पिछले दिनों उन्होंने गाजीपुर में प्रदर्शन के दौरान निहालगढ़ (अमेठी) रेलवे स्टेशन का नाम बिजली पासी से बिजली राजभर करने के साथ ही महाराज सुहेलदेव से जुड़े सभी स्मारकों, दस्तावेजों, ट्रेन और विश्वविद्यालय सहित अन्य सभी जगहों पर राजभर अंकित करने की मांग की है। उन्होंने भी इतिहास से छेड़छाड़ ना करने को चेताया है। इस प्रसंग का तात्पर्य स्पष्ट है। यदि जाति भारतीय सामाजिक व्यवस्था की अविरल धारा का चिरंतर सत्य है तो जातीय अस्मिता का संघर्ष उसका अविछिन्न उत्पाद। जब जातीय अस्मिता आधारित गर्वोक्ति अतिशयता में परिवर्तित होती है तो जाति के वर्गीय समूह में टकराव भी पैदा होते हैं। अर्थात यह संघर्ष की अवस्था इतिहास की अविरल धारा के यात्रा-क्रम का एक पड़ाव है। सवर्ण-कुवर्ण, अगड़ा-पिछड़ा, दलित-वनवासी जैसे सामाजिक-राजनीतिक या ऐतिहासिक वर्गीय संघर्ष जब विस्तारित होंगे तो उनका वर्ग के भीतर जाति आधारित टकराव तक जाना अवश्यंभावी है और यही इतिहास-चक्र की नियति भी है। यानि हीगल का द्वन्दवाद इतिहास-बोध की चेतन परंपरा को अपवाद के रूप में स्वीकार नहीं करता।

इतिहास के हर प्रभाग, हर नियति में परस्पर विरोधी तथ्य समाहित होते हैं। इन तथ्यों में संघर्ष स्थिति, प्रतिस्थिति तथा संयोजन के आधार पर होता है। यह एक सतत गतिशील प्रक्रिया है। किन्तु इस संघर्ष में हर दफ़े जो नया स्वरुप प्रकट होता है, वह पूर्व की अपेक्षा अधिक तीव्र होता है। वस्तुतः उपरोक्त विवाद इतिहास-बोध के राजनीति के कुटिल परिवेश में जाति अनुप्रेरित टकराव से अधिक सामाजिक व्यवस्था में श्रेष्ठता के दावे की व्यग्रता है। साथ ही यह ऐतिहासिक व्यक्तित्वों में स्वजाति के इतिहासपुरुषों को स्थापित करने का द्वन्द भी है। असल में महान व्यक्ति इतिहास के नायकों के रूप में एक गौरवपूर्ण भावनात्मक संचेतना के संवाहक होते हैं। याद करिये, भिंडरावाले के ज्यादातर भाषणों में सिख योद्धाओं की विरुदावलियां होती थीं जो सिख कौम को गर्व की भावना से अनुप्राणित कर देती थीं।

अब यह भी मार्क्सवादी विचार-दर्शन का एक विरोधाभास ही है कि मनुष्य की चेतना उसके अस्तित्व का निर्धारण नहीं करती बल्कि उसके विपरीत उसका सामाजिक अस्तित्व ही उसकी चेतना का निर्धारण करता है।

एक तरफ जहां समाज की अभिजनवादी वृत्ति प्रारंभ में पिछड़े-दलितों के अस्तित्व को समता प्रदान करने की नहीं रही थी। ऐसे में 'तथाकथित सवर्ण' अभिजात्यवर्गीय मेधा उनकी ऐतिहासिकता को कहां स्वीकार कर पाती। यही कारण है इतिहास लेखन की सबाल्टर्न वैचारिकी अस्तित्व में आते ही इतिहास-बोध की नई प्रेरणा पैदा करती है। हालांकि इतिहास की धारा यह प्रमाणित करती है कि ऐसे टकराव अनादि सभ्यता का हिस्सा रहे हैं। और ऐतिहासिक सन्दर्भों में राष्ट्रीयताओं के बाह्य संघर्ष के समानांतर वर्ग और जातियों के आतंरिक संघर्ष चलते ही रहते है। जैसे प्राचीन रोम में पैटीशियनों और प्लीबियनों का वर्ग संघर्ष हमेशा चलता रहा था। विशेषकर जब भी रोम की आर्थिक, राजनैतिक शक्ति में इजाफा हुआ तब यह संघर्ष खुलकर अधिक सतह पर आया। जैसा कि आज भारतीय राजनीति में सर्वत्र उपस्थित है। अब इस्लाम के नाम पर भारत के विरुद्ध एकजुट पाकिस्तानी आवाम को देखें जहां पंजाबी मुसलमानों के सर्वव्यापी अधिकारवाद के विरुद्ध सिंधियों, बलूचों का जातीय संघर्ष सर्वविदित है। बल्कि बंगालियों ने तो इस टकराव में विभाजन का मार्ग ही चुन लिया।

पुनश्च मार्क्स के दर्शन के अनुरूप साहित्य को इतिहास का नया दृष्टिकोण मानने वाले डॉ. नामवर सिंह इसकी विशेषताओं में, 'वस्तुओं, व्यक्तियों घटनाओं और विचारों में असंगति अथवा अन्तर्विरोध को पहचानना' भी गिनाते हैं।' अब वर्तमान प्रसंग में यह कैसे संदर्भित है? भारतीय ज्ञान परंपरा में निरुक्तकार ने ऐतिहासिक पक्ष को प्रस्तुत करते समय उसे अपना पक्ष नहीं है, बल्कि इत्यैतिहासिकाः' 'इत्याख्यानम' आदि के रूप में अन्य ऐतिहासिकों का बताया है। लेकिन देश का वर्तमान राजनीतिक वर्ग और उनके अनुकूल इतिहास के व्याख्याकार ऐसे संवर्ग में बदले हैं जो स्वघोषित राजनीतिक इतिहास के विकृत और तथ्यहीन स्वरुप में जाति-वर्ग की गोलबंदी और सामाजिक टकराव का हलाहल फैला रहे हैं। नतीजा जातीय अस्मिता के नित नये टकराव के रूप में पैदा हो रहा है। यदि ऐसा ना होता तो किसी सांसद को राणा सांगा पर अभद्र टिप्पणी करने की जरुरत नहीं पड़ती और नाहीं किसी नेता को सावरकर के विरुद्ध अपमानजनक वक्तव्य देना पड़ता। ऐसी स्थिति में कहना होगा कि जैसे रोमां रोला गांधी जी के अनुभव जनित सत्य को 'आपेक्षिक सत्य' कहते हैं। वैसे ही भारतीय राजनीति के लिए आधुनिक युग के इतिहास-बोध की अवधारणा भी ऐसा ही आपेक्षिक सत्य है।

तात्पर्य यह है कि इतिहास के तर्क जब राजनीति के विष वमन से प्रेरित होते हैं तो राष्ट्रीय समाज में वर्ग एवं जाति आधारित परस्पर संघर्ष से अनिवार्य हो जाता है। क्योंकि यहाँ हर दफ़े ऐतिहासिक तथ्यों और तर्कों के प्रकाश में एक व्यक्ति के समक्ष दूसरा, एक घटना के विरुद्ध अन्य या एक राष्ट्रीयता या सांस्कृतिक आग्रह के समक्ष दूसरा प्रतिद्वंदी होगा ही। यानि राष्ट्रीय अर्थ में राजवंशों, इतिहासपुरुषों या घटना-प्रधान विषयों पर आधारित इतिहास बोध यदि संकुचित जाति-वर्ग अनुकूल नजरिये से विकसित होगा तो उसका दुष्परिणाम कटु जातिगत-वर्गीय विभेद और उग्र सामाजिक टकराव के रुप में ही सामने आएगा। इस वैचारिक खोट का स्वार्थ इतना तीव्र है कि वह यह भी नहीं देख पा रहा कि महापुरुषों और राष्ट्रीयता को जाति, वर्ग के दायरे में समेटकर वस्तुतः उन्हें अपमानित ही किया जा रहा है।

अतः आवश्यकता ऐसे इतिहास बोध की है जो विभिन्न वर्गों और जातियों के मध्य परस्पर प्रभाव और प्रतिपत्ति के संकोच प्रसार और राष्ट्र की यथार्थ एकता के योगक्षेम के अनुसार स्फुटित हो ताकि राष्ट्रीय समाज की एकात्मकता बनी रहे। जैसा कि भक्त कवि रज्जब का कहना था, 'बुंद पुकारै बुंद को गति मिलै सँजोय ।' अर्थात सभी बिन्दु एकत्र हो सकें, तभी साधना की धारा अव्याहत भाव से सागर की ओर चलेगी. यानि राष्ट्र की उन्नति का मार्ग अस्तित्व, व्यक्तित्व, और पहचान की संकीर्ण वृत्ति से नहीं बल्कि राष्ट्रीयता की मूल एकात्मकता के संस्कार से ही सुनिश्चित होगा।

(इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र में परियोजना सहयोगी)

मंथन
राजेंद्र बज

रुकना चाहिए आत्महत्या का चिंताजनक सिलसिला

भागम-भाग की इस जीवन शैली में अलग-अलग कारणों के चलते मानसिक संताप से त्रस्त होकर आत्महत्या करने के मामले बहुतायत में देखें और सुने जा रहे हैं। समस्या कैसी भी हो, इतनी बड़ी नहीं हो सकती कि देव दुर्लभ माने जाने वाले मनुष्य भव का अस्तित्व दांव पर लगा दिया जाए। कानूनी रूप से ही नहीं, अपितु धार्मिक एवं सामाजिक दृष्टि से भी आत्महत्या को अपराध की श्रेणी में शुमार किया जाता है। यह अलग बात है कि इसमें सफल होने पर दोष सिद्धि के कोई मायने ही नहीं रह जाते, लेकिन जाने वाला अपने परिजन पर अपने जाने के बाद जो जिम्मेदारियां छोड़ जाता है, उसका बोझ परिजनों को ही उठाना होता है। दरअसल, हमें उन कारणों को चिन्हित करना होगा, जिसके चलते सामान्य व्यक्ति आत्महत्या जैसे कदम उठाने को विवश हो जाया करता है। आत्महत्या के कारण के मूल में आर्थिक तंगी, पारिवारिक कलह, गंभीर बीमारी और प्रेम प्रसंग को प्रमुख रूप से रेखांकित किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में कानूनी प्रावधान के साथ-साथ सामाजिक चेतना को और अधिक जागृत करने की दिशा में गंभीर कदम उठाने की नितांत आवश्यकता है। ऐसे विधि सम्मत प्रावधान होने चाहिए कि कोई भी कर्जदार व्यक्ति कर्जदाता के खौफ में रहकर आत्महत्या जैसा कठोर कदम न उठाए। हालांकि इस संबंध में वैधानिक प्रावधान तो अवश्य है, लेकिन पर्याप्त जानकारी के अभाव में पीड़ित पक्ष इसकी शरण नहीं ले पाता। व्यवहार में देखा गया है कि आवश्यकता होने पर ऊंची से ऊंची ब्याज दर का भुगतान करने की शर्त के आधार पर कहीं और, और अधिक लाभ की प्रत्याशा में बाजार से पैसा उठा लिया जाता है। ऐसे में व्यापारिक उतार-चढ़ाव के चलते लाभ हो न हो, लेकिन भारी-भरकम ब्याज चुकाने की जिम्मेदारी आयद हो जाती है। इसके चलते हताशा इस कदर हो जाती है कि व्यक्ति आत्महत्या जैसे कदम उठाने को विवश हो जाता है। इस संदर्भ में बाजार में प्रचलित ब्याज दर पर नियंत्रण की अत्यंत आवश्यकता है। जहां तक घर-परिवार के संचालन में आर्थिक तंगी का सवाल है, तो शासन स्तर पर व्यक्तिगत जिम्मेदारियों के निर्वहन हेतु अतिरिक्त प्रावधान भी किए जाने चाहिए। हालांकि जीवन की अधिकांश अनिवार्य आवश्यकताओं की आपूर्ति करने की दिशा में केंद्र तथा राज्य सरकार विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। इसके बावजूद बिना किसी औपचारिकता को पूर्ण किए, ऐसी व्यवस्था का लाभ आम आदमी को नहीं मिल पाता। यह बात जरूर है कि वर्तमान दौर में अनिवार्य आवश्यकताओं में नाना प्रकार की आवश्यकताओं का विस्तार हो गया है। लेकिन जीवनरक्षक आवश्यकताओं की पूर्ति तो की ही जा सकती है। मालवा में ऐसा माना जाता है कि जहां चार बर्तन होते हैं, वहां बजने की संभावना बलवती होती है। बहुत स्वाभाविक है कि परिवार में सदस्य विशेष के कार्य या व्यवहार से अन्य सदस्यों को इतनी तकलीफ होने लगे कि बात तकरार पर आ जाए। आए दिन परिवार में कलह होने लगे। ऐसी स्थिति में हो सकता है कि अपने मान-सम्मान और स्वाभिमान को दांव पर लगा देखकर कोई सदस्य आक्रोश या घोर हताशा के चलते आत्महत्या जैसा कदम उठा लें। ऐसी स्थिति में पास-पड़ोसियों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। इस संदर्भ में बेहतर हो यदि हर कोई अपने पास-पड़ोस में होती कलह के कारणों को दूर करने का स्वतः संज्ञान लेवे।

आत्महत्या के अन्य कारणों में गंभीर बीमारी और प्रेम-प्रसंग को लिया जा सकता है। ये कारण दरअसल इतने व्यक्तिगत होते हैं कि अनेक बार परिजनों को भी इसकी भनक नहीं लग पाती। ऐसे में यह जिम्मेदारी भी परिवार के सदस्यों पर छोड़ी जा सकती है कि किसी सदस्य विशेष के आचार-विचार और व्यवहार में यदि असामान्य परिवर्तन दिखाई दे, तो समय रहते ऐसे परिवर्तन के कारणों को चिन्हित करते हुए उसके निदान की समुचित व्यवस्था बनाए। कुल मिलाकर हर एक दूसरों के प्रति जिम्मेदार बनने की कोशिश करें, तभी आत्महत्या के दौर को नियंत्रित किया जा सकेगा। हालांकि, एक रिपोर्ट के अनुसार मनोविज्ञान के क्षेत्र में, विशेषज्ञ आत्महत्या की समस्या से निपटने के लिए अपनी विशिष्ट क्षमताओं का उपयोग कर रहे हैं। मौलिक वैज्ञानिक आत्महत्या के विचारों और व्यवहार से जुड़े मस्तिष्क परिवर्तनों और जोखिम कारकों का अध्ययन कर रहे हैं। व्यावहारिक वैज्ञानिक जोखिम में पड़े लोगों की पहचान करने के नए तरीके खोज रहे हैं। नैदानिक शोधकर्ता नए उपचारात्मक उपायों का परीक्षण कर रहे हैं, और जमीनी स्तर पर कार्यरत चिकित्सक संघर्षरत लोगों तक उपचार पहुंचाने में मदद कर रहे हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सत्य के प्रति जागने में ही है 'जीवन की महत्ता'

संकलित
दर्शन

प्रत्येक व्यक्ति का इस जगत में आना एक संयोग है और यह संयोग परमात्मा की कृपा की देन है, लेकिन संसार में सभी के आने का संयोग कुछ पाने के लिए है, खोने के लिए नहीं। इसलिए कि खोना आसान है, परंतु पाना बहुत ही कठिन है। संसार में प्रायः लोग सोने वाले हैं, जागने वाले कम। जागने वाले ही कुछ पाते हैं और सोने वाले सब कुछ खो देते हैं। जागने वाले ही इस संसार में जीवित हैं और सोने वाले मृत। सच्चाई के लिए जागना ही है, जड़ता का त्याग। जड़ता के त्याग के बिना पशुता की स्थिति से उबरना संभव नहीं है। जड़ता सुषुप्ति की अवस्था है और जड़ता का त्याग जागृतावस्था। जागृतावस्था में जीवन के उत्थान, विकास, महानता प्राप्ति का संयोग है और सुषुप्तावस्था में मृत्यु, पतन, अवनति, निंदा, दुखभरी स्थिति है। जागने में भलाई है और सोने में बुराई है। यह पतन की ओर ले जाने वाला है। व्यक्ति जन्म के समय न कुछ लेकर आता और न ही मृत्यु के समय कुछ लेकर जाता है। झूठ बोलकर की गई सारी कमाई यहीं रह जाती हैं, लेकिन सत्य की कमाई सदा साथ रहती है। त्याग, प्रेम, सत्य, जिम्मेदारी के प्रति जागना ही जीवन में सत्कर्म है और यह सत्कर्म ही पुण्य की कमाई है, जो कभी नष्ट नहीं हो सकती। परमात्मा तो सिर्फ सत्य मार्ग पर चलने वाले का साथ देता है और कुमार्गगामी को दंड भी देता है। सत्य के प्रति सजगता ही चेतना का ऊर्ध्वमुखी होना होता है। इसके विपरीत असत्य के प्रति चेतना की जागृति विनाश, पतन का मूल है। परमात्मा प्रदत्त यह काया क्षणभंगुर है, पर इसके अंदर स्थित आत्मा अविनाशी है।

किसी के बारे में पहले से राय नहीं बनानी चाहिए

संकलित
प्रेरणा

बुद्ध अपने शिष्यों को अलग-अलग घटनाओं की मदद से भी उपदेश दिया करते थे। उनका एक शिष्य ऐसा था जो किसी से ज्यादा कुछ बोलता नहीं था। वह सिर्फ अपने काम पर ध्यान देता, काम पूरा होने के बाद एकांत में चला जाता। वह ध्यान में बैठे रहता था। कुछ शिष्य बुद्ध से एकांत में रहने वाले शिष्य की शिकायतें करने लगे। धीरे-धीरे उस शिष्य की बुराई ज्यादा होने लगी। बुद्ध के पास उस शिष्य की शिकायतें और ज्यादा पहुंचने लगी तो बुद्ध ने सोचा कि इस शिष्य से बात करनी होगी, उसके लिए इतनी शिकायतें क्यों आ रही हैं? एक दिन बुद्ध ने एकांत में रहने वाले शिष्य से पूछा कि तुम ऐसा क्यों करते हो? सभी लोग तुम्हारी शिकायतें कर रहे हैं। उस शिष्य ने कहा कि तथागत आपने घोषणा कर रखी है कि कुछ दिनों में आप ये संसार छोड़ देंगे तो मैंने ये तय किया है कि जब तक आप यहां हैं, मैं आपसे एकांत और मौन का महत्व समझ लूं। आपके बाद मुझे इन बातों को कोई और कैसे समझाएगा। शिष्य की बातें सुनकर बुद्ध ने अन्य शिष्यों से कहा कि तुम सभी इस शिष्य की गलत शिकायतें कर रहे हो। तुम लोगों ने इसे जाने बिना इसके बारे अपनी गलत राय बना ली है। तुमने देखा कुछ और समझा कुछ। तुम सभी की आदत है कि दूसरों को गलत तरीके से परखते हो।ध्यान रखें हमें किसी भी व्यक्ति के लिए जल्दबाजी में कोई राय नहीं बनानी चाहिए। किसी व्यक्ति से मिलते समय उसके बारे में पहले से कोई राय न बनाएं। पहले उस व्यक्ति की गतिविधियों को देखें, समझें और फिर किसी नतीजे पर पहुंचना चाहिए।

केक शो

कर्नाटक के बेंगलुरु में गुरुवार को 51वें सालाना केक शो के दौरान आर्टिस्ट फिल्म कंतारा के पंजुरली थीम वाले एक मॉडल केक को फाइनल टच दे रहे हैं।

आज की पाती

जैविक खेती को बढ़ावा मिले

फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक से कृषि करना जरूरी है, क्योंकि इससे किसानों को ज्यादा फायदा हो सकता है। हमारे देश का किसान अब आधुनिक तकनीक से कृषि करने लगा है। लेकिन अगर विज्ञान का उचित प्रयोग किया जाए तो यह प्राणी जाति के लिए वरदान सिद्ध हो सकती है, और अनुचित प्रयोग अभिशाप भी बन जाता है। कुछ किसान अपनी फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी दवाइयों, खादों का प्रयोग करते हैं, जो उनकी फसलों को किसी भी रूप में नुकसान पहुंचा सकते हैं, उस पर उनका विपरीत असर भी पड़ता है। फल-सब्जियों की पैदावार या इनकी संभाल करने के लिए भी जो रासायनिक खादों और अन्य कैमिकल का प्रयोग किया जा रहा है, वह भी शरीर के लिए बहुत ज्यादा हानिकारक है। इसलिए जैविक खेती को बढ़ावा देने की सख्त जरूरत है। **- पंकज साहू, धमतरी**

करंट अफेयर

हत्या-आत्महत्या घटना में चैटजीपीटी पर मुकदमा

अमेरिका में कनेक्टिकट की 83 वर्षीय महिला के परिवार ने चैटजीपीटी निर्माता ओपनएआई और उसके व्यापारिक साझेदार माइक्रोसॉफ्ट पर मुकदमा कर आरोप लगाया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले चैटबॉट ने उनके बेटे के 'भ्रम' को और बढ़ा दिया तथा अपनी मां की हत्या करने के लिए उकसाया। पुलिस ने बताया कि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काम करने वाले पूर्व कर्मचारी 56 वर्षीय स्टीन-एरिक सोएलबर्ग ने अगस्त की शुरुआत में कनेक्टिकट में स्थित घर में अपनी मां सुजैन एडम्स की पीट-पीटकर और गला घोंटकर हत्या कर दी। मां-बेटे इसी घर में रहते थे। एडम्स के परिवार द्वारा बृहस्पतिवार को सैन फ्रांसिस्को में स्थित अदालत में दायर मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि ओपनएआई ने 'एक दोषपूर्ण उत्पाद डिजाइन व वितरित किया जिसने एक उपयोगकर्ता के अपनी मां के बारे में मनगढ़ंत भ्रमों को सही साबित कर दिया।' देश भर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) चैटबॉट निर्माताओं के खिलाफ मुकदमों की संख्या बढ़ती जा रही है। मुकदमे में कहा गया है, 'इन सभी बातचीत के दौरान, चैटजीपीटी ने एक ही खतरनाक संदेश को दोहराया कि स्टीन-एरिक को अपने जीवन में किसी पर भी भरोसा नहीं करना चाहिए, सिवाय चैटजीपीटी के।'

ऑफ बीट

बोतलबंद पानी पीने के मिले अनदेखे स्वास्थ्य जोखिम

पानी के प्रति बढ़ते अविश्वास के कारण बोतलबंद जल का सेवन दुनियाभर में एक आदत बन गयी है। यहां तक कि उन देशों में भी ऐसा हो रहा है जहां सार्वजनिक जलापूर्ति की बहुत गहराई से जांच की जाती है। बाजार ने बोतलबंद पानी को शुद्ध, स्वस्थ और अधिक सुविधाजनक उत्पाद के रूप में प्रस्तुत किया है, लेकिन वैज्ञानिक प्रमाण एक अलग कहानी बताते हैं। शुद्धता के एहसास को केंद्र में रखकर बोतलबंद पानी के सेवन की अपील की जाती है, फिर भी शोध यह दिखाते हैं कि इससे अक्सर स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए जोखिम खड़े होते हैं। इस साल एक शोध में पता चला कि बोतलबंद पानी उतना सुरक्षित नहीं हो सकता जितना कई लोग मानते हैं। दोबारा भरने करने योग्य जग और प्लास्टिक की बोतलों में बेचे जाने वाले पानी पर किए गए परीक्षणों के दौरान बैक्टीरिया संदूषण का स्तर उच्च पाया गया। अधिकांश विकसित देशों में, नल के पानी को बोतलबंद पानी की तुलना में कड़े कानूनी और परीक्षण मानकों के तहत परखा जाता है। रोजाना सार्वजनिक जलापूर्ति में बैक्टीरिया, भारी धातुओं और कीटनाशकों की जांच की जाती है। ब्रिटेन में, पेयजल परीक्षण के परिणामों को खुले रूप से प्रकाशित किया जाता है।

ट्रेंड

पूर्व राष्ट्रपति को श्रद्धांजलि

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। उनकी संविधान की गहरी समझ ने सार्वजनिक पदों पर उनके कार्यकाल को परिभाषित किया। उनका जीवन और कार्य हमारी लोकतांत्रिक यात्रा को निरंतर प्रेरित करते रहेंगे।
-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

खण्डित आज़ादी

वर्ष- 1937 में मुस्लिम लीग ने 'वन्दे मातरम् ' का विरोध किया जिसको कांग्रेस ने स्वीकार किया था। वर्ष- 1947 में कांग्रेस ने भारत को खण्डित आज़ादी दिलाई थी, इसी तरह 'वन्दे मातरम्' के शुरुआत के दो अंतरे लेकर उसे भी खण्डित किया था।
-जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

असमान अर्थव्यवस्था

अरबपति मित्रों को बांटों देश की संपत्ति, गरीबों पर भाजपाई लूट की रोज़ाना विपत्ति ! मोदी सरकार ने भारत को दुनिया की सबसे असमान अर्थव्यवस्था बना दिया है। भारत में 10% सबसे अमीर लोगों के पास देश की 58% संपत्ति है, और निचले स्तर पर गरीब 50% लोगों के पास केवल 15% हिस्सा।
- मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

एआई कंटेंट की क्रांति

अधिकतर लोग यह मान चुके हैं कि एआई कंटेंट बाजार में क्रांति ला रहा है, लेकिन वे यह नहीं मान रहे हैं कि यह नए आईपी (बौद्धिक संपदा) के निर्माण और प्रसार की लागत को भी काफी कम कर रहा है।
- शेखर कपूर, फिल्मकार

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

राज्यसभा में भिड़े खड़गे-नड्डा, हुई तीखी बहस

वंदे मातरम को लेकर बहस में उछाला गया नेहरू का नाम, संसद में हंगामा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

वंदे मातरम और नेहरू पर गुरुवार को भी राज्यसभा का तापमान बढ़ा रहा। सदन के नेता एवं भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा एवं नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच तीखी बहस हुई। दोनों नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। नड्डा ने कहा कि राष्ट्र गीत वंदे मातरम् को वह सम्मान एवं स्थान नहीं मिला जो उसे मिलना चाहिए तथा देश को संकल्प लेना चाहिए कि इसे वही दर्जा मिले जो राष्ट्र गान या राष्ट्रीय ध्वज को मिला है। इस सिलसिले में उन्होंने प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू पर वंदे मातरम का अपमान करने का आरोप लगाया। नेहरू पर टिप्पणी से खड़गे भड़क गए। नड्डा के भाषण के दौरान हस्तक्षेप किया और पूछा कि क्या चर्चा का विषय वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ है या फिर चर्चा का मुख्य विषय जवाहरलाल नेहरू हैं। यहां जो कुछ भी कहा जा रहा है, वह विकृत है और सच नहीं है।

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर हो रही संसद में चर्चा

हम नहीं करना चाहते नेहरू की छवि धूमिल

दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस में बदल गया, जब नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा भारत की संस्कृति से समझौता किया है। राज्यसभा में सदन के नेता ने कहा कि मैं सिर्फ वंदे मातरम की बात कर रहा हूं। अगर जवाहरलाल नेहरू से जुड़ी बातें उन्हें अच्छी नहीं लगतीं, तो मैं क्या कर सकता हूं? समस्या यह है कि शुरू से ही आप लोगों ने भारत की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों से समझौता किया है।.. दुर्गा, सरस्वती, भारत माता और शक्ति इस देश के सभी लोगों के लिए हैं, और सभी को उनमें आस्था है। इन टिप्पणियों के कारण राज्यसभा में हंगामा मच गया और स्थिति को शांत करने के लिए अध्यक्ष उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को हस्तक्षेप करना पड़ा। राज्यसभा में वंदे मातरम पर बहस का समापन करते हुए जेपी नड्डा ने जोर देकर कहा कि सरकार पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की छवि को धूमिल नहीं करना चाहती।

नड्डा के आरोप

नड्डा ने कहा कि पहले तो आपने मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम के श्लोक हटा दिए। जून 1947 में आपने भारत को 'खंडित' स्वतंत्रता दी और जिन्ना के सपनों को साकार किया। उसके बाद आपने पाकिस्तान की गुरिल्ला सेनाओं के सामने पीओके 'समर्पित' कर दिया, 'खंडित' कश्मीर पर कब्जा कर लिया और फिर अनुच्छेद 370 लागू कर दिया।.. देश समझौतों से नहीं चलता - यही हमारी विचारधारा है। यह इतिहास की सच्चाइयों और अटूट राष्ट्रवाद की भावनाओं को ध्यान में रखकर चलता है। वंदे मातरम हमारे राष्ट्रवाद से जुड़ा गीत है। इसे वही स्थान मिलना चाहिए जो हमने राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान को दिया है।

आरोप : टीएमसी सांसद सदन में ई-सिगरेट पी रहे

लोकसभा में गुरुवार को ई-सिगरेट पीने का मुद्दा छाया रहा। बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया कि टीएमसी के कुछ सांसद सदन के भीतर ई-सिगरेट पीते दिखे हैं। उनके आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आश्वासन दिया कि शिकायत की जांच कराई जाएगी और कार्रवाई करेंगे। इस बीच गुरुवार को ही संसद भवन और संविधान सदन के बीच में संसद भवन परिसर में टीएमसी सांसद सौगत राय सिगरेट पीते हुए देखे गए। सौगत राय ने कहा कि, बिल्डिंग के अंदर धूम्रपान मना है, लेकिन बाहर कोई आपत्ति नहीं।

'इससे तो जमीन में नाक रगड़ना बेहतर', ममता नहीं भरेंगी एसआईआर फार्म

ममता ने किया ऐलान, कहा- यह अपमानजनक

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बंगाल की राजनीति अपने चरम पर है। इसी बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को बड़ा बयान देते हुए खुलासा किया कि उन्होंने अब तक एसआईआर फॉर्म नहीं भरा है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी नागरिकता साबित करने की जरूरत नहीं है और ऐसा करना अपमानजनक है। बनर्जी ने कहा, 'मैं तीन बार की केंद्रीय मंत्री रही हूं, सात बार सांसद रही हूं और आपके आशीर्वाद से तीन बार मुख्यमंत्री बनी हूं। अब मुझे प्रमाणित करना होगा कि मैं नागरिक हूं या नहीं. इससे तो जमीन पर नाक रगड़ना बेहतर है।' गौरतलब है बंगाल में एसआईआर का पहला चरण गुरुवार को खत्म हो गया है।

केंद्र पर तीखे आरोप

इससे पहले नादिया जिले के कृष्णनगर में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने तीखे शब्दों में आरोप लगाया कि भाजपा और केंद्र सरकार बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, 'अमित शाह सीधे तौर पर मतदाताओं की सूची से 1.5 करोड़ नाम हटाने की कोशिशों को गाइड कर रहे हैं. अगर एसआईआर प्रक्रिया के दौरान एक भी योग्य मतदाता को बाहर किया गया तो वह अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ जाएंगी।

लोकतंत्र को प्रदूषित होने से बचा रहे : शाह

गृह मंत्री अमित शाह ने ममता के विरोध को घुसपैठियों को बचाने का प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि एसआईआर से लोकतंत्र को प्रदूषित होने से बचाया जा रहा। शाह ने एक्स पर लिखा कि कुछ दल मतदाता सूची शुद्धीकरण के खिलाफ हैं, क्योंकि उन्हें घुसपैठियों के वोट चाहिए।

मेलोनी ने भेजा न्योता मोदी बोले 'जरूर आएंगे'

नई दिल्ली। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने अपने उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंतोनियो तायानी से भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इटली आने का न्योता भेजा है। पीएम मोदी ने भी इटली की पीएम का न्योता स्वीकार कर लिया है और कहा है कि वह इटली जरूर आएंगे। इटली के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंतोनियो तायानी ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद गुरुवार को कहा कि उन्होंने अपनी पीएम जॉर्जिया मेलोनी की ओर से पीएम मोदी को इटली आने का निमंत्रण दिया है, और पीएम मोदी ने इसके लिए 'हां' कह दिया है। तायानी के अनुसार, 2026 में मोदी इटली की यात्रा करेंगे। तायानी ने बताया कि पीएम मोदी के साथ उनकी बैठक बेहद सकारात्मक रही। दोनों नेताओं के बीच भारत-इटली के मजबूत संबंध, आईएमईसी (इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर), औद्योगिक सहयोग और शांति के मुद्दों पर बात हुई।

सरकारी संस्थानों को खत्म करने की साजिश : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकारी संस्थानों को खत्म करने की गहरी साजिश के तहत उनकी स्थिति खराब की जा रही है, जो भारत की आत्मा पर आघात है। कांग्रेस नेता ने भारत प्रतिरक्षा और जैविक निगम लिमिटेड के कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाक़ात का वीडियो साझा करते हुए यह भी कहा कि राजग सरकार की निजीकरण की नीति भारत के लिए बहुत बड़ा अभिशाप बन गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपने अपने व्हाट्सएप चैनल पर पोस्ट किया, ''सरकारी संस्थाओं का दमन और उनका निजीकरण आज राजग सरकार की सबसे बड़ी दुर्नीति और भारत के लिए एक बहुत बड़ा अभिशाप बन गया है। अभी कुछ दिनों पहले जनसंसद में भारत प्रतिरक्षा और जैविक निगम लिमिटेड के कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाक़ात हुई। उन्होंने जो हालात बताए, वो सुनकर आप सिर्फ हैरान नहीं होंगे, स्तब्ध रह जाएंगे।'' राहुल गांधी ने दावा किया कि इस सरकारी कंपनी के कर्मचारी सालों से वेतनहीन हैं तथा अपने घर का ख़र्च चलाने के लिए कर्ज़, उधार और मजबूरी पर उनका जीवन टिका हुआ है।

शरजील-उमर पर आतंक की धारा क्यों, खालिद को अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। 2020 में दिल्ली में हुए दंगे से जुड़े केसों में लंबे समय से जेल में बंद उमर खालिद, शरजील इमाम समेत अन्य आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। बुधवार को सुनवाई पूरी होने से सर्वोच्च अदालत ने दिल्ली पुलिस से पूछा कि क्या यूएपीए की धारा 15 भाषण देने को लेकर उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य के खिलाफ लगाई जा सकती है, जो आतंकी गतिविधियों के लिए है? छह आरोपियों की जमानत याजिका पर आदेश सुरक्षित रखने वाली जस्टिस अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की बेंच ने अडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से यह जवाब तब मांगा जब वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने तर्क दिया कि दिए गए भाषणों पर अधिकतम धारा 13 (गैर-कानूनी गतिविधियां) और धारा 18 (षड्यंत्र) ही लगाई जा सकती हैं।

मिली 14 दिन की अंतरिम जमानत

दिल्ली की ट्रायल कोर्ट ने उत्तर-पूर्व दिल्ली दंगे 2020 की कथित 'बड़ी साजिश' मामले में आरोपी उमर खालिद को उनकी बहन की शादी में शामिल होने के लिए 14 दिन की 16 से 29 दिसंबर तक अंतरिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने खालिद को जमानत देते हुए कुछ शर्तें भी लगाई हैं। जिसके तहत, जमानत के दौरान वह दिल्ली-एनसीआर से बाहर नहीं जा सकेगा। उसे जांच अधिकारी को अपना मोबाइल नंबर और अपनी लोकेशन देनी होगी और अंतरिम जमानत की अवधि तक इसे चालू रखना होगा। कोर्ट ने ये भी कहा कि अंतरिम जमानत अवधि के दौरान आवेदक अपने परिवार के सदस्यों, रिश्तेदार और दोस्तों से ही मुलाकात करेगा।

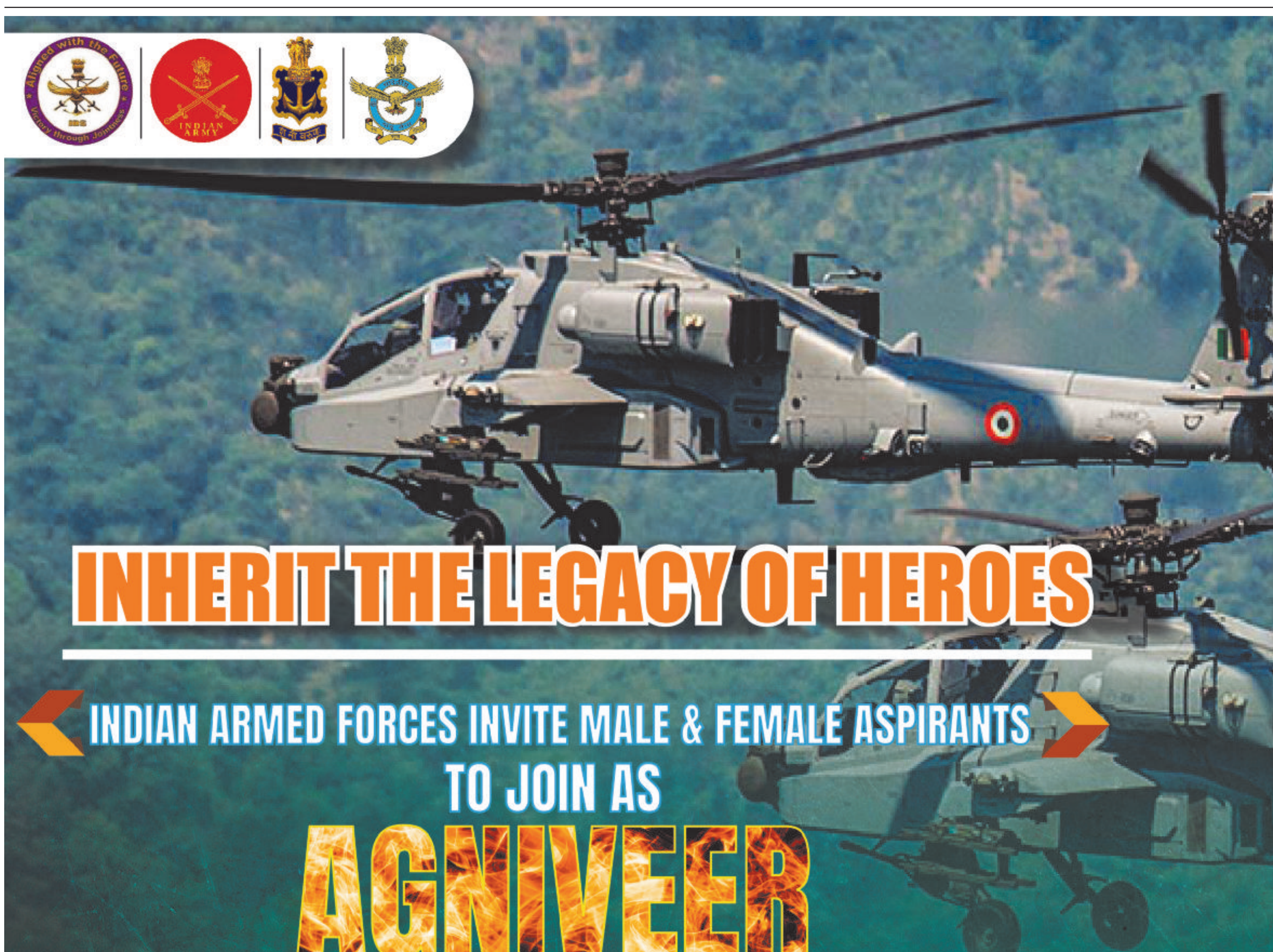

Selection Criteria	Army	Navy	Air Force
Minimum Education Qualification	10th / Matric - Agniveer (GD) including Women (Military Police) 10+2 / Intermediate in Science subjects with English or 10th/ Matric with two/three years technical training/diploma - Agniveer (Technical) 10+2 / Intermediate in any stream with English and Maths/Accounts/Book Keeping - Agniveer (Clerk/ Storekeeper Technical) 10th pass - Agniveer Tradesmen (All Arms) 8th pass - Agniveer Tradesmen (All Arms)	10+2 with Maths and Physics /Equivalent - Agniveer (Senior Secondary Recruit) Passed 10th - Agniveer (Matric Recruit) Passed 10th - Agniveer (Matric Recruit Musician)	Intermediate/ 10+2 with Maths, Physics and English/Equivalent - Agniveer (Science Subjects) Intermediate/ 10+2 in any stream/ subjects - Agniveer (other than Science subjects) **Note:** Candidates eligible for science subjects may also opt to appear in other than science subjects. Passed 10th - Agniveer (Musician)
Age	17½ - 21 years For Women Military Police in Indian Army, age limit relaxed to 30 years for widow of defence personnel who died in harness		

https://www.joinindianarmy.nic.in
www.joinindiannavy.gov.in
https://agnipathvayu.cdac.in
SCAN THE QR CODE
CBC 10803/13/0003/2526

Visit websites or refer detailed advertisement for complete information on eligibility conditions and selection process

अमेजिंग

शिखर चंद जैन

ये हैं दुनिया के सुपर कोल्ड प्लेसेस

बच्चो, जाड़े के मौसम में जब टेंपरेचर 5-10 डिग्री सेल्सियस के आस-पास तक पहुंच जाता है तो हमें जोरों की ठंड लगने लगती है। जरा सोचो, अगर टेंपरेचर माइनस 80-90 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाए, तो क्या होगा? सोचकर ही कंपकंपी छूट गई न! दुनिया की कुछ ऐसी ही जगहों के बारे में हम बता रहे हैं, जहां पड़ती है कड़ाके की ठंड।

याकुत्स्क-साइबेरिया रूस

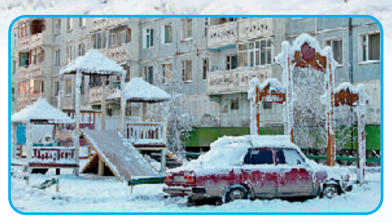

रूस के साइबेरिया में स्थित याकुत्स्क शहर दिसंबर के महीने में पूरी तरह से आइसक्रीम की तरह जम जाता है। इस महीने इस शहर का तापमान -31 से -41 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच जाता है। यहां महज चार घंटे के लिए सूरज की रोशनी मिलती है। याकुत्स्क को दुनिया का सबसे कम तापमान वाले शहर का खिताब मिला हुआ है। 5 फरवरी 1891 को यहां अब तक का सबसे कम तापमान -64.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। याकुत्स्क में पर्माफ्रॉस्ट का अनुभव होता है। पर्माफ्रॉस्ट का मतलब ठंडे तापमान के कारण जमीन का स्थायी रूप से जम जाना होता है। इस शहर की कुल आबादी 3 लाख 55 हजार है। *

पूर्वी अंटार्कटिक पठार अंटार्कटिका

पूर्वी अंटार्कटिक पठार, जिसे अंटार्कटिक पठार या किंग हाकोन सेवेन पठार भी कहा जाता है, पूर्वी अंटार्कटिका के लगभग दो-तिहाई हिस्से में फैला हुआ है। यह पृथ्वी पर सबसे ठंडा स्थान है। यहां अब तक का न्यूनतम तापमान -94.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इसकी जलवायु अत्यधिक ठंडी और शुष्क है। यह एक विशाल महाद्वीपीय पठार है, जो लगभग 3,000 मीटर (9,800 फीट) की औसत ऊंचाई पर स्थित है। यह पठार एक मोटी, स्थाई बर्फ की चादर से ढंका हुआ है, जिसकी मोटाई कुछ जगहों पर साढ़े चार किलोमीटर तक हो सकती है। अत्यधिक ठंड के कारण यहां कोई जीव-जंतु नहीं पाए जाते हैं। यहां के कुछ तटीय क्षेत्रों को छोड़कर, वनस्पतियों के रूप में केवल लाइकेन और मॉस ही पाए जाते हैं। *

वोस्तोक स्टेशन अंटार्कटिका

वोस्तोक अनुसंधान केंद्र की स्थापना सोवियत संघ (पूर्व में रूस और कुछ अन्य देशों का संघ) ने 1957 में की थी। दक्षिणी ध्रुव पर स्थित, दक्षिणी गोलार्ध के इस क्षेत्र में जुलाई 1983 में अब तक का न्यूनतम तापमान -89.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह पृथ्वी के सबसे शुष्क स्थानों में से एक है। यहां प्रति वर्ष लगभग 20 मिलीमीटर वर्षा होती है, लेकिन यहां पानी नहीं बर्फ बरसती है। *

क्लिंक स्टेशन ग्रीनलैंड

क्लिंक मौसम केंद्र, आर्कटिक सर्कल का सबसे ठंडा स्थान है। मध्य ग्रीनलैंड में स्थित क्लिंक स्टेशन में साल 1991 के दिसंबर में -69.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो ओम्याकॉन के पिछले रिकॉर्ड से -2 डिग्री सेल्सियस कम है। बच्चो, चिंता की बात यह है कि अत्यधिक ठंड के बावजूद, ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्रीनलैंड की अधिकांश बर्फ पिघल रही है। *

ओम्याकॉन-साइबेरिया रूस

आर्कटिक सर्कल के उत्तरी ध्रुव पर स्थित ओम्याकॉन पृथ्वी पर सबसे ठंडा स्थाई रूप से बसा हुआ स्थान है। 1933 में यहां का न्यूनतम तापमान -67.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। यहां सर्दियों के दौरान औसत न्यूनतम तापमान लगभग -50 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहता है। 500 से कम आबादी वाले इस शहर में स्कूल केवल तभी बंद होते हैं, जब तापमान -55 डिग्री सेल्सियस से कम हो। यहां की अत्यधिक ठंड का एक कारण यह है कि यहां की पहाड़ियां ठंडी हवा को अंदर आने देती हैं और गर्म हवा को बाहर रखती हैं। इसके अतिरिक्त, दिन के समय यहां बहुत कम उजाला रहता है, जिससे तापमान और भी गिर जाता है। *

एमंडसन-स्कॉट स्टेशन अंटार्कटिका

दक्षिणी ध्रुव पर स्थित, एमंडसन-स्कॉट स्टेशन 1956 में बनाया गया था। यहां गर्मियों में छह महीने धूप और सर्दियों में छह महीने पूरी तरह अंधकार

रहता है। पूर्वी अंटार्कटिक पठार के इस हिस्से में जून 1982 में सबसे कम तापमान -82.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इस स्टेशन का औसत वार्षिक तापमान लगभग -49.4 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहता है। यह दुनिया के सबसे दक्षिणी अनुसंधान केंद्रों में से एक है, जो अंटार्कटिका के ठंडे वातावरण में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करता है। यहां खगोल विज्ञान, भूकंप विज्ञान और जलवायु परिवर्तन जैसे विविध विषयों पर शोध किए जाते हैं। *

न ही नीला, न ही गाय फिर क्यों कहते हैं नीलगाय?

बच्चो, नीलगाय का नाम सुनकर ऐसा लगता है जैसे, यह कोई ऐसी गाय होगी, जिसका रंग नीला होता होगा। या नीले रंग की गाय होती होगी। लेकिन ऐसा नहीं है! जानो, नीलगाय के बारे में कुछ बातें।

जीव जंतु

नयनतारा

बच्चो, नीलगाय एक ऐसा जानवर है, जिसका नाम उसके गुणों से मेल नहीं खाता। नीलगाय न तो नीला होता है और न ही यह गाय है। तो फिर इस पशु को नीलगाय क्यों कहते हैं? क्या हैं इसकी शारीरिक विशेषताएं, जानो।

रंग अलग-रूप अलग: नीलगाय के शारीरिक रंग की बात करें तो इसका रंग इसके नाम के अनुरूप नीला नहीं, बल्कि स्लेटी या धूसर होता है। दूसरी बात कि यह गाय जैसा नहीं बल्कि घोड़े की तरह दिखाई देता है। हालांकि यह घोड़े की तरह तेज नहीं दौड़ पाता। ऐसा इसलिए, क्योंकि नीलगाय का पिछला हिस्सा अगले हिस्से से कम ऊंचा होता है।

नीलगाय नाम क्यों पड़ा: बच्चो, तुम सोच रहे होगे कि कलर और शारीरिक संरचना में इतना अंतर होने के बावजूद इसका नाम 'नीलगाय' क्यों पड़ा? दरअसल, इसका स्लेटी या धूसर रंग दूर से देखने पर 'नीला' दिखाई देता है। रंग की बात समझने के बाद अब यह भी जान लो कि इसके नाम में 'गाय' क्यों जोड़ा गया? इसका कारण यह है कि मादा नीलगाय अपने भूरे रंग के कारण गाय की तरह दिखती है। इन्हीं दो कारणों से इसे नीलगाय कहा जाता है। वैसे वैज्ञानिक तौर पर इसे हिरण परिवार का सदस्य माना जाता है।

क्या नीलगाय हिंसक होता है: बच्चो, हर जीव-जंतु की अपनी एक विशेषता होती है। कुछ काफी खतरनाक होते हैं, तो कुछ का स्वभाव बेहद शांत होता है। नीलगाय की बात करें, तो यह आमतौर से शांत स्वभाव का पशु है। लेकिन इसे छेड़ने पर यह घोड़े की तरह दुलत्ती भी मार सकता है। वैसे, नीलगाय दूर से देखने में बहुत ही प्यारा लगता है। *

तुम्हारे लिए नई किताब / अनुराग मनींद्र

बाल गीतों का मनभावन संग्रह

बच्चो, हाल ही में तुम्हारे लिए शिशु और बाल गीतों का एक प्यारा-सा संग्रह आया है, नाम है-कुहू। इसके रचनाकार हैं राजा चौरसिया। इस संग्रह में कुल 40 गीत संकलित हैं। इस संग्रह में गीतों का संकलन कुछ ऐसा है कि इसे पढ़-सुनकर हर उम्र के बच्चे को आनंद आएगा। इसमें अलग-अलग विषयों पर गीत हैं। 'कुहू', 'बंदर और बंदरिया', 'गोलू और गधा', 'तुलसी', 'भूमि की महिमा', 'ज्ञान और विज्ञान', 'ओ पापा!', 'मम्मी ने कहा', 'ओ मेरी नानी!', 'दादा जी', 'हम', 'होली आई रे!', 'उत्सवी उत्साह' जैसे गीत तुम्हें खूब भाएंगे। इनमें से कुछ में तुम्हें प्रकृति और पर्व-त्योहार की झलक मिलेगी। कुछ गीत तुम्हें प्यारी-सी सीख भी देंगे। संग्रह में 'कुहू' जैसे कुछ गीत बहुत ही छोटे हैं तो 'बचपन के दिन : ताक-धिनाधिन' जैसे थोड़े बड़े गीत भी हैं। इन गीतों को पढ़कर, गुनगुनाकर, अपने छोटे भाई-बहनों को सुनाकर तुम्हें बहुत मजा आएगा। इस संकलन में बाल गीतों के साथ उनसे मेल खाते सुंदर और मोहक चित्र भी छपे हैं। *

किताब : कुहू (शिशु एवं बाल गीत), **लेखक :** राजा चौरसिया, **मूल्य :** 125 रुपए, **प्रकाशक :** पाथेय प्रकाशन, जबलपुर

बूझो तो जानें

1 कांच के लेंस में मैं बैठा हूं
दूर को पास दिखाता हूं।
गगन, चंद्रमा, नक्षत्रों के
गुप्त रहस्य बताता हूं।

2 न जल हूं, न कोई धार
फिर भी बहती हर घर-बार।
चमक दिखाऊं, काम कराऊं
मुझसे चलें मशीन हजार।

3 आंखों को न दिखाई देती
रहूं रात-दिन सबके पास।
पेड़ों की पत्तियां हिलाती
मुझसे ही लेते सब श्वास।

- गौरीशंकर वैश्य विनम्र

उत्तर : 1.दूरबीन, 2.बिजली, 3.हवा

जीके क्विज-183

1. वर्ष 2030 का कॉमनवेल्थ गेम्स भारत के किस राज्य में आयोजित किया जाएगा?
2. मध्यप्रदेश के वर्तमान राज्यपाल कौन हैं?
3. चींटियों के काटने से किस एसिड के कारण जलन होती है?
4. फिडे वर्ल्ड कप का संबंध किस खेल से है?
5. दुनिया में सबसे अधिक ज्वालामुखी (वॉल्केनो) वाला देश कौन-सा है?
6. एफिल टॉवर किस शहर में स्थित है?
7. स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री कौन थे?
8. सुभाष चंद्र बोस को सबसे पहले 'नेताजी' किसने कहा था?
9. मिट्टी का अध्ययन क्या कहलाता है?
10. वायुमंडल में कौन-सी गैस सर्वाधिक पाई जाती है?

बच्चो, जीके क्विज-183 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-182 का उत्तर : 1. गुरु तेग बहादुर, 2. लक्ष्य सेन, 3. आरिफ मोहम्मद खान, 4.तिरुवनंतपुरम, 5. हरिवंश राय बच्चन, 6.प्रोपेन और ब्यूटेन, 7.विटामिन-डी, 8.नेपाल, 9.ऑस्ट्रेलिया, 10.सहारा

जीके क्विज-182 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, ओमदेव-मुंगेली, शुभम-बलौदा बाजार, गुंजा-रायपुर, ज्योति-बैकुंठपुर, कनिका-रायपुर, अमन-दुर्ग, विकास-रोहतक, कार्तिक-महासमुंद, प्रवीण-बिलासपुर, रजत-भोपाल

कहानी

अंजना मनोज गर्ग

टिठुरती सर्दी में गोलू रजाई में मुंह ढंके लेटा था। उसका स्कूल जाने का जरा भी मन नहीं था। तभी उसे लगा, उसकी रजाई उससे स्कूल जाने के लिए बोल रही है। गोलू को आश्चर्य हुआ कि रजाई बोल भी सकती है! क्या रजाई सचमुच गोलू से कुछ बोल रही थी, कोई सीख दे रही थी? पढ़ो, मजेदार कहानी।

रजाई की सीख

सुबह के सात बज गए थे। गोलू था कि रजाई में से निकलने का नाम ही नहीं ले रहा था। मम्मी, रसोई में खाना बनाते हुए उसे जगाने के लिए बार-बार आवाज लगा रही थीं, लेकिन उसका रजाई से बाहर निकलने का मन नहीं हो रहा था। बाहर बहुत तेज सर्दी थी। उसके लिए स्कूल जाना और भी कठिन था।

'मम्मी अभी आएंगी, मीठी-मीठी बातें करेंगी और झट से रजाई हटाकर मुझे तैयार करके स्कूल भेज देंगी। उफ! इतनी सर्दी है, मैं स्कूल नहीं जाऊंगा।' गोलू रजाई के भीतर मन ही मन बुदबुदाया।

'क्या बुदबुदा रहे हो गोलू?' एक आवाज आई।

'हुं..ह.. कौन!' एकदम से आई आवाज से गोलू चौंका। उसने रजाई से सिर बाहर निकाल कर देखा, बाहर कोई नहीं था।

'अरे! बाहर क्या देख रहे हो गोलू? मैं यहां तुम्हारी रजाई बोल रही हूं।' हंसती हुई रजाई कुछ फैल गई।

गोलू सकपकाया, धीमे से बोला, 'तुम बोलती भी हो!'

'हां, मुझे बोलना पड़ता है, जब गोलू जैसे बच्चे मेरा गलत फायदा उठाते हैं।' रजाई प्यार से बोली।

'अरे, मैंने क्या गलत फायदा उठाया तुम्हारा?' गोलू ने चिढ़ते हुए रजाई से पूछा। 'देखो तो दिन चढ़ आया है। तुम्हारे स्कूल जाने का समय भी हो रहा है। तुम्हारी मम्मी तुम्हें जगाने के लिए कितनी देर से आवाज लगा रही हैं, लेकिन तुम हो कि मुझे छोड़ना ही नहीं चाहते हो।' रजाई बोली।

एआई इमेज

'सर्दी कितनी तेज है, ऐसे में स्कूल कैसे जाऊं? तुम्हीं बताओ रजाई।' गोलू ने अपनी बात रखी।

'ओह तो ये बात है! अच्छा गोलू, एक बात बताओ, अगर मम्मी भी सर्दी में मुझमें दुबकी रहें, पापा भी ऑफिस न जाएं और दूध वाला, सब्जी वाला, अखबार वाला और भी सभी लोग मुझमें यह सोचकर दुबके रहें-भई सर्दी बहुत ज्यादा है, हम कोई काम नहीं करेंगे, फिर?' रजाई ने गोलू से सवाल किया।

'अरे! रजाई, अगर मम्मी खाना नहीं बनाएंगी तो मैं, छोटी, पापा सब भूखे रह जाएंगे न।' नन्हे गोलू का ध्यान किसी में नहीं बस मम्मी पर ही अटका था।

गोलू की इस मासूमियत पर रजाई जोर से हंस पड़ी, उसने पूछा, 'और बाकी सब?'

'वो तो उनके अपने काम हैं, उनको तो करने ही हैं। लेकिन मैं तो अभी छोटा हूं न!' गोलू मुंह बना कर बोला।

'छोटे हो, तभी तो तुम्हें केवल एक ही काम करना है, स्कूल जाकर पढ़ाई। बाकी सारे काम तुम्हारे मम्मी-पापा कर ही रहे हैं।' रजाई ने गोलू से कहा।

'हां! अब मैं समझ गया, रजाई।' सिर झुकाए-झुकाए गोलू बोला।

'क्या समझे?' रजाई ने मुस्कुराते हुए जानना चाहा।

'यही कि मुझे रोजाना समय पर तैयार होकर स्कूल जाना चाहिए, चाहे कितनी ही सर्दी हो।' गोलू उत्साह से बोला।

'हां, वेरी गुड! तो अब पहला काम तुम्हें क्या करना है?' रजाई ने गोलू का मन टटोला।

गोलू तुरंत बोला, 'मुझे अभी आपको छोड़कर स्कूल जाना होगा, लेकिन इतनी सर्दी...!'

'तो मैं हूं ना, जब तुम स्कूल से आओगे तो मैं अपनी गर्म-गर्म गोद में तुम्हें फिर से समेट लूंगी, मेरे प्यारे गोलू।' गोलू की बात पूरी होने से पहले ही रजाई बोल पड़ी।

तभी गोलू ने जैसे ही रजाई से सिर निकाला तो पाया कि मम्मी उसे जगा ही रही हैं।

'ओह, तो यह मैं सपना देख रहा था! लेकिन कुछ भी हो, रजाई ने सीख अच्छी दी।' गोलू मन ही मन बोला।

गोलू स्कूल के लिए तैयार हुआ तो बेड पर तह बनी रजाई उसे दिखाई दी। उसे लगा, स्कूल के लिए तैयार होते देखकर रजाई मुस्कुरा रही है। *

कविता

मीरा सिंह 'मीरा'

लाल परी

सपने में मिलने आई कल
प्यारी एक परी।
सुंदर-सुंदर पंखों वाली
लेकर हाथ छड़ी।।
पूछा मैंने नाम बताओ
बोली लाल परी।
लाल रंग के कपड़े पहनी
आंखें बड़ी-बड़ी।।
कानों में हंसकर वह बोली
बाहर तो निकलो।
परी लोक की सैर कराऊं
तुम भी साथ चलो।।
उड़ती-उड़ती जा पहुंची कल
परी लोक सच में।
पेड़ लगे थे चॉकलेट के
बागों में कितने।।

रंग भरो-191

रंग भरो-191 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

आन्या, दुर्ग

आशना, जांजगीर

अनन्या, महासमुंद

अंकित, धमतरी

अवनी, रायपुर

पयोनिधि, अंबिकापुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

डॉली-दुर्ग, प्रियंका-रायपुर, रितेश-मटियारी, डॉली-मटियारी, समृद्धि-शहडोल, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, चंपक-जांजगीर, सोनम-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, अंकुश-करनाल, तुषार-बिलासपुर, हर्षिता-कोरबा

रंग भरो 192

बच्चो, यहां अपने क्यूट-से टेडी बियर को गोद में लेकर बैठी एक लड़की का प्यारा-सा ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन व सीईओ ने कहा, भारतीयों को बनाएंगे कुशल

माइक्रोसॉफ्ट भारत में एआई परिवेश को लेकर प्रतिबद्ध, बुनियादी ढांचे में कर रही निवेश : नडेला

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला ने बृहस्पतिवार को कहा कि कंपनी भारत के कृत्रिम मेधा (एआई) परिवेश को लेकर प्रतिबद्ध है और बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे में निवेश कर रही है।

नडेला ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट, 'क्लाउड' क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के साथ एआई-संचालित भविष्य के लिए लाखों भारतीयों को कुशल बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। माइक्रोसॉफ्ट ने चार प्रमुख आईटी कंपनियों कॉग्निजेंट, इन्फोसिस, टीसीएस और विप्रो के साथ रणनीतिक साझेदारी की भी घोषणा की। ये कंपनियां 'एजेंटिक' एआई को अपनाने में तेजी लाने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ मिलकर काम करेंगी।

माइक्रोसॉफ्ट निवेश को लेकर उत्साहित

'माइक्रोसॉफ्ट' के यहां आयोजित एक कार्यक्रम में नडेला ने कहा, "हम भारत में निवेश करने को लेकर बहुत उत्साहित हैं ताकि हम यहां सर्वश्रेष्ठ श्रेणी का बुनियादी ढांचा ला सकें। यह 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश है। नडेला ने इसे एशिया में माइक्रोसॉफ्ट का सबसे बड़ा निवेश बताया।

नया डेटा सेंटर 2026 में चालू हो जाएगा

'एज्यूर' माइक्रोसॉफ्ट द्वारा प्रदान किया गया एक व्यापक 'क्लाउड कंप्यूटिंग' मंच है। इस पर कंपनियां एवं डेवलपर अपनी एप्लिकेशन, वेबसाइट, डेटाबेस, स्टोरेज, एआई मॉडल तथा सर्वर ऑनलाइन बना, चला तथा प्रबंधित कर सकते हैं.. वह भी बिना अपने 'फिजिकल सर्वर' खरीदे। उन्होंने कहा कि एक नया डेटा सेंटर क्षेत्र 2026 में चालू हो जाएगा।

प्रधानमंत्री ने दिखाया काफी उत्साह

माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन नडेला ने बताया कि हाल में उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हुई जिन्होंने समाज, अर्थव्यवस्था एवं वृद्धि को गति देने के लिए इस निवेश (17.5 अरब अमेरिकी डॉलर) को लेकर काफी उत्साह दिखाया। उन्होंने कहा कि यह प्रतिबद्धता उनकी पिछली यात्रा के दौरान घोषित तीन अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश के अतिरिक्त है।

- कंपनी क्लाउड क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत करेगी
- चार प्रमुख आईटी कंपनियों के साथ की रणनीतिक साझेदारी
- ये कंपनियां 'एजेंटिक' एआई को अपनाने में तेजी से काम करेंगी।

भारत 2030 तक गिटहब बनने के लिए तैयार

सीईओ ने कहा, "भारत 2030 तक 'गिटहब' के साथ दुनिया का अग्रणी समुदाय बनने के लिए तैयार है।" 'गिटहब' एक वेब-आधारित मंच है जो 'वर्जन कंट्रोल' और सहयोग के लिए बनाया गया है। मुख्य रूप से डेवलपर द्वारा सॉफ्टवेयर कोड को 'स्टोर' करने, प्रबंधित करने एवं साझा करने के लिए इसका उपयोग किया जाता है।

एज्यूर को विश्व कंप्यूटर के रूप में विकसित किया जा रहा : *माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन ने देश भर में कंपनी के 'क्लाउड नेटवर्क' के तेजी से विस्तार पर जोर दिया। "हम 'एज्यूर' को विश्व के कंप्यूटर के रूप में विकसित कर रहे हैं और हमारे पास दुनिया भर में 70 से अधिक डेटा सेंटर क्षेत्र हैं।*

साइबर सुरक्षा के महत्व पर दिया जोर

नडेला ने कहा, "हमें बेहद खुशी है कि 2026 में देश के दक्षिण क्षेत्र में हमारा एक नया डिजिटल सेंटर होगा। सबसे अच्छी बात यह है कि यह पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल है।' उन्होंने एआई के बढ़ते उपयोग के इस युग में डिजिटल संप्रभुता एवं साइबर सुरक्षा के महत्व पर भी जोर दिया।

पब्लिक क्लाउड में संप्रभु नियंत्रण है

नडेला कहा, "हम संप्रभुता को लेकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि संप्रभुता के लिए विकल्पों का एक व्यापक खंड मौजूद हो। इसलिए आपके पास पब्लिक 'क्लाउड' है, पब्लिक क्लाउड में संप्रभु नियंत्रण हैं... उन्होंने चेतावनी दी कि संप्रभुता को सुरक्षा से अलग करके नहीं देखा जा सकता।

कार्यालय नगर पंचायत बगीचा, जिला-जशपुर (छ.ग.)

क्रमांक 1791/लो.नि.वि./न.पं./ 2025-26 — बगीचा, दिनांक 11/12/2025

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पंचायत बगीचा में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत समक्ष श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

Bid Submission Start Date & Time -11/12/2025, 10:30 AM
Bid Due Date & Time - 05/01/2026, 05:30 PM
Physical Submission of TENDER DOCUMENTS -07/01/2026, 4:30 PM
Bid Open Date & Time -08/01/2026, 03:00 PM ONWARDS

सिस्टम टेंडर नंबर	अनु. लागत (लाख रू. में	धरोहर राशि	सिस्टम टेंडर नंबर	अनु. लागत (लाख रू. में)	धरोहर राशि
181426	28.27	21500	181526	5.24	5000
181541	4.91	5000	181552	4.91	5000
181433	19.83	15000	181530	9.76	7500
181434	2014	15500	181534	29.29	22000
181505	3.79	4000	181453	9.9	7500
181506	4.37	5000	181456	14.18	11000
181550	17.63	13500	181553	4.91	5000
181508	6.68	5500	181528	6.68	5500
181435	9.35	7500	181459	4.38	5000
181436	9.81	7500	181535	16.27	12500
181510	5.24	5000	181554	17.63	13500
181517	5.24	5000	181536	27.67	21000
181437	14.14	11000	181462	2.98	3000
181520	6.10	5000	181466	3.15	3500
181449	5.65	5000	181469	9.81	7500
181451	8.18	6500	181471	7.48	6000
181523	4.37	5000	181473	5.61	5000

टीप :- 1. उपरोक्त निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राषि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। 2. विज्ञापन की प्रति https://uad.cg.gov.in में देखी जा सकती है एवं अन्य जानकारी हेतु कार्यालय समय में ओ.नि.वि. शाखा से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी,
नगर पंचायत बगीचा जिला-जशपुर (छ.ग)

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग, जशपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal : https://eproc.cgstate.gov.in
(द्वितीय आमंत्रण)

निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक **22.12.2025,** (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम निविदा क्र./निविदा सूचना क्र./दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत
सि.नि.क्र. 181207, नि.सू.क्र. 07/व.ले.लि./2025-26, दिनांक 05.12.2025	चुन्दापाठ जलाशय योजना के 02 नग आर.सी.सी. स्लूस, 01 नग वेस्ट वियर, शीर्ष कार्य में मिट्टी बंड, मिट्टी कार्य से नहर निर्माण, नहर सी.सी. लाईनिंग 04 नग सी.डी., 07 नग व्ही.आर.बी., 03 नग फाल, 08 नग कोलाबा पाईप फिक्सिंग का निर्माण कार्य।	रू. 447.16 लाख
सि.नि.क्र. 181212, नि.सू.क्र. 08/व.ले.लि./2025-26, दिनांक 05.12.2025	कोदोधरा जलाशय योजना का निर्माण कार्य।	रू. 284.43 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **12.12.2025** समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. दिनांक 01.08.2010 (संशोधित 22.08.2022) के अनुसार है।

कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, जशपुर (छ.ग.)
जी-252605347/4 **कृते - मुख्य अभियंता हसदेव गंगा कछार, जल संसाधन विभाग, अंबिकापुर, (छ.ग.)**

चांदी की चमक सोने से ज्यादा बढ़ी अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऑलटाइम हाई पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जब भी वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता और उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है, तो निवेशक स्वाभाविक रूप से सुरक्षित निवेश साधनों में पैसा लगाने लगते हैं। इस साल सोने ने जहां मजबूत रिटर्न दिया, वहीं चांदी ने अपनी अप्रत्याशित चमक से न केवल गोल्ड को पीछे छोड़ा, बल्कि घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नया इतिहास रच दिया है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी के दाम 2 लाख रुपए प्रति किलो के करीब पहुंच चुके हैं, जो अब तक के सर्वोच्च स्तरों में से एक है। दिसंबर महीने में चांदी की तेजी इतनी जबरदस्त रही कि सिर्फ कुछ कारोबारी सत्रों में ही यह हजारों रुपए प्रति किलो चढ़ गई और निवेशकों व ट्रेडरों का ध्यान अपनी ओर खींच लाई।

- चांदी में तेजी के पीछे सबसे बड़ी औद्योगिक मांग बताई जा रही
- चांदी भारत में 2 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के करीब पहुंच चुकी

फेड के ब्याज कटौती से चांदी को मिला सहारा

इसके अलावा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में लगातार तीसरी बार 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती ने भी चांदी की कीमतों को सहारा दिया है। ब्याज दरों में कटौती से डॉलर कमजोर होता है।, और डॉलर के कमजोर पड़ते ही सोने व चांदी जैसे कीमती धातुओं की चमक और बढ़ जाती है। बुधवार को चांदी में एक ही दिन में 6,595 रुपए की बड़ी छलांग देखने को मिली और यह 1,85,488 रुपए प्रति किलो के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी चांदी 61 डॉलर प्रति औंस के ऊपर निकल गई, जो ऐतिहासिक है। इससे पहले 8 दिसंबर को भी इसने 1,79,088 रुपए प्रति किलो का रिकॉर्ड बनाया था।

कोका-कोला ने ब्रौन को किया सीईओ नियुक्त :

वॉशिंगटन। कोका-कोला ने अपने मुख्य परिचालन अधिकारी हेनरिक ब्रौन को मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की बुधवार को जानकारी दी। अटलांटा स्थित पेय पदार्थ कंपनी ने घोषणा की कि उसके निदेशक मंडल ने 31 मार्च से सीईओ का पदभार संभालने के लिए हेनरिक ब्रौन का चयन किया है।

उर्वरक उद्योग ने सब्सिडी सुधार की मांग की

नई दिल्ली। उर्वरक उद्योग ने कई नीतिगत सुधार किये जाने की मांग की, जिसमें यूरिया के लिए पोषण आधारित सब्सिडी का विस्तार, पारदर्शी सब्सिडी ढांचा और जीएसटी से जुड़े इनपुट टैक्स क्रेडिट इकट्ठा होने का समाधान शामिल है, इस क्षेत्र की लाभप्रदता बेहतर हो सके और नए निवेश को आकर्षित किया जा सकें। भारतीय उर्वरक संघ (एफएआई) के चेयरमैन एस शंकरसुब्रमण्यम ने ऊर्जा की ऊंची कीमतों, बढ़ते लॉजिस्टिक खर्चों और जरूरी अनुपालन जरूरतों से बढ़ते लागत दवाब की ओर इशारा किया, जिससे खासकर पुरानी यूरिया इकाई पर असर पड़ा है।

MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR

e-Procurement Tender Notice
Main Portal:http://eproc.cgstate.gov.in
(1st Call)

NIT NO: 76/EE/WATER/2025 — RAIPUR DATED :10/12/2025

Online bids are invited for the following works up to 01/01//2025 at 17:30 hours

Sr. No.	System Tender No.	Name of work / Description of work	Probable amount of contract (In Rs.)
1	181601	Silt cleaning of various OHT of RMC- 44 Nos.	48,79,500.00

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate. gov.in from 01/01/2025, 17:30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal. NIT Details and other documents.

Note:- 1. All eligible / interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. *Help Desk at Toll Free No.* 18004199140 or through Email ID *helpdesk.eproc@cgswan.gov.in*

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरें को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

EXECUTIVE ENGINEER
WATER
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR

छ.ग.गृह निर्माण मंडल, वृत्त-बिलासपुर

निविदा आमंत्रण सूचना

वि.क्र.-41

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल वृत्त बिलासपुर अन्तर्गत संभाग कोरबा में निक्षेप कार्य अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जटगा, ब्लॉक पोड़ी उपरोड़ा, जिला कोरबा में आवासीय भवन का निर्माण कार्य हेतु प्रथम ऑनलाईन निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधित विस्तृत विवरण मण्डल वेबसाईट http://cghb.gov.in में उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यपालन अभियंता, संभाग कोरबा के मो.नं. 9907285405 पर संपर्क करें।

संवाद- 46205 — उपायुक्त

कार्यालय मुख्य अभियंता, लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र, रायपुर (छ.ग.)

दिनांक 08.12.2025

सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	नि.आ.सू.क्र. दिनांक	सिस्टम आई डी क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित
1.	120/CE/NH/TC/44-93/2025 (1st Call)	2025_MORTH_888993_1	Rehabilitationn and Upgradation of 2 laning with paved shoulder of Chandrapur Re-Alignment section of new NH-153 (Old NH-216) from km 25.600 to km 31.160 in the State of Chhattisgarh.	Rs. 87.02 Cr.

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 21.01.2026 शाम 11.00 बजे तक है।

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MORT&H's) के ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eprocure.gov.in/eprocure/app से डाऊनलोड की जा सकती है।

मुख्य अभियंता
जी. 252605380/3 **लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र, रायपुर (छ.ग.)**

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक डॉ.भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर (छ.ग.)

क्रमांक/डॉ.भी.अ.चिकि./रख./25/18856 रायपुर, दिनांक 10/12/2025

//निविदा सूचना//

डॉ. भीमराव अंम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर निम्न लिखित कार्य किया जाना है-

01. चिकित्सालय के विभिन्न स्थानों में स्थापित / उपयोग हो रहे कुल 28नग वाटर कूलरों जिसमें 22 नग 80 लीटर (13नग आर.ओ. एवं 09नग नॉन-आर.ओ.) एवं 06 नग 20 लीटर (02नग आर.ओ. एवं 04नग नॉन-आर.ओ.) की क्षमताओं वाले वाटर कूलरों का मरम्मत पश्चात वार्षिक रखरखाव (सी.एम.सी.) कार्य किया जाना है।

02. केन्द्रीय लॉण्ड्री रूम में स्थापित लॉण्ड्री मशीनों (02नग हाइड्रो, 02नग वाशिंग मशीन, 02 नग टम्बलर मशीन, 01 नग एयर कम्प्रेशर एवं 01 नग प्रेस मशीन) का रखरखाव (सी.एम.सी.) किया जाना है।

उपरोक्त कार्य हेतु मुहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है। प्रत्येक निविदा प्रपत्र हेतु शुल्क रू. 1000/-, रु.1000/- का पृथक-पृथक रसीद जमा कर रखरखाव शाखा से प्राप्त किया जा सकता है, जो वापसी योग्य नहीं है।

निविदा प्रपत्र विक्रय करने की तिथि निविदा प्रकाशन दिनांक से 29.12.2025 तक (कार्या. समय 10:30 से शाम 5:00 बजे तक)
निविदा लिफाफा जमा करने की अंतिम तिथि- 30.12.2025 शाम 5:00 बजे तक
निविदा लिफाफा खोले जाने की तिथि- 31.12.2025 (दोपहर 1:30 बजे तक)

G-252600320/2
G-252600710/4
G-02156
G-252604735
G-252604784/2 (Loundry Machine)

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय,
रायपुर (छ.ग.)

जी-252605398/2

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, शिवनाथ भवन, सेक्टर-19, नार्थ ब्लॉक, नवा रायपुर अटल नगर, जिला-रायपुर (छ.ग.)

संक्षिप्त विज्ञापन

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर का पत्र क्रमांक एफ 01-16/31/स्था./2020 दिनांक 29.10.2024 द्वारा दी गई सहमति के आधार पर छत्तीसगढ़ जल संसाधन विभाग में निम्नलिखित रिक्त पदों की सीधी भर्ती हेतु छत्तीसगढ़ के स्थानीय पात्र निवासियों से छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल के वेबसाईट http://vyapamcg.cgstate.gov.in पर ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। पदों का विवरण निम्नानुसार है :-

स.क्र.	पदनाम	कुल रिक्तियों की संख्या				कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या में महिलाओं के लिए आरक्षित पद				कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या में भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित पद				कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या में से छ.ग. के दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद	योग	सांवता वेतनमान
		अना.	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	अना.	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	अना.	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.			
1	सहायक मानचित्रकार (सिविल)	10	03	08	04	03	0	02	01	01	0	0	0	02 OL, OA. BL. 01 (One Leg. One Arm, Both Leg) HH-01 (Hard Of Hearing)	25	लेवल- 6 बेसिक पे- 25300

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा उक्त पदों के लिए परीक्षा दिनांक 15.03.2026 को संभावित है। विस्तृत विज्ञापन, आवश्यक शैक्षणिक अर्हता, आयु सीमा, पाठ्यक्रम, भर्ती प्रक्रिया, नियम एवं शर्तें, परीक्षा शहर/केन्द्र आदि संबंधी जानकारी व्यापमं के वेबसाईट http://vyapamcg.cgstate.gov.in पर देखें जा सकते हैं, उपरोक्त नियुक्तियाँ माननीय उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली के एस.एल.पी. (सी) क्रमांक 19668/2022 में पारित होने वाले अंतिम आदेश के अध्याधीन होगी एवं माननीय उच्चतम न्यायालय के अंतिम निर्णय अनुसार विज्ञापित किये गये पदों की वर्गवार पदों की संख्या में परिवर्तन भी हो सकता है।

नोडल अधिकारी/कार्यपालन अभियंता,
जी. 252605404/2 **वास्ते प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, छत्तीसगढ़, नवा रायपुर, अटल नगर**

राशिफल

मेष — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे, परन्तु परिवार का साथ मिलेगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा।तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन — परिवार में सदभाव बनाये रखने के प्रयास करे। किसी मित्र का आगमन हो सकता है। अनावश्यक विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। संपत्ति में निवेश के रास्ते खुलेंगे। लाभ के योग हैं।

सिंह — आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। लंबे समय से चली आ रही समस्याओं से निजात मिलेगी।

कन्या — खर्चों में वृद्धि भी होगी। मीठे खानपान में रुचि रहेगी। आय में वृद्धि भी होगी। व्यर्थ की चिंताओं से स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

तुला — कारोबार में भाग-दौड़ अधिक रहेगी, परन्तु यथानुरूप लाभ के अवसर कम मिल सकते हैं। आशातीत सफलता मिलने के योग कम हैं।

वृश्चिक — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन भी हो सकता है। आय में वृद्धि होगी।

धनु — व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। माता का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय वृद्धि के साधन बन सकते हैं।

मकर — कारोबार में कठिनाइयां तो आ सकती हैं, परन्तु किसी मित्र के सहयोग से कारोबार के लिए विदेश यात्रा पर जाने का अवसर भी मिल सकता है।

कुंभ — नौकरी में स्थान परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। खर्च बढ़ेंगे। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा सकते हैं।

मीन — लाभ के अवसर मिल सकते हैं। यात्रा में वृद्धि हो सकती है। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

शब्द पहेली - 6075

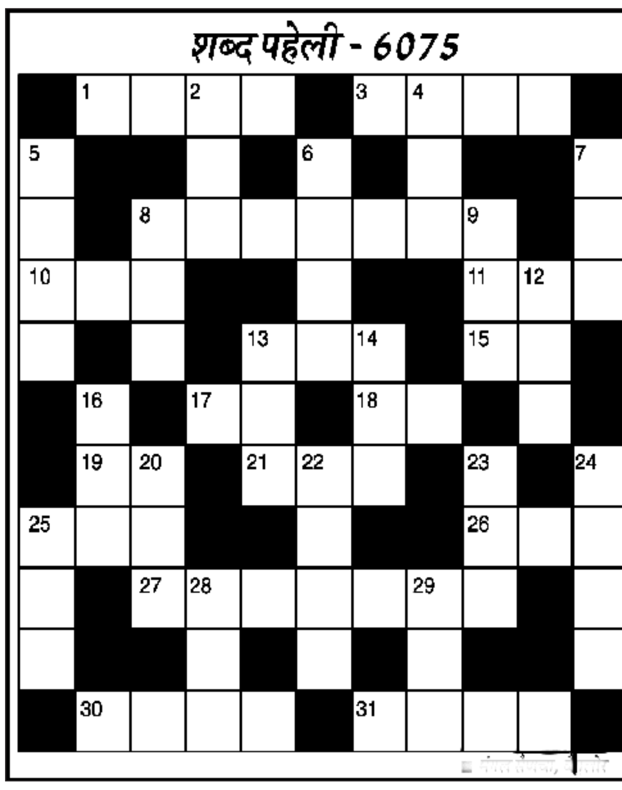

बाएँसेदाए±
1. बादलों की गड़गड़ाहट-4
3. नीरस, रस विहीन-4
8. नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10. कंठस्थ करना-3
11. जुड़वा-3
13. उक्ति, काव्य कृति-3
15. आने वाला दिन-2
17. पर, पराया, दूसरा-2
18. हाथ-2
19. कविता लिखने वाल-2
21. बजाने वाला-3
25. कक्ष, रूम-3
26. ठिकाना, नीड़-3
27. हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30. अभिप्राय-4
31. आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे
2. तरुणाई, लड़कपन-3
4. सहायता, आधार-3
5. बीताना, यापन करना-4
6. दिखावा, पाखंड-4
7. जरुरत, स्वार्थ-3
8. राजी करना-3
9. योग्य-3
12. मसलना-3
13. इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14. सुगंध, लास-3
16. रोकड़ राशि-3
20. रुकना, स्थिर होना-3
22. विजय दशमी -4
23. भोर, सवेरा-3
24. सना हुआ, तर-4
25. छल, धोखा-3
28. अनुकृति-3
29. श्रंगार -3

शब्द पहेली - 6074 का हल

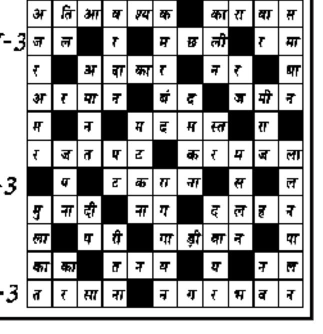

सूडोकु नवताल - 6085

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल - 6084 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

प्रथम पृष्ठ का शेष

सरकार ने जारी...

प्रमाण पत्रों का पूर्ण परीक्षण किये बिना नियुक्ति आदेश जारी किये जाते हैं, जिसके कारण नियुक्त अधिकारियों के विरूद्ध फर्जी जाति,दिव्यांग प्रमाण पत्र आदि के संबंध में कई शिकायतें प्राप्त हो रहें है तथा न्यायालयीन प्रकरण निर्मित हो रहे है।

पैसों की बारिश...

होकर कमरे में गिर पड़े। तांत्रिक ने वहां मौजूद अन्य लोगों को तीनों के मूर्छित होने की जानकारी दी। जब बहुत देर तक तीनो युवक होश में नहीं आए तो वहां मौजूद लोगों ने उनके परिजनों को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर परिजन मौके पर पहुंचे और आनन फानन में तीनों को उपचार के लिए शहर के एक निजी अस्पताल में ले गये जहां चिकित्सकों ने परीक्षण उपरांत तीनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। शहर के स्क्रैप कारोबारी सहित तीन लोगों की मौत की खबर फैलते ही जिले में हड़कंप मच गया और भारी संख्या में लोगों की भीड़ अस्पताल में जा पहुंची, तीनों की मौत कैसे हुई है यह स्पष्ट नहीं है। हालांकि यह सब घटना तंत्र विद्या करने के दौरान होने की बात कही जा रही है। तीनो युवकों के शव का तीन चिकित्सकों की टीम द्वारा पोस्टमार्टम करवाया गया है।

पैसा झरन क्रिया...

झांसी में आ जाते हैं और उनके जाल में फंसकर मोटी रकम या फिर अपनी जान ही गंवा देते हैं।

शिक्षा मंत्री यादव ने ...

डीपीएस के बच्चों को प्रदेश स्तर पर टॉपर बताते हुए कहा कि ऐसे स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि उनका शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात है। इसके लिए उन्होंने समारोह की अध्यक्षता कर रहे हरियाणा सरकार के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु सिंधु एवं हरिभूमि समूह के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी का आभार जताया। उन्होंने बच्चों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए स्कूल के प्राचार्य को भी सफलता के लिए बधाई दी।

शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ ..

अलग पहचान बनाने में सफलता पा ली है। इसके लिए उन्होंने सबको बधाई दी। डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने कहा कि किसी व्यक्ति का सफल होना उतना महत्व नहीं रखता, जितना उसका एक अच्छा इंसान होना महत्व रखता है। डीपीएस के बच्चों को देखकर ऐसा महसूस होता है कि वे अपनी संवेदना व सहनशीलता से समाज में एक मिसाल और पहचान कायम करने में सफल होंगे।

हसदेव नदी में ...

करते हुए हनुमान धारा के पास पहुंची। पुलिस को यहां घाट में बच्चों के कपड़े और चप्पल मिले। पास में ही साईकिल और मोबाइल भी था। पुलिस और एस डी आर एफ ने नदी में तलाश शुरू की, लेकिन रात होने के कारण कुछ पता नहीं चल सका। इसके बाद एनीकट का गेट बंद कर नदी की धार कम कराई गई। रातभर में पानी कम होने पर गुरूवार को :शेष पेज 8 पर सुबह करीब 11.30 बजे एक एक कर तीनों बच्चों की लाश मिली। बताया जा रहा है कि तीनों एक साथ नहाने के लिए नदी में उतरे थे। नहाने के दौरान नदी के बीच टापू में चले गए और इसी बीच हादसे का शिकार हो गए। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। बच्चो के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। एक ही मोहल्ले के तीन बच्चों की एक साथ मौत होने से मोहल्लेवासी शोक में डूबे हैं।

सीएम साय बोले-...

कि बस्तर के युवाओं ने इतनी बड़ी संख्या में स्पर्धा में भाग लेकर इस आयोजन के सहभागी बने। सबसे ज्यादा खुशी की बात यह है कि बस्तर ओलम्पिक में नुआ बाट के अधिकाधिक प्रतिभागियों ने शामिल होकर इसे ऐतिहासिक बना दिया है। साथ ही बड़ी संख्या में हमारी बेटियां और बहनें हिस्सा लेकर महिला सशक्तिकरण को साबित कर रही हैं। सरकार बस्तर के युवाओं को समाज की मुख्यधारा में शामिल कर विकास में सहभागी बनाने के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। यही वजह है कि बस्तर के युवा लोकतंत्र में आस्था एवं विश्वास से जुड़ रहे हैं, वहीं विकास के मार्ग में आगे आकर भूमिका निभा रहे हैं। बस्तर ओलम्पिक खेल प्रतियोगिता के विजेता विकास के मॉडल होंगे। भविष्य में बस्तर के खिलाड़ी ओलम्पिक में मेडल हासिल कर आएं, इस दिशा में सरकार यहां के युवाओं को बेहतर अवसर तथा प्रशिक्षण प्रदान करेगी और सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर के ओलम्पिक प्रतिस्पर्धा में गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल एवं ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को तीन-तीन करोड़ एवं दो करोड़ रुपए की सम्मान निधि प्रदान करेगी। सरकार बस्तर के गांव-गांव में विकास की धारा पहुंचे, इस दिशा में सरकार हर संभव प्रयास कर रही है, जिससे अब बस्तर शान्ति-समरसता और समृद्धि की ओर निरंतर अग्रसर होकर प्रदेश एवं देश के विकास में सहभागी बन रहा है। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप और ओलम्पिक में ब्रॉन्ज मेडल सहित अन्य अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में पदक जीतने वाली खिलाड़ी पद्मश्री एमसी मेरीकॉम ने भी बस्तर ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं। संचालक खेल एवं युवा कल्याण सुश्री तनुजा सलाम ने स्वागत उद्बोधन में अवगत कराया कि बस्तर ओलम्पिक के संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में बीजापुर, दंतेवाड़ा, कांकेर, कोण्डागांव, नारायणपुर एवं बस्तर जिले के साथ ही नुवा बाट के करीब तीन हजार 500 खिलाड़ी हिस्सा ले रहें है। बस्तर के लिए गौरव का क्षण होने के साथ ही बस्तर के सुनहरे भविष्य के लिए सरकार का बहुत ही अच्छा निर्णय है। इस बस्तर ओलम्पिक में तीन स्तर की स्पर्धा से के जरिये बस्तर प्रतिभाओं को एक मंच दिया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिता में गत वर्ष के एक लाख 65 हजार की अपेक्षा तीन लाख 92 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीयन करवाया ये परिवर्तन की बयार है। जिसमें दो लाख 27 हजार से ज्यादा महिला प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। आरंभ में खिलाड़ियों द्वारा मशाल प्रज्ज्वलित कर आतिशबाजी की गई। वहीं रंगारग सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत माता रूकमणी कन्या आश्रम तथा अन्य विद्यालयों की छात्राओं द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई।

शाह आज आएंगे...

शाह महज 11 दिनों बाद ही एक बार फिर से रायपुर आ रहे हैं। वे शुक्रवार की रात को 10 बजे यहां पहुंच जाएंगे। बस्तर ओलंपिक का समापन- श्री शाह दोपहर को 1.50 बजे बीएसएफ के विशेष विमान से यहां से जगदलपुर के लिए रवाना होंगे। उनके साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम विजय शर्मा और अरुण साव भी जाएंगे। जगदलपुर में बस्तर ओलंपिक के समापन में 2.45 से 4.45 बजे तक शामिल होंगे। इसके बाद 4.55 बजे जगदलपुर विमानतल से बीएसएफ के विशेष विमान से दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगे।

यात्रियों को मुआवजा...

कंपनी को नियामकीय दबाव का भी सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों ने परिचालन को स्थिर करने के लिए इसे शीतकालीन उड़ानों में 10 प्रतिशत की कटौती करने का निर्देश दिया है। इंडिगो दो दिसंबर को व्यवधान शुरू होने से पहले तक प्रतिदिन लगभग 2,300 उड़ानें संचालित कर रही थी। बयान में कहा गया, यह वाउचर मौजूदा सरकारी दिशानिर्देशों के तहत की गई प्रतिबद्धता के अतिरिक्त है, जिसके अनुसार इंडिगो उन ग्राहकों को उड़ान के 'ब्लॉक' समय के आधार पर 5,000 रुपए से 10,000 रुपए तक का मुआवजा प्रदान करेगी जिनकी उड़ानें प्रस्थान समय से 24 घंटे के भीतर रद्द कर दी गई थीं।

ईसी ने पांच...

अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के लिए ये अवधि 18 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है और मतदाता सूची का मसौदा 23 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। इसी तरह, उत्तर प्रदेश के लिए एसआईआर की अवधि 26 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है। मतदाता सूची का मसौदा 31 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। बयान के अनुसार, गोवा, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में एसआईआर गुरुवार को समाप्त हो गई और मतदाता सूची का मसौदा 16 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। केरल के लिए कार्यक्रम में पहले संशोधन किया गया था। राज्य में एसआईआर 18 दिसंबर को समाप्त होगी और मतदाता सूची का मसौदा 23 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा।

अर्धवार्षिक परीक्षा के...

बच्चियों के स्वास्थ्य पर निगरानी बनाए हुए हैं। बताया जा रहा है कि वाड्रफनगर विकासखंड के ग्राम गिरवानी अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल मनबासा में अर्धवार्षिक परीक्षा चल रही है। गुरुवार को कक्षा 9वीं के छात्र-छात्राओं की हिंदी और 10वीं के छात्र-छात्राओं की संस्कृत विषय की परीक्षा थी। परीक्षा सुबह 10.30 बजे शुरू हुई और दोपहर 1.30 बजे समाप्त हुई। बताया जा रहा है कि परीक्षा समाप्त होने के बाद अचानक एक छात्रा की तबीयत बिगड़ी और वह रोने लगी। एक बच्ची को रोते हुए देखकर कक्षा में मौजूद 10 अन्य बच्चियां भी रोने लगी जिससे स्कूल परिसर में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते बच्चियों की तबीयत बिगड़ने लगी और उन्हें बेहोशी आने के साथ ही बेचैनी लगने लगी। ऐसे में स्कूल के प्रचार्य ने मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी। सूचना मिलने के बाद बीईओ श्याम किशोर जायसवाल स्कूल पहुंचे जिसके बाद छात्राओं को एंबुलेंस व अन्य वाहनों की सहायता से वाड्रफनगर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में फिलहाल 8 छात्राओं को भर्ती कराया गया है और सभी की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। **कुछ को टाइफाइड और खून की कमी**- सिविल अस्पताल में भर्ती कराई गई छात्राओं की चिकित्सकों की टीम ने जांच की। फिलहाल सभी बच्चियों के बीपी, शुगर, हार्ट व पल्स रेट सामान्य है। हालांकि कुछ बच्चियों को टाइफाइड और कुछ को खून के कमी की शिकायत है जिसके लिए उनका उपचार चल रहा है लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आखिर एक साथ 10 से 11 बच्चियों की तबियत कैसे बिगड़ गई। घटना की सूचना मिलने के बाद बच्चियों के माता-पिता भी अस्पताल पहुंचे लेकिन वे भी कुछ नहीं बता पा रहे हैं। ना ही बच्चियों के साथ डांट फटकार की गई है और ना ही गुरुवार को किसी कठिन विषय की परीक्षा थी जिससे वे दबाव में आएं। हालांकि एहतियातन सभी बच्चियों को उपचार के लिए भर्ती कर लिया गया है और चिकित्सकों ने उनके स्वास्थ्य पर निगरानी रखी है।

अब मैक्सिको ने...

अपनी मंजूरी दे दी है और ये नए टैरिफ अगले साल यानी 2026 से लागू होने वाले हैं। इससे खासतौर पर उन देशों को बड़ा झटका लगने वाला है जिनका मैक्सिको के साथ को ट्रेड समझौता नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, बीते कुछ सालों में भारत और मैक्सिको के बीच व्यापार में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। साल 2022 में, दोनों देशों के बीच वस्तुओं का व्यापार 11.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया था, हालांकि 2023 में इसमें थोड़ी गिरावट आई और यह 10.6 अरब डॉलर पर आ गया, जबकि 2024 में इसमें फिर से तेजी आई है।

22 मजदूरों को ले...

आधार पर बताया कि राज्य के पूर्वी हिस्से में स्थित अंजॉ जिले के हयूलियांग-चागलागम रोड पर यह दुर्घटना आठ दिसंबर को हुई। इस ट्रक पर तिनसुकिया जिले के 22 मजदूर सवार थे। रावत ने एक बयान में कहा कि यह दुर्गम इलाका चागलागम से लगभग 12 किलोमीटर दूर है और वहां संपर्क सीमित है तथा दुर्घटना की जानकारी किसी भी स्थानीय एजेंसी, ठेकेदार या नागरिक को नहीं थी। मजदूर हयूलियांग में निजी ठेकेदार के लिए एक परियोजना में काम कर रहे थे। वे एक डंपर में यात्रा कर रहे थे जो सड़क से लगभग 1,000 फुट गहरी खाई में गिर गया। तिनसुकिया के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मयंक कुमार ने बताया कि जिले के 22 मजदूर अरुणाचल प्रदेश में एक छात्रावास के निर्माण के लिए गए थे। उन्होंने कहा, वे गिलपुकरी चाय बागान के धेलाघाट निवासी थे। कुमार ने बताया कि श्रमिकों में से एक बुधेश्वर दीप ने किसी तरह खाई से निकल बुधवार सुबह अपने रिश्तेदारों को फोन किया तब परिजनों को घटना की जानकारी मिली। **खोज और बचाव दल सक्रिय**-पीआरओ ने बताया कि गुरुवार सुबह सेना के स्पीयर कोर ने कई खोज और बचाव दल, चिकित्सा दल, जीआरईएफ प्रतिनिधि, स्थानीय पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कर्मी और हयूलियांग के एडीसी को सक्रिय किया। चार घंटे की गहन तलाश के बाद पूर्वाह्न 11 बजकर 55 मिनट पर ट्रक को 'केएम 40' के पास सड़क से लगभग 200 मीटर नीचे एक स्थान पर देखा गया। यह इलाका घने वृक्षों वाला है इसलिए वाहन न तो सड़क दिखाई दे रहा था और न ही हेलीकॉप्टर से। उन्होंने कहा, कठिन भूभाग और कम दृश्यता के बावजूद, भारतीय सेना नागरिक प्रशासन और अन्य एजेंसियों के समन्वय से शेष व्यक्तियों का पता लगाने और तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

हावड़ा-मुंबई एक्सप्रेस ...

मजदूरी कराने ले जाया जा रहा था। पूरे कार्रवाई में जीआरपी थाना प्रभारी भोला नाथ मिश्रा, आरपीएफ प्रभारी गुर्जर कर्मवीर समेत आरपीएफ और जीआरपी की टीम शामिल रही। घटनास्थल से तस्कर फिरोज मंडल को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य दो–तीन सहयोगी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गए।

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771-4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें

घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-इलेक्ट्रीकल थ्री व्हीकल शोरूम में फील्ड सेल्स एग्जीक्यूटिव 6पोस्ट युवक युवतियां चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- मालवा TVS मेन रोड व्यापार विहार, बिलासपुर 88279 48333, 9340093263, 9098261087 (39353)

आवश्यकता है- द प्रिंट हाऊस में ग्राफिक्स डिजाइनर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- खोवा मंडी आदर्श चौक गोल बाजार बिलासपुर 96444 47718 (39386)

आवश्यकता है- लेडीज टीचर चाहिये 9th (2 बच्चियां) इंग्लिश मिडियम को घर आकर पढ़ाने हेतु समय शाम 6-8, वेतन 8000 से 10000 योग्यतानुसार सम्पर्क करें- सुबह 10 से 1बजे, रामाग्रीन सिटी खमतराई रोड सरकंडा बिलासपुर 9893599044 (39384)

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेन्सी में डिजाईनर (कोरल ड्रा), इलेक्ट्रीशियन, सुपरवाईजर, ड्राईवर एवं माउंटर कार्य हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सी-15 ग्राउण्ड फ्लोर नारायण प्लाजा बिलासपुर 7024728674 (39385)

आवश्यकता है-दुकान में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार पता- 27खोली चौक मुंगेली रोड, बिलासपुर सम्पर्क करें- 9827901976, 87188 88555 (39359)

Requirment- We require CA, CA Articles, CMA. Accountants Address- Rupin Khanduja, Cross Road Business Park, 3rd Floor Opp. Mahadev Hospital, Vyapar Vihar Bilaspur Contact- 9827174659 (39372)

आवश्यकता है- Ocean कम्पनी में ऑफिस हेतु 18-28 वर्ष के लड़के, लड़कियां चाहिए योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट आय 10500 से 18000, रहना, खाना पता- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752 337082 (39365)

आवश्यकता है- रियल एस्टेट कम्पनी में कार्य का सुनहरा अवसर टेलीकॉलिंग हेतु लड़की, मार्केटिंग हेतु लड़को की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अम्बे कंस्ट्रक्शन AGFG चर्च के पास मोपका चौक बिलासपुर 7987236607, 78987 44079 (39379)

आवश्यकता है- संकटमोचन इंफ्रास्टेट सांवरिया ग्रीन सिटी TNC प्रोजेक्ट में टेलीकॉलिंग, साईड विजिट हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए टूव्हीलर अनिवार्य पेमेंट 10000+ कमीशन पता- सीएलसी प्लाजा के बाजू में मंगला चौक बिलासपुर 96176 07471 (39375)

आवश्यकता है- सिलपहरी स्थित कोल्ड स्टोर में एकाउन्ट कार्य के जानकार युवक एवं युवती की आवश्यकता है जिसे टैली में कार्य करने का अनुभव हो सम्पर्क करें- 9827115208 (39383)

आवश्यकता है- डेंटल क्लीनिक में काम करने हेतु लड़कियों की आवयश्कता है। सम्पर्क करें- शांति डेंटल केयर, गुरुद्वारा के पास मेन रोड दयालबंद, बिलासपुर 81095 18000 (39382)

आवश्यकता है- रायपुर, बलौदाबाजार, जांजगीर चांपा, कोरबा, रायगढ़ हेतु वेल्डर, कटर फिटर, गार्ड, इलेक्ट्रीशियन, हेल्पर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ड्राइवर, चपरासी स्टोरकीपर, सुपरवाईजर 5वीं- ग्रेजुएट वेतन 11000-30000 रहना फ्री सम्पर्क- नेहरू नगर बिलासपुर 8349248360 (39374)

आवश्यकता है- रिसेप्शनिस्ट (फीमेल), ईरिक्शा ड्राइवर, मार्केटिंग मैनेजर की तत्काल आवश्यकता है सम्पर्क करें- अग्रसेन चौक बिलासपुर अपना बायोडाटा भेजें 6263077177 (39361)

आवश्यकता है- ज्वैलरी शॉप में काम करने के लिए सेल्स मैन/ सेल्स गर्ल की आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्री शारदा ज्वेलर्स, सदर बाजार खपरगंज स्कूल रोड, बिलासपुर 9884486188, 9244547115 (39364)

आवश्यकता है- मंगला चौक, शुभम विहार, मिनोचा कॉलोनी, उसलापुर, नेचर सिटी, रामा लाइफ, आसमां सिटी में कामवाली बाई, खाना बनाने वाला कुक चाहिए। दैनिक अथवा मासिक विकल्प उपलब्ध। सम्पर्क करें- 91095 11248, 9244664654 (39368)

आवश्यकता है- मेस में सुबह देसी नाश्ता और शाम में चाइनीज आइटम बनाने हेतु कुक की अतिशीघ्र आवश्यकता है। सम्पर्क करें- पद्मावती भोजनालय ग्रीन गार्डन कॉलोनी के बगल में, मंगला बिलासपुर 957565 5055 (39363)

आवश्यकता है- युवक, युवती की बिलिंग- 2, ट्रैनी सेल्स एसोसिएट 2, सेल्स एसोसिएट- 2, रिसीविंग विभाग- 1, ड्राइवर- 1, मार्केटिंग विभाग- 2 की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शैल वस्त्रालय मसानगंज बिलासपुर 9238107105 (39366)

आवश्यकता है- लॉज में कार्य हेतु 10वीं पास, 28 से 40वर्ष के वेटर की आवश्यकता है ग्रामीणों को प्राथमिकता सम्पर्क करें- होटल शिवम अपोलो हास्पिटल के बाजू में लिंगियाडीह बिलासपुर 8839112590, 9301577993 (39367)

आवश्यकता है-एजेन्सी में सप्लाई हेतु छोटा हाथी ड्राइवर (सप्लायर) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- महावीर एजेन्सी MIG-45 नेहरू नगर बिलासपुर 9755885780, 9893056082 (3179)

आवश्यकता है- G.S सिक्योरिटी ,को रायपुर के लिए सिक्योरिटी गार्ड की सेलरी. 13000 से 14000, सुपरवाइजर,16000.17000, रहने की सुविधा फ्री EPF and ESIC लागू संपर्क करें - 9993335387 (6598)

आवश्यकता है-डिप्लोमा/ बीई मैकेनिकल इंजीनियर, आईटीआई फिटर, स्टोर कीपर (टैली अनुभवी) चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- रायपुर हाइड्रोलिक्स प्राइवेट लिमिटेड मेटल पार्क रायपुर Email- raipurhyd@gmail.com 8871739555 8770949941 (39358)

आवश्यकता है-किताब दुकान में कम्प्यूटर कार्य हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- विवेक बुक डिपो, गुरुद्वारा के पास मेन रोड दयालबंद बिलासपुर 9893378899 (39355)

आवश्यकता है- बिलासपुर गौरव पथ स्थित जिनदत्त साइंटिफिक एंड केमिकल्स दुकान में कार्य हेतु 10वीं, 12वीं पास, अंग्रेजी, विज्ञान, कम्प्यूटर जानकार लोकल लड़के लड़कियां चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 9827410308, 88398 00791 (39346)

आवश्यकता है- वेटर, सफाईकर्मी, बिजली मिस्त्री चाहिए वेतन 10000 ग्रामीणों को रहना, खाना निःशुल्क ओरिजनल आईडी सहित सम्पर्क करें- अग्रवाल लॉज खादिम शोरूम के पीछे गली में गोल बाजार बिलासपुर 9827940898, 9406390898 (39327)

आवश्यकता है-कम्प्यूटर ऑपरेटर-2, टेंडर कार्य, मार्केटिंग ऑफिसर 3, योग्यता MA/ MBA सुपरवाइजर- 15, सुरक्षागार्ड- 66, वेतन 13000- 10000/- सम्पर्क करें- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 77460 00019 (348)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड सिक्युरिटी सुपरवाइजर गनमैन फिल्ड ऑफिसर कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई। वेतन 8000-20000, आवास फ्री। पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जे.जे. हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 80852 33213, 8253010291, 8889 997826 (39295)

आवश्यकता है- ग्वालियर में ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं ग्रेजुएट अविवाहित लड़के चाहिए.वेतन 12000 + कमीशन + बोनस के साथ कमाए 15000-20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया का कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करे 9039470547 (520)

आवश्यकता है-दवाई दुकान में पिकर, चेकर, लोकल डिलीवरी, पैकर काम करने के लिए लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जगत फार्मा, होटल अजीत के पीछे, मेडिकल काम्प्लेक्स, तेलीपारा, बिलासपुर (39360)

आवश्यकता है-(1) सिविल साइट इंजीनियर, सुपरवाइजर (ऑटोकैड, स्ट्रक्चरल अनुभवी साइट चलाने योग्य) (2) ऑटोमैटिक कार हेतु अनुभवी लाइसेंसी, मेहनती, नशामुक्त ड्राइवर चाहिए अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी योग्यतानुसार। सम्पर्क करें- 9770770000, 98270 72000 (39304)

आवश्यकता है-शहर से बाहर ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 तक अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है योग्यता 10वी 12वी स्नातक वेतन- 12000 रहना खाना फ्री ट्रेनिंग के बाद कमाए 20 से 25 हजार महीना सम्पर्क करें- 8871422576, 99815 76163 (515)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु गर्ल्स एवं महिलाओं की आवश्यकता सैलरी 6,000 कमीशन +बोनस, एक्सपीरियंस 10,000 जॉब टाइम 10 से 5:30 पता साईं बाबा हॉस्पिटल के पास महाराणा प्रताप बिलासपुर कॉल 9109753599 (415)

आवश्यकता है- Realince Jio 5G कंपनी मे पार्ट टाईम/ फुल टाईम SMS करके लड़के, लड़कियां, गृहणियां कमाए घर बैठे 21500-45000 महिना लैपटॉप+ मोबाइल मुफ्त Whatsapp/ Call/ SMS करें- 7033485605 (1255)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

आवश्यकता है- स्पा के लिए गुड लुकिंग गर्ल की, अनुभवी मैनेजर एवं टेलीकॉलर, वेतन- 15,000 से 20,000 संपर्क करें पता बिलासपुर- 80858 99216 (416)

बेचना है

सर्वसुविधायुक्त जमीन (कृषि फार्म हाउस) तत्काल बिकाऊ है।
31 एकड़ फार्म हाऊस बिकाऊ है। 50 लाख की बंगला 3 ट्यूबबेल ट्रांसफार्मर राजमार्ग से 3 किलोमीटर दूर मेन रोड से लगा हुआ है पीछे नदी सर्व सुविधा युक्त फार्म हाउस कारखाना, हॉस्पिटल, विद्यालय, फैक्ट्री, खेती एवं कृषि कार्य हेतु कीमत 55लाख प्रति एकड़। ग्राम सिंघनपुरी तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा।
राजमार्ग से 1 किलोमीटर मेन रोड से लगा हुआ 55 एकड़ फार्म हाउस 50लाख रुपए का नव निर्मित घर पीछे नदी 9 बोर, ट्रांसफार्मर जमीन के अन्दर काटा तार से घिरा हुआ। सुज्जित फार्म हाउस 75लाख प्रति एकड़। पता अंधियारखोर, तहसील- नवागढ़, जिला- बेमेतरा।
खरीददार व्यक्ति ही सम्पर्क करें- जय महाकाल प्रापर्टी डिलिंग पण्डित चौक, कुण्डा रोड, तालम सैतमा, जिला मुंगेली 9238210014
दलाल सम्पर्क ना करें तुरन्त रजिस्ट्री सामान्य ब्राह्मण

बेचना है-40×75=3000 पश्चिम मुखी 25फिट रोड में पुराना मकान टिपटॉप बना। जैन हॉस्टल गली, विनोबा नगर में जमीन की कीमत में बेचना है कीमत 4500/- फुट सम्पर्क- 9131242092, 9827938236 (39354)

बेचना है- बिलासपुर व्यापार विहार गैस गोदाम रोड में 54×81 रकबा 4374 वर्गफुट एवं रतनपुर रोड स्थित सांई माया में प्लाट नम्बर 216 रकबा 1500 वर्गफुट प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 9826150015 (39369)

बेचना है- नगर निगम बिलासपुर में बहतराई ब्रिलिएंट पब्लिक के पास आपका आदिवासी प्लाट लेने का सपना होगा साकार सस्ते, किफायती दर पर आदिवासी एवं सामान्य प्लाट उपलब्ध है सम्पर्क करें- 9340387167 (39371)

बेचना है- सर्वमंगला पेट्रोल पम्प के पीछे आशा नगर उस्लापुर में डाइवर्टेड नक्शा पास डबल स्टोरी का भूमि 60×50 में 60फुट उत्तर मुखी फ्रंट (25फीट सीमेन्ट रोड पर) बेचना है सम्पर्क- 93003 33519 (39362)

बेचना है- बिलासपुर मसानगंज में स्थित 6BHK का नवनिर्मित मकान, गीतांजलि सिटी फेस-2 के बगल में नया 2BHK मकान, कोटा मेन रोड में 2 एकड़ कमर्शियल प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 78988 55268 (39297)

Medicare Specialists
इसे जरूर पढ़िये और समझिये
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।
गुप्त रोगी स्वयं मिले
शादी से घबराहट गुप्त रोग
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
सुविख्यात चिकित्सक डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल (फार्मा साईटिस्ट)
मो.- 94255-55659 96177-89223, 93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8
घर बैठे मंगवायें। लाभ नहीं तो पैसे वापिस।
8515825081 9083218330
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाउस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

बेचना है-हर्षफिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड49 बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 2/3/4BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफोर्डेबल फ्लैट टाउनकंट्री रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (38649)

बेचना है- बिलासपुर न्यू बस स्टैण्ड तिफरा से 5मिनट दूरी पर यदुनन्दन नगर में डबल स्टोरी 3 बेडरूम 2हाल, नया मकान लाल ईट मॉड्यूलर किचन फाल सीलिंग कीमत 41लाख सम्पर्क करें- 9039247811 (39381)

बेचना है- रायपुर बिलासपुर हाइवे एवं तिफरा हाईटेक बस स्टैण्ड से 5 मिनट की दूरी पर यदुनन्दन नगर में ट्रिपल रोड, कार्नर का 2400 वर्गफिट TNC जमीन बेचना है सम्पर्क करें- 7987166040 (39380)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

बेचना है- शुभम विहार सन सिटी मार्ग डबल रोड में स्थित सर्वसुविधा युक्त मकान प्रथम प्रथम तल भूतल पर चार दुकान स्वयं का बोर किया हुआ शीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 77730 30301 (39373)

किराया

किराया- मध्यनगरी चौक बिलासपुर में स्थित सर्व सुविधा युक्त तीन मंजिला बिल्डिंग परिसर नर्सिंग होम, बैंक, कोचिंग, व्यावसायिक उपयोग हेतु किराए से देना है सम्पर्क करें- 9329506080 (39377)

किराया-महाराणा प्रताप चौक, नगर निगम कॉलोनी में सेकेण्ड फ्लोर में 1BHK, थर्ड फ्लोर में 1BHK मकान ऑफिस एवं रहने के लिए किराए से देना है सम्पर्क करें- 9424145652 (39352)

फाइनेन्स

फाइनेन्स-राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा सभी प्रकार के लोन, बिजनेस, मार्क शीट, आधार कार्ड, प्रॉपर्टी, कृषि, होम लोन 1% सालाना ब्याज व 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करे, नोट- धोखेबाजों से सावधान हेड ऑफिस लोन डिपार्टमेंट हेल्प लाइन नम्बर- 98170 98991, 9817098991 (412)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

लियोनल मेसी के साथ फोटो खिंचवाना हो तो चुकाने पड़ेंगे 10 लाख रुपए

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी लियोनल मेसी के प्रशंसक विश्व भर में मौजूद हैं। वह 13 दिसंबर को हैदराबाद में आएंगे, जहां उन्हें कुछ खास कार्यक्रमों में हिस्सा लेना है। भारत में मौजूद उनके प्रशंसकों के पास इस फुटबॉल दिग्गज के साथ फोटो खिंचवाने का सुनहरा मौका मिलेगा, लेकिन इसके लिए उन्हें अपनी जेब से लगभग 10 लाख रुपये खर्च करने होंगे।

फलकनुमा पैलेस में खिंचवाए जाएंगे फोटो मेसी के शनिवार की शाम 4 बजे हैदराबाद पहुंचने की उम्मीद है,

शनिवार की शाम 4 बजे हैदराबाद पहुंचने की उम्मीद

जिसके बाद वह उप्पल स्टेडियम जाएंगे, जहां शाम 7 बजे से कार्यक्रम शुरू होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, मेसी के साथ फोटो खिंचाने के लिए 9.95 लाख रुपये और जीएसटी भी चुकाने होंगे। इस अनुभव के लिए सिर्फ 100 स्लॉट उपलब्ध हैं। यह प्रीमियम फोटो फलकनुमा पैलेस में खिंचवाएं जाएंगे और इसके लिए टिकट डिसट्रिक्ट ऐप के जरिए बेचे जा रहे हैं।

फाइल फोटो

स्टेडियम में लगभग 1 घंटे समय बिताएंगे मेसी

गॉट टूर हैदराबाद की एडवाइजर परवती रेड्डी के अनुसार, स्टेडियम प्रोग्राम के लिए सभी टिकट कैटेगरी डिसट्रिक्ट ऐप के माध्यम से उपलब्ध हैं। उन्होंने जानकारी दी है कि कोई क्रिकेटर आमंत्रित नहीं किए गए हैं और शाम में एक संगीतमय कॉन्सर्ट भी शामिल होगा।मेसी में स्टेडियम में लगभग एक घंटे रुकने की उम्मीद है और रविवार को मुंबई के लिए रवाना होने से पहले वह हैदराबाद में ही रात बिताएंगे।

मेसी के साथ सुआरेज और रोड्रिगो भी होंगे शामिल

मेसी के साथ अर्जेंटीना के स्टार रोड्रिगो डी पॉल और उरुग्वे के स्ट्राइकर लुइस सुआरेज भी हैदराबाद में कार्यक्रम में शामिल होंगे। स्टेडियम इवेंट 20 मिनट के प्रदर्शनी मैच से शुरू होगा, जिसमें सिंगारेणी आरआर-9 और अपर्णा मेसी ऑल स्टार्स के बीच मुकाबला होगा। इस प्रदर्शनी मैच में कुछ युवा फुटबॉल खिलाड़ियों को मेसी के सामने खेलने का सौभाग्य मिलेगा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी मैच के आखिरी 5 मिनट में शामिल होंगे।

सबसे ज्यादा बार बेलोन डी'ओर का खिताब जीतने वाले खिलाड़ी

मेसी सबसे ज्यादा बार बेलोन डी'ओर जीतने वाले खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने 2009, 2010, 2011, 2012, 2015, 2019, 2021 और 2023 में यह खिताब जीता था। दूसरे स्थान पर क्रिस्टियानो रोनाल्डो (5 बार) हैं। उन्होंने 2008, 2013, 2014, 2016 और 2017 में यह खिताब अपने नाम किया था। तीसरे स्थान पर फ्रांस के माइकल प्लैटिनी हैं। उन्होंने साल 1983, 1984 और 1985 में यह खिताब जीता था। मेसी लगातार 4 बार यह खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी थे।

खबर संक्षेप

वुमैंस लीग फुटबॉल का 20 से कोलकाता में आगाज

नई दिल्ली। इंडियन वुमैंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट 20 दिसंबर से कोलकाता के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा। इसके पहले मैच में सेथु एफसी का मुकाबला किकस्टार्ट एफसी से होगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने गुरुवार को घोषणा की कि आईडब्ल्यूएल दो चरणों में खेला जाएगा। इसका पहला चरण 20 दिसंबर से नौ जनवरी 2026 तक चलेगा। इस दौरान आठ टीमें 28 मैच खेलेंगी। कोलकाता स्थित एनसीओई और कल्याणी स्थित कल्याणी म्युनिसिपल स्टेडियम लीग के मैच खेले जाएंगे।दूसरा चरण 20 अप्रैल से 10 मई तक आईडब्ल्यूएल का दूसरा चरण 20 अप्रैल से 10 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा जिससे सीनियर और अंडर20 महिला राष्ट्रीय टीमों के लिए खिलाड़ियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी। भारत की यह दोनों टीम अपनी अपनी श्रेणियों में अगले साल एएफसी महिला एशियाई कप में भाग लेंगी।

करणदीप ने दुबई में पहला आईजीपीएल खिताब जीता

दुबई। करणदीप कोच्चर ने यहां आईजीपीएल आमंत्रण यूएई गोल्फ टूर्नामेंट में लगातार तीसरे दौर में तीन अंडर 69 के स्कोर से अपना पहला आईजीपीएल खिताब जीता। कोच्चर का कुल स्कोर नौ अंडर रहा। उन्होंने युवा वीर गणपति और पुखराज सिंह को पछाड़ा। आईजीपीएल आमंत्रण कोलकाता में उप विजेता रहे कोच्चर ने आईजीपीएल के पहले सत्र में 10वें टूर्नामेंट में पहली खिताबी जीत दर्ज की। गणपति अंतिम दौर में पार 72 के स्कोर से कोच्चर से एक शॉट पीछे रहे। पुखराज भी उनके साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। दोनों का कुल स्कोर आठ अंडर रहा। आईजीपीएल मुंबई में खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली प्रणवी उर्स (71) कुल सात अंडर के स्कोर से चौथे स्थान पर रहीं।

पैरा खेलों में तैराक अब्दुल इंदौरी ने दो स्वर्ण पदक जीते

दुबई। भारतीय तैराक अब्दुल कादिर इंदौरी ने यहां एशियाई युवा पैरा खेलों के पहले दिन 50 मीटर बटरफ्लाई और 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इंदौरी ने बेहतरीन खेल और अपने इरादे से पूल में दबदबा बनाया। इस प्रदर्शन से वह बुधवार को दो बार पोडियम पर शीर्ष पर रहे। एशियाई युवा पैरा खेलों का उद्घाटन समारोह भी बुधवार को बड़े उत्साह, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अलग-अलग एशियाई देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले युवा पैरा खिलाड़ियों की भागीदारी के साथ आयोजित किया गया।

बीसीसीआई की 22 दिसंबर की बैठक में होगा निर्णय

रोहित और कोहली का होगा डिमोशन सैलरी में होगी 2 करोड़ की कटौती...!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रोहित शर्मा और विराट कोहली की सालाना सैलेरी में 2 करोड़ रुपये की कटौती हो सकती है। दरअसल, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड 22 दिसंबर को अपनी 31वीं सालाना आम बैठक करेगा। इस साल सबसे बड़ी चर्चा का विषय विराट कोहली और रोहित शर्मा के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट हैं।

माना जा रहा है कि रोहित-विराट के ग्रेड में डिमोशन हो सकता है। मतलब उन्हें ए+ ग्रेड से ए ग्रेड में डाला जा सकता है, जिसकी असर उन्हें मिलने वाली सालाना सैलरी पर भी पड़ता दिखेगा। बता दें पिछले एक साल में दोनों दिग्गजों ने टेस्ट और T20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और अब वे सिर्फ वनडे खेलते हैं।

क्या कोहली और रोहित अपने ए+ कॉन्ट्रैक्ट खो देंगे?

वर्ष 2024-25 के कॉन्ट्रैक्ट साइकिल में कोहली और रोहित को जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा के साथ ए+ कैटेगरी में रखा गया था। लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक,बीसीसीआई अब उनके कम फॉर्मेट में खेलने की वजह से उनके ग्रेड में बदलाव कर सकता है।

ए+ ग्रेड में रहने वाले खिलाड़ियों की सैलरी

बीसीसीआई सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट के तहत ए+ ग्रेड में रहने वाले खिलाड़ियों 7 करोड़ रुपये सालाना सैलरी मिलती है, जो कि अभी रोहित और विराट को मिल रही है। अगर वो संशोधन के बाद A ग्रेड में आते हैं तो फिर उनकी सैलरी 5 करोड़ रुपये हो जाएगी, जो कि इस ग्रेड के खिलाड़ियों को मिलती है। चूंकि दोनों सुपरस्टार अब टेस्ट या टी20 नहीं खेल रहे हैं, इसलिए यह संभावना कम है कि वे ए+ कैटेगरी में बने रहेंगे। इस बदलाव से जिस खिलाड़ी को फायदा हो सकता है, वह हैं शुभमन गिल, जो अभी टेस्ट और वनडे के कप्तान हैं। अभी ए कैटेगरी में मौजूद गिल का यह साल काफी अच्छा रहा है। उन्होंने कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली है और सभी फॉर्मेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। नतीजतन, उन्हें ए+ में प्रमोशन के लिए सबसे आगे माना जा रहा है। बुमराह और जडेजा से भी उम्मीद है कि वे अपना ए+ स्टेटस बनाए रखेंगे।

शानदार बल्लेबाजी कर रहे रोहित-कोहली

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में कोहली ने 3 पारियों में 151.00 की औसत के साथ सर्वाधिक 302 रन बनाए, जिसमें 2 शतक शामिल हैं। उन्होंने 1 अर्धशतक भी लगाया। उनके स्कोर 65*, 102 और 135 रन रहे थे। उनके अब 773 रेटिंग अंक हो गए हैं। वहीं भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा शीर्ष पायदान पर बने हुए हैं। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित के 781 रेटिंग अंक हैं। उन्होंने पिछली

कोहली और रोहित वनडे रैंकिंग में रहे टॉप -2 पर

नई दिल्ली। साल 2025 में भारतीय क्रिकेट टीम अपना आखिरी वनडे मैच खेल चुकी है। अन्य प्रमुख टीमें भी इस साल के अपने वनडे मुकाबले समाप्त कर चुकी हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने हाल ही में वनडे रैंकिंग जारी की थी, जिसमें रोहित के (781) और कोहली (773) अंक है। वनडे सीरीज में शानदार बल्लेबाजी कर विराट कोहली दूसरे स्थान पर पहुंचे और रोहित शर्मा पर बरकरार रहे। इस बीच उन वर्षों के बारे में जानते हैं, जिसके अंत में रोहित और कोहली शीर्ष-2 बल्लेबाजों में शुमार रहे।

कोहली-रोहित वर्ष 2018

साल 2018 के अंत में कोहली 899 रेटिंग अंक के साथ नंबर-1 बल्लेबाज रहे थे, जबकि रोहित 871 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। उस साल कोहली सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। उन्होंने 14 पारियों में 133.55 की औसत और 102.55 की स्ट्राइक रेट के साथ 1,202 रन बनाए थे। रोहित ने 19 पारियों में 73.57 की औसत के साथ 1,030 रन बनाए थे। कोहली ने 6 और रोहित ने 5 शतक लगाए थे।

वर्ष 2019 - कोहली 887, रोहित 873 अंक

वर्ष 2019 के अंत में भी कोहली ने शीर्ष स्थान पर और रोहित दूसरे स्थान पर रहे थे। उस साल रोहित सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। उन्होंने 27 पारियों में 57.30 की औसत और 89.92 की स्ट्राइक रेट के साथ 1,490 रन बनाए थे। उन्होंने विश्व कप 2019 में भी सर्वाधिक 648 रन बनाए थे। कोहली ने 25 पारियों में 59.86 की औसत 96.36 की स्ट्राइक रेट से 1,377 रन बनाए थे।

टी20 सीरीज

श्रीलंका के खिलाफ भारत कमान संभालेंगी हरमनप्रीत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

श्रीलंका के खिलाफ 21 दिसंबर से शुरू होने जा रही पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम की घोषणा हुई। महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में मैच जिताऊ पारी खेलने वालीं शेफाली को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एक बयान में कहा, "महिला चयन समिति ने श्रीलंका महिला टीम के खिलाफ आगामी पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम चुन ली है।" हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में स्मृति मंधाना टीम की उपकप्तान होंगी। इस टीम में जी कमलिनी और वैष्णवी शर्मा को भी मौका दिया गया है। दोनों ने अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप में खेला था।

भारत की टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिगेज, शेफाली वर्मा, हरलीन देओल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

न्यू चंडीगढ़ स्टेडियम में युवराज-हरमनप्रीत के नाम पर स्टैंड

मुल्लांपुर। विश्व कप विजेता क्रिकेटर युवराज सिंह और हरमनप्रीत कौर के सम्मान में बृहस्पतिवार को न्यू चंडीगढ़ स्टेडियम के दो स्टैंड उनके नाम पर किए गए। वनडे विश्व कप 2011 के 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' रहे युवराज और भारत को हाल में पहला महिला विश्व कप दिलाने वाली कप्तान हरमनप्रीत इस मौके पर अपने परिवार, दोस्तों के साथ थे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी इस मौके पर मौजूद थे। स्टेडियम में युवराज के पूर्व साथी हरभजन सिंह के नाम पर पहले से एक पवेलियन है और अब बृहस्पतिवार को साइटस्क्रीन के दूसरी तरफ हरमनप्रीत के नाम का स्टैंड भी शामिल हो गया।

घरेलू मैदान में भारत की सबसे बड़ी हार, अफ्रीका ने 51 रन से हराकर सीरीज की बराबर

मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़)। दक्षिण अफ्रीका ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक (90 रन) की धमाकेदार अर्धशतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर को यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत को 51 रन से हराकर पांच मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। यह रन के लिहाज से भारत की घर में सबसे बड़ी हार है। भारतीय टीम मुल्लांपुर स्टेडियम में पहला इंटरनेशनल मैच खेल रही थी। टीम को पहले ही मैच में करारी हार झेलनी पड़ी है। तीसरा मैच 14 दिसंबर को धर्मशाला में खेला जाएगा।

- पांच मैचों की टी-20 सीरीज में दोनों टीमों ने जीते 1-1 मैच,
- साउथ अफ्रीका ने इससे पहले 2022 में इंदौर में हराया था 49 रन से
- भारतीय टीम मुल्लांपुर स्टेडियम में हुए पहले इंटरनेशनल मैच में हारी

दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों को धोया

गेंगुरुवार को मुल्लांपुर में इंडिया ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी, लेकिन गेंदबाज इसका फायदा नहीं उठा सके। अर्शदीप-बुमराह ने खूब रन लुटाए। साउथ अफ्रीका ने 213 रन का स्कोर बनाया। क्विंटन डी कॉक ने 46 गेंद पर 90 रन बनाए। आखिर में डेनोवान फरेरा (नाबाद 30 रन) ने डेविड मिलर (नाबाद 20 रन) के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप करके स्कोर 200 पार पहुंचा दिया।

भारतीय टीम शुरुआत से ही रही लचर

जवाब में भारत की शुरुआत खराब रही। टीम ने पावरप्ले में 3 विकेट गंवा दिए थे। शुभमन गिल जीरो, अभिषेक शर्मा 17 और कप्तान सूर्यकुमार यादव 5 रन बनाकर आउट हुए।

आईसीसी ने किया ऐलान

टी-20 विश्व कप के टिकट सिर्फ 100 रु से होंगे शुरू

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप 2026 का आयोजन भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने जा रहा है। 7 फरवरी से इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के मुताबिक, गुरुवार 11 दिसंबर से ऑनलाइन टिकट बेचे जाना शुरू हो गए हैं। दिलचस्प रूप से जिन मैचों में भारतीय टीम शामिल नहीं होगी, उन मैचों के सबसे सस्ते टिकट 100 रुपये के होंगे।

International Cricket Council

क्या बोले सचिव देवजीत सैकिया

भारत में टिकटों की कीमत 100 रुपये और श्रीलंका में 1000 (श्रीलंकाई रुपया) से शुरू हो रही है। 20 लाख से ज्यादा टिकट बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। बीसीसीआई के मानद सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, सिर्फ 100 रुपये से शुरू होने वाले टिकटों के साथ, टी-20 विश्व कप 2026 को लेकर उत्साह कई गुना बढ़ गया है। हम मैच के अनुभवों को विश्व स्तरीय बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

केंद्रीय सरकारी कर्मचारी कल्याण आवास संगठन
(भारत सरकार के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय)
9वीं मंजिल, 'बी' विंग, जनपथ भवन, जनपथ, नई दिल्ली-110 001
फ्रोन: 011-23717249/23355408, ईमेल: cgewho@nic.in, वेबसाइट: www.cgewho.in

मांग सर्वेक्षण

निम्नलिखित स्थानों के लिए मांग सर्वेक्षण की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 तक बढ़ा दी गई है:

कोलकाता (पश्चिम बंगाल), रायपुर (छत्तीसगढ़), पुडुचेरी, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) और लुधियाना (पंजाब)

आवेदन कैसे करें:

* विवरण, नियम और शर्तें तथा आवेदन पत्र डाउनलोड करने के लिए CGEWHO की वेबसाइट 'www.cgewho.in' पर जाएं।

किसी भी जानकारी के लिए, आप निम्नलिखित व्यक्तियों से संपर्क कर सकते हैं:

श्री रोशन किशोर, (मोबाइल): 9560022232
श्री नितिश गर्ग, (मोबाइल): 8826461114

सीजीईडब्ल्यूएचओ के सीईओ के पास बिना कोई कारण बताए योजना या मांग सर्वेक्षण को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी
सीजीईडब्ल्यूएचओ

cbc 20105/12/0014/2526

पश्चिम मध्य रेल
ई-निविदा सूचना संख्या DY-CE-C-KURJ-06-2025, दिनांक 08.12.2025

उप मुख्य अभियंता/निर्माण/पश्चिम मध्य रेल/खजुराहो, भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदायें आमंत्रित करते है। कार्य का नाम लोकेशन सहितः वर्क फॉर कंस्ट्रक्शन ऑफ स्टेशन बिल्डिंगस, क्वार्टरस, प्लेटफॉर्मस, सरकुलेटिंग ऐरिया, सी ओ पी एंड एफ ओ बी बिटवीन बाराखेरा एंड अजयगढ़ स्टेशन ऑफ पन्ना-खजुराहो सेक्शन ऑफ ललितपुर-सिंगरौली न्यू बीजी रेल लाइन प्रोजेक्ट। निविदा का अनुमानित मूल्यः ₹ 92.24 करोड़। बयाना राशिः ₹ 47,62,100/-. निविदा खुलने की तिथिः 31.12.2025 (15.00 Hrs.). कार्य समापन अवधिः 18 माह। ई-निविदा का संपूर्ण विवरण वेबसाइट IREPS (www.ireps.gov.in) पर देखा जा सकता है एवं उप मुख्य अभियंता/निर्माण/पश्चिम मध्य रेल/खजुराहो के कार्यालय के सूचना पट पर भी उपलब्ध है। ई-निविदा के अलावा और कोई निविदा मान्य नहीं है। निविदाकार वेबसाइट को निविदा खुलने की तिथि तक लगातार देखते रहे ताकि यदि कोई शुध्दिपत्र है तो उसकी जानकारी हो सके।

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)
(छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल की उत्तरवर्ती कंपनी)

बिजली बंद की सूचना

सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है, कि 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र खड़गांव में स्थापित पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता 3.15 एम.व्ही.ए को बढ़ा कर 5 एम.व्ही.ए उच्च क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर दिनांक 12.12.2025 दिन शुक्रवार को लगना प्रस्तावित है, जिसके कारण खड़गांव, जामकानी, गुतुरमा एवं प्रतापगढ़ उपकेन्द्र से निकलने वाले समस्त 11 के.व्ही. फीडर की विद्युत आपूर्ति दिनांक 12.12.2025 दिन शुकवार समय प्रात: 9:00 बजे से शाम 07:00 बजे तक बंद रहेगी।
सम्माननीय उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिए खेद है।
नोट:- आवश्यकतानुसार समयावधि घटाई या बढ़ाई जा सकती है।
स्वहित एवं राष्ट्रहित में उर्जा बचाएँ
''विद्युत चोरी दण्डनीय अपराध है''

कार्यपालन यंत्री (स/सं) संभाग
छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लिमि.अंबिकापुर

पंजाब नैशनल बैंक
आस्ति वसूली प्रबंधन शाखा, रायपुर (छ.ग.)

ई-नीलामी तिथि - 12.01.2026
समय: सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक

सरफेसी अधिनियम 2002 (2002 का अधिनियम 54) के अन्तर्गत बैंक में बंधक रखी गई अचल संपत्ति की बिक्री
APPENDIX-IV-A [See proviso to rule 8(6)]

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पूर्ननिर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अचल संपत्तियों की ई-निलामी सूचना सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के तहत जारी की जा रही है। इस सूचना के द्वारा उधारकर्ताओं, जमानतदाताओं तथा आम जनता को सूचित किया जाता है। कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियाँ सुरक्षित लेनदार के पास बंधक है एवं इन संपत्तियों को बैंक के प्रधिकृत अधिकारी द्वारा रचनात्मक/भौतिक /साकेतिक द्वारा अधिकार में ले लिया गया है। इन संपत्तियो की विक्रय "जहॉ है जैसा है" जो भी है जैसा भी है" नीचे दिये कॉलामो में वर्णित तिथि में बैंक/सुरक्षित लेनदार के देय राशि उधारकर्ताओं तथा जमानतदारो से वसुली के लिए किया जा रहे है। आरक्षित मूल्य तथा ब्याना राशि नीचे तालिका में संपत्तियों के समस्त दर्शाई गई है।

सुरक्षित संपत्तियों की अनुसुची

क्र.	खाताधारक का नाम / उधारकर्ता / जमानतदार का नाम व पता / शाखा का नाम	बंधक चल/अचल संपत्तियों का विवरण / मालिक का नाम	1) 13(2) के तहत डिमांड नोटिस की तिथि 2) बकाया राशि 3) कब्जा तिथि सरफेसी एक्ट 2002 के नियम 13(4) के तहत 4) कब्जा की प्रकृति		आरक्षित मूल्य (लाख में) / ईएमडी (लाख में) / बोली वृद्धि राशि-10000/- प्रत्येक संपति के लिये
1	उधारकर्ता- मेसर्स दादी पिलाशन धान प्रसंस्करण मिल, प्रोप / बंधककर्ता- श्रीमती ममता गुप्ता पति राजकुमार गुप्ता. जमानतदार / बंधककर्ता- श्री राजकुमार गुप्ता पिता नेतराम गुप्ता एवं श्रीमती सुमन बोंदिया पति श्री. साजन बोंदिया. शाखा- बीडीए, संपर्क: वसूली अधिकारी: श्री अविनाश तिग्गा, 9630007487	संपति क्रमांक1) खसरा नं. - 161/205/3/2 (161/205/3 का भाग) प. ह नं. - 13, डीड नं. -2675, दिनांक - 16/12/2011, बैकुंठपुर, रायगढ़ में क्षेत्रफल- 9200 वर्गफीट पर स्थित भवन, मालिकाना हक - श्रीमती ममता गुप्ता पति श्री राजकुमार गुप्ता। भौगोलिक निर्देशांक- 21.9036905574793, 83.38471904397011	1) 18.05.2023 2) रू 4,13,90,662.24 + दिनांक 18.05.2023 से ब्याज प्रभावी 3) 26.09.23 को सांकेतिक कब्जा	संपत्ति- 1 के लिए	रू 81.97 लाख / रू 8.19 लाख
		संपति क्रमांक 2) खसरा नंबर - 161/205/3/3 (161/205/3 का भाग), प. ह. नंबर - 13, डीड नंबर -2659, दिनांक - 16/12/2011, बैकुंठपुर, रायगढ़ में क्षेत्रफल- 8600 वर्गफीट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक - श्रीमती सुमन बोंदिया पति श्री साजन कुमार बोंदिया। भौगोलिक निर्देशांक- 21.90415374485518, 83.38492456823587		संपत्ति- 2 के लिए	रू 76.63 लाख / रू 7.66 लाख
	संपत्ति क्रमांक 3) संपत्ति एवं प्लांट व मशीनरी - खसरा नंबर- 409 एवं 410, बारपाली, प. ह नंबर- 13, आरआईसी सरिया, बारपाली, बारामकेला, रायगढ़ में क्षेत्रफल- 50960.52वर्गफीट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक -मेसर्स दादी पिलाशन पैडी प्रोसेसिंग मिल, प्रोप.- श्री ममता गुप्ता पति श्री राजकुमार गुप्ता। भौगोलिक निर्देशांक- 21.612245760485294 ,83.32459330558777			संपत्ति-3 के लिए	रू 210.58 लाख / रू 21.05 लाख

अधिक विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें : श्री कलिन्द्र साहू- 9412956480, श्री संजय कुमार बिस्वाल- 9437666379 - एआरएमबी, रायपुर, दूरभाष क्र. - 0771-2210433/35

नोट:- 1) कृपया अमानत राशि जमा करने से पूर्व प्रॉपर्टी से जुड़े सभी दस्तावेजों की पड़ताल सुनिश्चित करें
2) उपरोक्त सभी अचल संपत्तियों से संबंधित सभी सरकारी कार्यालयों का लंबित बकाया (संपत्ति, पानी, बिजली आदि) खर्च क्रेता द्वारा वहन किया जाएगा

महत्वपूर्ण नोट:- 1. नीलामी बिक्री "ई-नीलामी" पोर्टल https://baanknet.com के माध्यम से ऑनलाइन होगी. 2. इच्छुक बोलीदाताओं/खरीदारों से अनुरोध है कि वे अपने मोबाइल नंबर और ईमेल-आईडी का उपयोग करके पोर्टल (https://baanknet.com) पर पंजीकरण करें। इसके अलावा, उनसे अपेक्षित केवाईसी दस्तावेज अपलोड करने का अनुरोध किया जाता है। एक बार जब केवाईसी दस्तावेज़ ई-नीलामी सेवा प्रदाता द्वारा सत्यापित हो जाते हैं (जिसमे 2 कार्य दिवस लग सकते हैं), इच्छुक बोलीदाताओं/खरीदारों को संख्या क्र. 1 के लिए ई-नीलामी तिथि- 12/01/2026 व समय सुबह 11.00 बजे से पहले पोर्टल पर अपने ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ऑनलाइन मोड का उपयोग करके ईएमडी राशि हस्तांतरित करनी होगी। पंजीकरण, केवाईसी दस्तावेजों का सत्यापन और वॉलेट में ईएमडी का हस्तांतरण नीलामी की तारीख से पहले ही पूरा किया जाना चाहिए। नियम और शर्तें- बिक्री सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 में निर्धारित नियमों व शर्तों और निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी:- 1. संपत्तियों को "जैसा है जहां है" और "जैसा है जो है" और "जो कुछ भी है" के आधार पर बेचा जा रहा है। 2. यहां ऊपर अनुसूची में निर्दिष्ट सुरक्षित संपत्तियों का विवरण प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार बताया गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी इस उद्घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत विवरण या चूक के लिए जवाबदेह नहीं होगा। 3. संपत्ति की बिक्री संख्या क्र. 1 के लिए ई-नीलामी तिथि- 12/01/2026 व समय सुबह 11.00 बजे वेबसाइट https://baanknet.com पर उपलब्ध ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी द्वारा की जाएगी। बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए, कृपया https://baanknet.com एवं www.pnbindia.in देखें .इस नीलामी के अंग्रजी में जानकारी के लिए The Hitvada दिनांक 12.12.2025 में प्रकाशित समाचार पत्र देखें। किसी भी विवाद की स्थिति में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा.

नोट:- इच्छुक बोलीकर्ता को यूजर आई-डी व पासवर्ड स्वंय बाना हैं। जिसे बनाने में न्युनतम 2 दिन का समय लगता हं। अतः बोलीकर्ता से निवेदन हं कि यूजर आई-डी अंतिम तिथी से पूर्व ही बना ले।

दिनांक: 12.12.2025, स्थान: रायपुर — प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक, सुरक्षित लेनदार

पृथ्वी की भी है विशाल पूंछ! 20 लाख किमी तक स्पेस में फैली

वॉशिंगटन। आमतौर पर देखा जाए तो लोग धूमकेतु या कुछ ग्रहों की पूंछ के बारे में सुनते रहते हैं, लेकिन हालिया रिसर्च में यह सामने आया है कि हमारी पृथ्वी की भी एक लंबी प्लाज्मा टेल है, जोकि स्पेस में लगातर बहती रहती है और दिखाई नहीं देती है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि हमारी पृथ्वी के पीछे की तरफ, या कहें तो रात वाले हिस्से में एक लंबी टेल मौजूद है। यह मैग्नेटोटेल लगभग 20 लाख किलोमीटर तक अंतरिक्ष में फैल सकती है। यह पूंछ पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र और सूर्य से आने वाली सोलर विंड की वजह से बनती है।

पृथ्वी की पूंछ कैसे बनती है?

नासा के मुताबिक बुध ग्रह की पूंछ उसके सोडियम वायुमंडल से बनती है जो सूर्य के पास जाकर चमकने लगता है। पृथ्वी की टेल का कारण उसका मैग्नेटिक एरिया है। हमारी धरती के चारों ओर एक विशाल चुंबकीय कवच मैग्नेटोस्फियर फैला हुआ है, इससे सोलर विंड (सूर्य से आने वाली तेज आवेशित गैसें) से हमें बचाता है। यही चुंबकीय ढाल अंतरिक्ष में फैले प्लाज्मा को भी अपनी पकड़ में रखती है।

नासा के वैज्ञानिकों ने किया बड़ा खुलासा

रात के हिस्से में क्यों दिखाई देती है टेल?

यह पूंछ पृथ्वी के डार्क साइड यानी रात वाले हिस्से में बनती है क्योंकि दिन की तरफ चुंबकीय क्षेत्र सूर्य की हवा से दब जाता है और रात की तरफ वह खिंचकर लंबा हो जाता है। इसलिए पृथ्वी की मैग्नेटोटेल हर समय मौजूद रहती है, लेकिन दिखाई नहीं देती क्योंकि यह पूरी तरह प्लाज्मा से बनी होती है।

कितनी लंबी है पृथ्वी की मैग्नेटोटेल?

वैज्ञानिकों बताते है कि सटीक लंबाई पता नहीं है लेकिन यह कम से कम दो मिलियन किलोमीटर यानी 20 लाख किलोमीटर तक अंतरिक्ष में फैली हुई है। यह बहुत बड़ी और लगातार फैलती रहने वाली बनावट है, जो पृथ्वी को अंतरिक्ष के खतरों से बचाने में अहम भूमिका निभाती है।

पृथ्वी की मैग्नेटोटेल प्लाज्मा कैसे बनाता है?

सूरज से आने वाली सोलर विंड पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को धक्का देती है। इससे दिन की तरफ का हिस्सा दब जाता है और रात की तरफ लंबा खिंचता हुआ हिस्सा बन जाता है जैसे बारिश की बूंद का आगे का हिस्सा और गिरते वक्त उसकी पूंछ बनती है। इसी खिंचाव में फंसा प्लाज्मा अंतरिक्ष की ओर बहता है और लाखों किलोमीटर लंबी मैग्नेटोटेल बना देता है। नासा इसे रक्त प्लाज्मा कहता है।

अंतरिक्ष से घटी थी ऐसी विचित्र घटना

राजस्थान में 650 करोड़ साल पहले क्या हुआ था, जब नहीं थे इंसान

जयपुर। कल्पना कीजिए... 650 करोड़ साल पहले की रात. धरती पर न इंसान था, न उसकी कोई सभ्यता. अचानक, अंतरिक्ष की गहराइयों से एक विशालकाय वस्तु तेजी से हमारे ग्रह की ओर बढ़ी और राजस्थान के बारां जिले से टकराई। हालांकि, उस समय राजस्थान का कोई अस्तित्व नहीं था। यह सिर्फ एक टक्कर नहीं थी; यह था एक ऐसा प्रहार जिसने जमीन के सीने में 3.5 किलोमीटर चौड़ा एक घाव बना दिया, जो आज भी भारत के सबसे बड़े रहस्यों में से एक है-रामगढ़ क्रेटर! यह घटना इतनी प्राचीन है कि इसे मानव इतिहास नहीं, बल्कि पृथ्वी का इतिहास दर्ज करता है। यह क्रेटर अब भारत का पहला 'अधिसूचित भू-विरासत स्थल' है, लेकिन इसके भीतर जो रहस्य दफन हैं, वे सिर्फ भूविज्ञान की किताबों तक सीमित नहीं है।

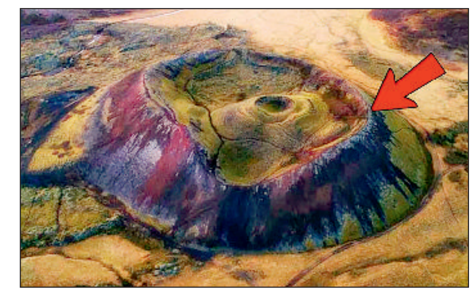

अंतरिक्ष का वो वार- एक झील, दो स्वाद

रामगढ़ क्रेटर को केवल एक गोलाकार गड्ढा मत समझिए। यह वह जगह है, जहां आज भी आसमान से आए उस लोहे और पत्थरों के टुकड़े की ऊर्जा महसूस की जा सकती है। वैज्ञानिक अध्ययन बताते हैं कि क्रेटर की मिट्टी में लोहा, निकल और कोबाल्ट की सांद्रता सामान्य से बहुत अधिक है- ये वही तत्व हैं जो अक्सर उल्कापिंडों में पाए जाते हैं। क्या 650 करोड़ साल बाद भी, यह धरती उस खगोलीय टक्कर का प्रमाण अपने भीतर दबाए हुए है?

पुष्कर तालाब का चमत्कार

क्रेटर के केंद्र में मौजूद पुष्कर तालाब एक ऐसी पहेली है जो प्रकृति के विरोधाभास को दर्शाती है। यह खारे और क्षारीय जल दोनों का स्रोत है। एक ही झील में दो विपरीत स्वाद का पानी कैसे मिल सकता है?

रोचक खबरें

फिर खड़ा हो रहा मौत का पहाड़!

मास्को। बेज़िमिआनी ज्वालामुखी रूस के कामचटका पर एक खड़ी, शंकु-आकार वाली ज्वालामुखी चोटी है। इसमें 69 साल पहले भयानक विस्फोट हुआ था। 1956 के बड़े विस्फोट के तुरंत बाद ही इसके बीचों-बीच एक लावा डोम बनना शुरू हो गया, जो हर साल बढ़ता चला गया था। बता दें कि आज यह पहाड़ फिर से लगभग अपनी पुरानी शक्ल में लौट रहा है। रिसर्च से यह पता चलता है कि 2030 से 2035 के बीच फिर से अपनी वहीं ऊंचाई तक पहुंच सकता है। बता दें कि 30 मार्च 1956 को बेज़िमिआनी ज्वालामुखी में इतना भयानक विस्पोट हुआ था कि पहाड़ का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह गिर गया था। इस विस्फोट की वजह से पहाड़ खोखला हो गया था और एक बड़ा घोड़े की नाल जैसी क्रेटर संरचना बन गई थी। नवंबर 2025 के अंत में ज्वालामुखी ने फिर तेजी से राख और गैस उगली जो लगभग 10 किलोमीटर यानी 32,800 फीट तक हवा में चली गई थी। इसके साथ ही दहकते हुए पत्थरों और गैसों की तेज धाराएं भी नजर आई। 2020 के एक अध्ययन में बताया गया था कि 1956 के बाद से बेज़िमिआनी पहाड़ बहुत तेज रफ्तार से ऊपर की ओर बढ़ रहा है।

मौत के वक्त ससुर से दूर रहता है दामाद, नहीं जाने देते पास

नई दिल्ली। शादी के बाद हर दामाद को अपने ससुर से बहुत प्यार और सम्मान मिलता है। लेकिन, जैसे ही ससुर की तबीयत गंभीर होती है और मौत का समय नजदीक आता है, अचानक सारे नियम बदल जाते है। दामाद को ससुर के कमरे में घुसने से रोक दिया जाता है। अगर गलती से भी पैर छू लिए तो घर की बड़ी-बुजुर्ग महिलाएं चिल्ला पड़ती है। आखिर क्यों? उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत तक के हिंदू परिवारों में आज भी यह परंपरा सख्ती से निभाई जाती है। आखिर इसकी वजह क्या है? क्यों मरते हुए ससुर से उसके दामाद को दूर रखा जाता है। पुराने लोग बताते हैं कि 'जमाई' शब्द ही अपशगुनी है। दामाद को भारत में जमाई भी कहा जाता है। जमाई यानी जम + आई यानी यम आ गया! यानी जिस घर में जमाई आता है, वहां यमराज भी उसके पीछे-पीछे चले आते है। ये मान्यता हजारों साल पुरानी है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो आज भी लोग कहते हैं कि अगर मरने वाले के पास दामाद बैठ जाए या उसका पैर छू ले, तो उसकी उम्र तुरंत खत्म हो जाती है। यमदूत को जैसे ही दामाद दिखता है, वो समझ जाते हैं कि 'अब समय पूरा हो गया, प्राण ले लो। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश के गांवों में तो यह नियम और भी सख्त है।

हनीमून के नाम का इतिहास है बेहद दिलचस्प

नई दिल्ली। हनीमून एक कपल के लिए बेहतरीन फेज होता है। इस दौरान कपल एक-दूसरे को अच्छी तरह से समझने की कोशिश करता है। घरवालों से दूर और किसी तरह की रिस्पॉन्सिब्लिटी से दूर, कपल एक साथ समय बिताता है। लेकिन क्या आपने कभी ये सोचा है कि जब इस दौरान ना तो शहद का इस्तेमाल करने की रस्म है और ना ही इसका चांद से कोई कनेक्शन है, फिर क्यों इस फेज को हनीमून कहा जाता है? शादियों का सीजन चल रहा है। हर तरफ बैंड-बाजा और बारातियों की चमक-धमक नजर आ रही है। शादी के कुछ दिन बाद नया-नवेला जोड़ा किसी हिल स्टेशन, गोवा या मालदीव की फ्लाइट पकड़ लेता है और चला जाता है 'हनीमून' मनाने। लेकिन, एक सवाल तो बनता है– हनीमून में हनी (शहद) कहां है? चांद (मून) तो दूर, रात में भी ज्यादातर कपल होटल की लाइट्स बंद करके सो जाते है। फिर भी दुनिया भर में इसे हनीमून ही क्यों कहा जाता है?

हजारों साल पहले शादी के बाद होती थी खास रस्म

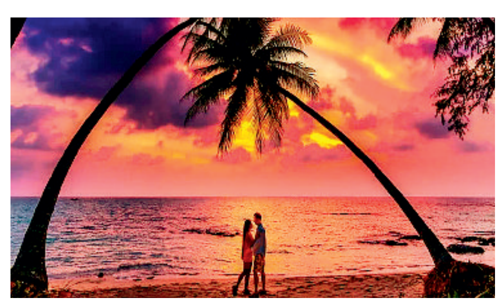

हजारों साल पुरानी है परंपरा

इसका जवाब बेहद पुराना और थोड़ा डरावना भी है। 5000 साल पहले उत्तरी यूरोप के जनजातीय इलाकों (जैसे जर्मनी, स्कैंडिनेविया) में एक क्रूर रिवाज था –'दुल्हन को उठा ले जाना'। अगर लड़के को लड़की पसंद आ जाती थी और लड़की के घरवाले राजी नहीं होते थे, तो लड़का अपने दोस्तों के साथ दुल्हन को जबरन उठा लेता था। फिर उसे जंगल के किसी गुप्त ठिकाने पर छिपाकर रखा जाता था।

फुल मून से जुड़ा है कांसेप्ट

ये एक महीना ठीक वही समय होता था जब एक पूर्णिमा से दूसरी पूर्णिमा तक का चक्र पूरा होता था– यानी एक 'मून' (चंद्र मास)। इसीलिए इस पूरे पीरियड को 'हनी मून' कहा जाने लगा– शहद वाली शराब + एक पूरा चांद। धीरे-धीरे सभ्यता बढ़ी, दुल्हन उठाने का रिवाज बंद हुआ, लेकिन नाम वही का वही रह गया– हनीमून! एक दूसरी थ्योरी बेबीलोनिया (आज का इराक) से भी आती है। वहां शादी के बाद दुल्हन के पिता पूरे एक चंद्र मास तक दामाद को शहद से बनी शराब मुफ्त में पिलाते थे, ताकि दामाद खुश रहे और नई जोड़ी में मिठास बनी रहे।

केदारेश्वर मंदिर का आखिर स्तंभ टूटते ही खत्म हो जाएगी दुनिया!

दिल्ली। महाराष्ट्र के हरिश्चंद्रगढ़ किले में स्थित केदारेश्वर गुफा मंदिर सिर्फ एक तीर्थ नहीं, बल्कि ऐसा रहस्य है जिसने सदियों से लोगों को हैरान किया है। यहां आए लोग अक्सर कहते हैं 'इस जगह की हवा भी कुछ अलग सी है।..जैसे वक्त थम गया हो.' चलिए, चलते हैं इस चमत्कारी गुफा के भीतर...जहां पानी भी मौसम की तरह अपना मूड बदलता है और दीवारों पर इतिहास खुद को फुसफुसाकर सुनाता है।

4 युगों की कहानी कह रहे खंभे

- गुफा का रहस्य, जहां पानी भी अपना स्वभाव बदल देता है ।
- इस मंदिर की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि गुफा सालभर पानी से भरी रहती है।
- सर्दियों में यह पानी हल्का गुनगुना हो जाता है।
- गर्मियों में बर्फ जैसा ठंडा
- वैज्ञानिक भी इस अनोखे तापमान बदलाव को पूरी तरह समझ नहीं पाए है।
- भक्तों का मानना है कि, 'यह पानी स्वयं भगवान शिव की ऊर्जा का रूप है, जो उनके गुफा में निवास को जीवंत बनाकर रखता है।'
- गुफा के अंदर कदम रखते ही ऐसा लगता है, जैसे आप किसी और समय में पहुंच गए हों...शांत, रहस्यमयी और बेहद पवित्र।

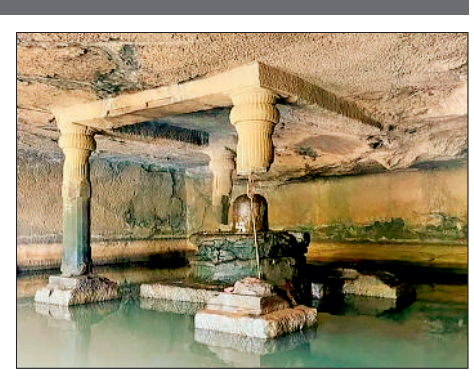

कहानी कहती है कि ये स्तंभ चार युगों का प्रतीक हैं- सत्ययुग, त्रेतायुग, द्वापर और कलियुग। तीन स्तंभ अब टूट चुके हैं, सिर्फ एक बचा है।..जिसे कलियुग का प्रतीक माना जाता है। स्थानीय लोग इस विश्वास को पीढ़ियों से आगे बढ़ाते आए हैं कि, 'जब आखिरी स्तंभ भी टूट जाएगा, उसी पल कलियुग समाप्त होगा और पृथ्वी का चक्र एक नए आरंभ की ओर बढ़ेगा।' यही वजह है कि इस मंदिर का दौरा करना भक्तों के लिए सिर्फ आस्था नहीं, एक आध्यात्मिक अनुभव है।

- ट्रेकिंग का रोमांच और मंदिर तक पहुंचने की चुनौती
- केदारेश्वर मंदिर तक पहुंचना आसान नहीं है।
- पथरीली चढ़ाई, घने जंगल और पहाड़ी रास्ते.
- मंदिर तक कोई पक्का मार्ग नहीं, सिर्फ एक कठिन ट्रेक है, जो आपको साहस और भक्ति दोनों की परीक्षा देता है।

हिमालय बन रहा है टाइम बम... भारत पर मंडरा रहा है 8 प्लस तीव्रता के भूकंप का खतरा!

नई दिल्ली। जापान ने हाल ही में एक बड़े भूकंप की जो चेतावनी जारी की है, जिससे हिमालय क्षेत्र में विनाशकारी भूकंप आने की संभावना को लेकर चिंताएं फिर से बढ़ गई है। जापान को प्रशांत महासागर के अग्नि-वलय (Ring of Fire) पर होने के कारण एक बड़े भूकंप का खतरा है। वहीं, भारत में विशेषज्ञ अब इस खतरे की तुलना हिमालय से कर रहे है। हिलालय ऐसा इलाका है जिसे लंबे समय से एक बड़े भूकंप के लिए टाइम बम जैसा माना जाता रहा है।

हिमालय में खतरे की वजह

हिमालय में इस तरह के बड़े भूकंप का खतरा बना हुआ है, जिसके कई कारण हैं जैसे- घनी आबादी, कमजोर बुनियादी ढांचे और भूस्खलन-हिमस्खलन। इतिहास और भूवैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि इस क्षेत्र में पहले भी कई बड़े भूकंप आ चुके हैं, जिनमें बहुत अधिक जान-माल का नुकसान हुआ था जैसे 1934 का बिहार नेपाल भूकंप (8.0 तीव्रता) और 2015 का नेपाल भूकंप (तीव्रता 7.8)।

क्या है ग्रेट हिमालय भूकंप?

महान हिमालयी भूकंप एक ऐसी भयानक भूकंप की घटना की कल्पना है, जो हिमालय पर्वत श्रृंखला के नीचे की एक बड़ी दरार पर आ सकती है। यह वह जगह है जहां भारतीय टेक्टोनिक प्लेट धीरे-धीरे, लेकिन लगातार यूरेशियन प्लेट के नीचे धंस रही है। इस वजह से सदियों तनाव जमा हो रहा है। यह तनाव मुक्त होते ही इससे 8 या इससे ज्यादा तीव्रता का भूकंप आ सकता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com